03 अप्रैल 2025
गुरुवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

वैशाली जिला में शॉर्ट सर्किट से लगी आग 15 घर जले, एक युवक बुरी तरह झुलसा
2

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में चर्चा के लिए पेश किया वक्फ संशोधन विधेयक, कांग्रेस का हंगामा

वक्फ में कोई भी गैर इस्लामिक सदस्य नहीं होगा: शाह

- वक्फ संशोधन बिल को केंद्र की सरकार में शामिल टीडीपी, जदयू और एलजेपी ने दिया समर्थन

एजेंसी/नई दिल्ली

अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को लोकसभा में चर्चा के लिए वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया। इस बिल के पेश होते ही कांग्रेस ने लोकसभा में हंगामा करना शुरू कर दिया। कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि उन्हें 1 अप्रैल को दोपहर में बिल मिला था, जिस वजह से उन्हें संशोधन देने का समय नहीं मिला। कांग्रेस के लगाए इस आरोप पर गृहमंत्री अमित शाह ने तुरंत खड़े जवाब दिया। लोकसभा में कांग्रेस सांसद के.सी. वेणुगोपाल ने कहा, इस तरह का बिल (वक्फ संशोधन विधेयक) जिसे आप सदन में ला रहे हैं, कम से कम सदस्यों को संशोधन करने का अधिकार तो होना चाहिए। आप कानून को जबरन थोप रहे हैं। आपको संशोधन के लिए समय देना चाहिए। संशोधन के लिए कई प्रावधान हैं।

के.सी. वेणुगोपाल के इस बयान पर गृह मंत्री अमित शाह ने जवाब देते हुए कहा, 'जो पॉइंट ऑफ ऑर्डर उठाया गया है, मैं उसकी मुख्य बात सदन के सामने रखना चाहता हूं। भारत सरकार की कैबिनेट ने एक बिल को मंजूरी देकर सदन में पेश किया। इसे जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी को भेजा गया, जिसका विपक्ष ने भी आग्रह किया था। कमेटी ने इस बिल पर विचार कर अपनी राय दी। फिर यह राय दोबारा कैबिनेट के पास भेजी गई। कैबिनेट ने जेपीसी के सुझावों को स्वीकार किया और संशोधन के रूप में किरण रिजिजू ने इसे सदन में पेश किया। यह तभी संभव होता है जब कैबिनेट इसकी मंजूरी दे इसलिए मैं नहीं मानता कि इसमें कोई पॉइंट ऑफ ऑर्डर है। यह आपका ही आग्रह था कि जेपीसी बनाई जाए। अगर कमेटी कोई बदलाव ही न करे, तो इसका क्या मतलब? हमारी कमेटी कांग्रेस की तरह सिर्फ मुहर लगाने का काम नहीं करती, बल्कि चर्चा करके सही निर्णय लेती है और जरूरी बदलाव करती है। अमित शाह ने चर्चा के दौरान यह साफ किया कि वक्फ में कोई भी गैर इस्लामिक सदस्य नहीं होगा। बिल को केंद्र की सरकार में शामिल टीडीपी, जदयू और एलजेपी ने समर्थन दिया। शिवसेना यूबीटी सांसद अरविंद सांसद ने अपने भाषण में ये क्लियर नहीं किया कि वे बिल के पक्ष में है या विरोध में।

वक्फ बिल से सरकार धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेगी

चर्चा की शुरूआत करते हुए केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने यूपीए सरकार पर बड़ा हमला बोला है और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने संसद को बचाने में मदद की, वरना इस संसद को भी कांग्रेस वक्फ की जमीन के रूप में दे दिया होता। केंद्रीय मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि विधेयक का कभी भी किसी धार्मिक प्रथा या किसी मस्जिद के प्रबंधन में हस्तक्षेप करने का इरादा नहीं है। इस दौरान उन्होंने विपक्ष के विरोध को खारिज करते हुए कहा कि ये बिल देश और खासकर गरीब मुस्लिमों के हित में है। रिजिजू ने साफ किया कि सरकार इस बिल को जल्दबाजी में नहीं लाई, बल्कि लंबी सोच-विचार और तैयारी के बाद इसे पेश किया गया है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान पिछली सरकार पर भी सवाल उठाए और बताया कि साल 2013 में यूपीए सरकार ने वक्फ बोर्ड को ऐसा अधिकार दिया कि वक्फ बोर्ड के आदेश को किसी सिविल अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती। रिजिजू ने कहा कि अगर यूपीए सरकार सत्ता में होती तो संसद इमारत, एयरपोर्ट समेत पता नहीं कितनी इमारतों को वक्फ संपत्ति घोषित कर दिया जाता क्योंकि इन पर भी दावा किया जा रहा था। केंद्रीय मंत्री ने साफ किया कि वक्फ संशोधन विधेयक से सरकार धार्मिक मामलों में कोई हस्तक्षेप नहीं करेगी, ये विधेयक सिर्फ संपत्ति के प्रबंधन का मामला है। उन्होंने विपक्ष पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया है।

वक्फ से जुड़ी अमित शाह की बातों को इन 7 प्वाइंट में समझें

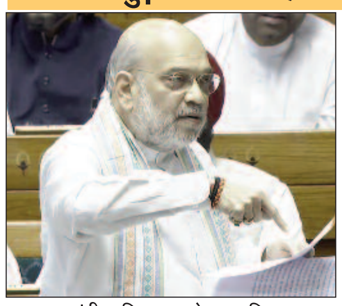

1. गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि वक्फ का कानून दान के लिए किसी द्वारा दी हुई संपत्ति, उसका एडमिनिस्ट्रेशन अच्छे से चल रहा है या नहीं, कानून के हिसाब से चल रहा है या नहीं या तो दान जिस चीज के लिए दिया जा रहा है, इस्लाम धर्म के लिए दिया है, गरीबों के उद्धार के लिए दिया गया है। उसके उद्देश्य के लिए उपयोग हो रहा है या नहीं हो रहा है। इसका नियमन करने का काम है।
2. विपक्ष के आरोप पर शाह ने दो टूक बोला कि ये जो भ्रम खड़ा किया जा रहा है कि यह एक्ट मुस्लिम भाइयों के धार्मिक क्रियाकलापों के अंदर उनकी दान की हुई संपत्ति के अंदर दखल करने का है। ये बहुत बड़ी भ्रांति फैलाकर माइनोरिटी को डराकर अपनी वोटबैंक खड़ी करने के लिए किया जा रहा है।
3. शाह ने कहा कि वक्फ का समकालीन अर्थ, इस्लाम के दूसरे खलीफा उमर के समय अस्तित्व में आया। एक प्रकार से आज की भाषा में व्याख्या करें तो वक्फ एक प्रकार का चैरिटेबल इनरौलमेंट है। जहां एक व्यक्ति संपत्ति, भूमि धार्मिक और सामाजिक भलाई के लिए दान करता है, बिना उसको वापिस लेने के उद्देश्य से।
4. विपक्ष की नीयत पर सवाल उठाते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि मुझे लगता है कि या तो निर्दोष भाव से या राजनीतिक कारणों से कई भ्रांतियां कई सदस्यों के मन में है और सदन के माध्यम से कई सारी भ्रांतियां पूरे देश में फैलाने की कोशिश की जा रही है
5. मुस्लिम पक्ष की कुछ आपत्तियों पर शाह ने बोला कि वक्फ अधिनियम और बोर्ड 1995 में लागू हुआ था। गैर-मुस्लिमों को शामिल करने के बारे में सभी तर्क वक्फ में हस्तक्षेप के बारे में हैं। कोई भी गैर-मुस्लिम वक्फ में नहीं आएगा। इसे अच्छी तरह से समझ लें।
6. अमित शाह ने विपक्ष पर चुटकी लेते हुए बोला कि इनको ना कभी पिछड़ों की फिक्र रही है और ना ही कभी मुसलमानों की. ये सालों से जातिवाद और तुष्टिकरण के आधार पर राजनीति करते आए हैं, परिवार की पॉलिटिक्स को इन्होंने आगे बढ़ाया है। 2014 के बाद इन सियासत को समाप्त करके नरेंद्र मोदी ने विकास की राजनीति शुरू की।
7. अमित शाह ने दावा किया कि कर्नाटक में एक मंदिर पर वक्फ ने क्लेम किया था, ईसाई समुदाय की ढेर सारी जमीनों पर भी दावा ठोका गया है।

केंद्र सरकार ने इस विधेयक को पिछले साल अगस्त में लोकसभा के सामने रखा था। हालांकि बाद में सर्वसम्मति से इसे संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेज दिया गया। जेपीसी ने करीब छह माह तक विधेयक पर मिले संशोधन के सुझावों पर विचार किया और 27 जनवरी को इसे फिर से संसद में पेश करने की मंजूरी दे दी थी।

देश में तीसरा सबसे ज्यादा जमीन वक्फ बोर्ड के पास

एजेंसी/नई दिल्ली

वक्फ संशोधन विधेयक का उद्देश्य बोर्ड के कामकाज को सुव्यवस्थित करना और वक्फ संपतियों को मैनेज करने में सुधार करना है। वक्फ बोर्ड वर्तमान में 9.4 लाख एकड़ में फैली 8.7 लाख प्रॉपर्टीज को कंट्रोल करते हैं, जिसका अनुमानित कीमत 1.2 लाख करोड़ रुपये है। भारत में दुनिया की सबसे बड़ी वक्फ होल्डिंग है। सशस्त्र बलों और भारतीय रेलवे के बाद बोर्ड देश के सबसे बड़े भूस्वामी भी है।

इतनी चल और अचल संपत्तियां: 8.7 लाख बोर्ड प्रॉपर्टीज में से 356,051 वक्फ एस्टेट के तौर पर रजिस्टर्ड हैं, जिसमें 872,328 अचल संपत्तियां हैं और 16,713 चल संपत्तियां हैं. इतने बड़े पैमाने के बावजूद बोर्ड से कोई इनकम जनरेट नहीं होता है।

12,000 करोड़ होगी सालाना कमाई: सच्चर समिति ने 2006 में अपनी रिपोर्ट पेश की, जिसमें कहा गया कि अगर इन प्रॉपर्टीज का सही तरह से उपयोग किया जाए तो इनसे कम से कम 10 फीसदी राजस्व प्राप्त हो सकता है, जो हर साल लगभग 12000 करोड़ रुपये है। समिति ने वक्फ के मैनेजमेंट में सुधार के लिए कई उपायों की भी सिफारिश की, ताकि केंद्रीय वक्फ बोर्ड और प्रत्येक राज्य वक्फ बोर्ड में दो महिला सदस्यों को शामिल किया जा सके, CWC/SWB में संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी की नियुक्ति की जा सके और वक्फ को वित्तीय लेखा परीक्षा की योजना के तहत लाया जा सके।

उत्तर प्रदेश में ही 27 प्रतिशत वक्फ बोर्ड की प्रॉपर्टी: भारत में वक्फ बोर्ड की सबसे ज्यादा जमीन यूपी में है, जो कुल वक्फ बोर्ड की अचल संपत्ति का 27 फीसदी हिस्सा है। यहां कुल 2,32,547 अचल संपत्तियां हैं। इसके बाद पंजाब और पश्चिम बंगाल में 9 फीसदी जमीनें हैं। तमिलनाडु में 8 प्रतिशत, केरल, तेलंगाना और गुजरात में 5 फीसदी है। कर्नाटक में वक्फ बोर्ड की कुल अचल संपत्ति का 7 फीसदी हिस्सा है।

समझें... क्या है वक्फ?

इस्लाम में वक्फ का अर्थ उस संपत्ति से है, जो जन-कल्याण के लिए हो। यह एक तरीके का 'दान' जैसा ही होता है और इसका दानदाता चल या अचल संपत्ति दान कर सकता है। जन कल्याण के लिए जो भी दान कर दिया जाए, उसे संरक्षित करना ही वक्फ है। अब इसमें घर, खेत, जमीन-मैदान ही शामिल नहीं है, बल्कि पंखा, कूलर, साइकिल, टीवी-फ्रिज भी आ सकते हैं। तुर्की, लीबिया, जॉर्डन, ट्यूनीशिया और मिस्र जैसे कुछ इस्लामी देशों में कोई वक्फ सिस्टम नहीं है, भारत का वक्फ नेटवर्क विस्तृत और कानूनी रूप से संरक्षित बना हुआ है। लेकिन पारदर्शिता, जवाबदेही और शासन के आसपास चुनौतियां बनी हुई हैं। सितंबर 2024 में अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने बताया कि वर्तमान में वक्फ ट्रिब्यूनल में 40,951 मामले लंबित हैं, जिनमें से 9942 मामले मुस्लिम समुदाय के सदस्यों द्वारा वक्फ का मैनेज करने वाली संस्थाओं के खिलाफ दायर किए गए हैं। इसके अलावा, मामलों के निपटान में देरी होती है और ट्रिब्यूनल के फैसलों पर कोई न्यायिक निगरानी नहीं होती है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री गिरजा व्यास की हालत गंभीर

एजेंसी/जयपुर

पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस की दिग्गज नेता गिरिजा के साथ गंभीर हादसा हुआ है। हादसा ऐसा कि उनके शरीर का 90 फीसदी हिस्सा झुलस गया है। दरअसल वो अपने घर में पूजा कर रही थीं उसी दौरान आग लग गई। जिस वजह से उनकी शरीर आग की चपेट में आ गई। इसके अलावा उनके सिर में भी गंभीर चोट आई है। डॉक्टर ने बताया कि हादसा का गंभीर है इस वजह से उनको पुनः: स्वस्थ होने में काफी समय लगेगा।

गिरिजा व्यास को अहमदाबाद के जाइडस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां हो आईसीयू में भर्ती हैं। हॉस्पिटल में ऑपरेशन डिपार्टमेंट को लीड कर रहे जैस्मीन शाह ने गिरिजा को लेकर बताया कि उनके शरीर का 90 फीसदी हिस्सा आग की चपेट में आने से जल गया है। और साथ ही गिरने की वजह से सिर पर लगने की वजह से उनके मस्तिष्क में भी गंभीर चोट आई है। गिरिजा के बेटे गोपाल शर्मा ने बताया कि वो जल्दी ही शीघ्र स्वस्थ होंगी। 78 साल की गिरिजा व्यास अपने घर पर पूजा कर रही थीं इसी दौरान उनकी साड़ी में आग लग गई। जिसके बाद उनको आनन फानन में उदयपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से बाद में उन्हें अहमदाबाद के लिए रेफर कर दिया गया।

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद की तबीयत बिगड़ी, शाम में दिल्ली रवाना

केटी न्यूज/पटना

राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की तबीयत बिगड़ गई है। डॉक्टरों ने उन्हें फौरन दिल्ली जाने की सलाह दी। लेकिन, दिल्ली जाने से पहले उनकी हालत ऐसी हो गई कि पटना के पारस अस्पताल ले जाया गया। यहां पर उनके साथ नेता प्रतिपक्ष उनके साथ थे। यहां डॉक्टरों की टीम ने जांच की। थोड़ी देर बाद वह यहां से राबड़ी आवास चले गए। शाम सात बजे लालू प्रसाद दिल्ली रवाना हुए। उनके साथ उनकी पत्नी राबड़ी देवी, राजद नेता भोला यादव भी दिल्ली गए हैं।

तेजस्वी यादव ने बताया कि हमारे नेता

बुधवार शाम सात बजे की फ्लाइट से दिल्ली रवाना हुए। दिल्ली के एम्स में उनका इलाज होगा। राजद सूत्रों की मानें तो लालू प्रसाद के ब्लड शुगर के स्तर में वृद्धि के कारण उनकी स्वास्थ्य स्थिति और गंभीर हो गई है। शुगर लेवल बढ़ने के कारण तकलीफ काफी बढ़ गई है। हालांकि, उनकी तबीयत पिछले दो दिन से खराब है। लेकिन, बुधवार सुबह से उनकी तबीयत में और भी गिरावट आई। पटना में चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए दिल्ली जाने की सलाह दी। बुधवार को पहली फ्लाइट शाम चार बजे थी, लेकिन एयरपोर्ट के लिए निकलते समय उनका बीपी 88/44 हो गया था। वह सुधार हुआ, तब लालू को दिल्ली जाने के लिए एयरपोर्ट ले जाया गया।

राजद अध्यक्ष को दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती कराया जाएगा, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा उनका उपचार किया जाएगा। लालू प्रसाद जल्दी स्वस्थ हो जाएं, इसको लेकर उनके समर्थक लगातार दुआ मांग रहे। तेजस्वी यादव ने बताया कि कंधे और हाथ में उन्हें जख्म हो गया था और बुखार भी था। इसके साथ शुगर का भी इश्यू आ गया और फिर बीपी की परेशानी भी सामने आ गई।

बता दें कि 26 मार्च को राजद सुप्रीमो पटना के गर्दनीबाग में वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ मुस्लिम संगठनों के धरना-प्रदर्शन में शामिल हुए थे। उनके साथ तेजस्वी यादव भी थे। उस वक्त लालू प्रसाद फिट नजर आ रहे थे। तब उन्होंने मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि हमलोग वक्फ बिल के विरोध में हैं। किसी के साथ अन्याय नहीं होगा। सरकार गलत कर रही है। नीतीश कुमार उन लोगों के साथ हैं, वो इस बिल का समर्थन कर रहे हैं।

लोन नहीं मिलने पर बैंक से लूट लिया 17 किलो सोना, गिरफ्तार

एजेंसी/बेंगलुरु

कर्नाटक के दावणगेरे जिले के एक शख्स ने लोन नहीं मिलने पर बैंक से 17 किलो सोना लूट लिया। चोरी का मुख्य आरोपी विजयकुमार आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। उसने अगस्त 2023 में SBI बैंक में 15 लाख रुपए के लोन के लिए अप्लाई किया था, लेकिन उसका एप्लिकेशन रिजेक्ट हो गया। इससे नाराज होकर उसने बैंक से 13 करोड़ रुपए का सोना लूटा। पुलिस ने कहा- आरोपी विजयकुमार को स्पैनिश क्राइम ड्रामा सीरीज 'मनी हाइस्ट' से चोरी का आइडिया आया। इसके बाद उनके यूट्यूब वीडियो देखकर 6-9 महीने में बैंक लूट की प्लानिंग की। बैंक लूटने में उसने भाई अजयकुमार, बहनोई परमआनंद और तीन अन्य साथी अभिषेक, चंद्रु और मंजूनाथ की भी मदद ली। पुलिस ने फिलहाल सभी 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

केंद्र की पहल... अंग दान करने वाले कर्मचारियों को मिलेगी 42 दिनों की विशेष आकस्मिक छुट्टी

एजेंसी/नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने अपने कर्मचारियों के लिए एक नई पहल शुरू की है, जिसके तहत अंग दान करने वाले कर्मचारियों को 42 दिनों की विशेष आकस्मिक छुट्टी दी जाएगी। यह कदम सरकारी कर्मचारियों में अंग दान के प्रति झिझक को कम करने में मदद करेगा, क्योंकि यह सर्जरी के बाद पर्याप्त आराम और स्वास्थ्य लाभ का समय सुनिश्चित करता है। यह भारत में अंग दान को बढ़ावा देने की दिशा में एक शानदार कदम है, जो कर्मचारियों के स्वास्थ्य और कल्याण को समर्थन देने के साथ-साथ अन्य संगठनों के लिए भी एक मिसाल कायम करता है।

बुधवार को कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग ने ज्ञापन जारी किया है, जिसमें इस विशेष अवकाश की बारीकियों को स्पष्ट किया गया है। ज्ञापन के अनुसार, केंद्र सरकार का कोई भी कर्मचारी जो अंग दान करता है, उसे दान किए गए अंग के प्रकार की परवाह किए बिना अधिकतम 42 दिनों की विशेष आकस्मिक छुट्टी मिलेगी। इस छुट्टी का उद्देश्य दानकर्ता को पूर्ण स्वास्थ्य लाभ और सर्जरी के बाद स्वस्थ होने में सक्षम बनाना है। सरकार के इस फैसले के पीछे देश में अंग दान की भारी जरूरत प्रेरणा का स्रोत है। इस नीति के जरिए एउम्मीद की जा रही है कि संभावित दानकताओं को काम से छुट्टी या नौकरी खोने की चिंता नहीं करनी पड़ेगी।

रामनवमी मेला: चार, पांच और छह अप्रैल को अयोध्या में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की उम्मीद

रामजन्मोत्सव पर 18 घंटे तक श्रद्धालुओं को दर्शन देंगे रामलला

एजेंसी/अयोध्या

रामनवमी के मुख्य पर्व रामजन्मोत्सव पर रामलला के दर्शन की अवधि बढ़ाने की तैयारी है। इस दिन रामलला 18 घंटे तक दर्शन देंगे। मंदिर सुबह पांच बजे से लेकर रात 11 बजे तक खुलेगा। रामलला की आरती के समय में भी बदलाव किए जाने की संभावना है। हालांकि श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से अभी तक इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

रामनवमी मेले के आखिरी तीन दिन चार, पांच और छह अप्रैल को अयोध्या में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की उम्मीद है। इन तीनों दिनों के दौरान रामलला के दर्शन अवधि में

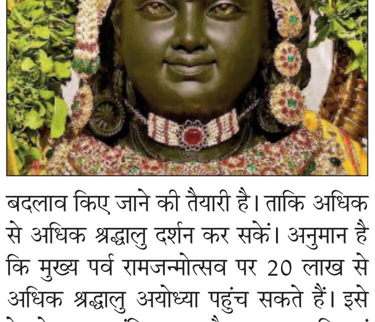

बदलाव किए जाने की तैयारी है। ताकि अधिक से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर सकें। अनुमान है कि मुख्य पर्व रामजन्मोत्सव पर 20 लाख से अधिक श्रद्धालु अयोध्या पहुंच सकते हैं। इसे देखते हुए राममंदिर ट्रस्ट और प्रशासन सुविधाएं भी विकसित करने में जुटा है। रामजन्मभूमि पथ पर अस्थाई कैनोपी लगाई जा चुकी है और मुख्य पर्व तक पथ पर लाल कारपेट भी बिछा दिया जाएगा। श्रद्धालुओं के लिए 200 स्थानों पर पेयजल की व्यवस्था की जा रही है।

श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महामंत्री चंपत राय ने रामनवमी पर हो रहे कार्यक्रमों की जानकारी दी है। उन्होंने एक वीडियो जारी करते हुए बताया कि प्रभु श्रीराम के ललाट पर सूर्य अभिषेक की तैयारियां चल रही हैं और विशेषज्ञों की एक टीम इस काम में जुटी हुई है। उन्होंने यह भी बताया कि सूर्य अभिषेक का प्रसारण पूरे विश्व में किया जाएगा। चंपत राय ने यह भी कहा कि श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए रामलला के दर्शन की अवधि बढ़ाने पर विचार किया जाएगा।

भक्तिपथ पर लगाया गया शेड: भक्तिपथ पर श्रद्धालुओं के लिए सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। 600 मीटर लंबे भक्तिपथ पर अस्थाई रूप से शेड लगाया गया है। श्रद्धालु इस मार्ग से होकर सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी और कनक भवन दर्शन के लिए जाते हैं, जहां लंबी कतारें लगती हैं। रोजाना 70 हजार से 80 हजार श्रद्धालु दर्शन कर रहे हैं और मुख्य पर्व पर यह संख्या कई गुना बढ़ सकती है। शेड लगाने से श्रद्धालुओं को तेज धूप से राहत मिलेगी। भक्तिपथ पर पेयजल की व्यवस्थाएं भी बढ़ाई जा रही हैं, और एंबुलेंस की व्यवस्था भी की जाएगी। राममंदिर के शिखर पर कलश की विधिपूर्वक पूजा की गई। राममंदिर के अलावा परिसर में स्थित सभी 16 मंदिरों के शिखरों पर कलश स्थापित किए जाएंगे।

बेलसर थाना क्षेत्र के जयराम पटेढ़ा गांव की घटना, सारा सामान जलकर राख

वैशाली जिला में शॉर्ट सर्किट से लगी आग 15 घर जले, एक युवक बुरी तरह झुलसा

केटी न्यूज/पटना

वैशाली जिले के बेलसर थाना क्षेत्र के जयराम पटेढ़ा गांव में बिजली के शार्ट सर्किट से अचानक एक घर में आग लग गई। इस घटना में देखते ही देखते तकरीबन 15 घर पूरी तरह से जल गए। बताया जा रहा है कि आग की लपटें इतनी भयावह थीं कि लोग अपने घरों से सामान भी नहीं निकाल पाए। वहीं, इस दौरान घर में सो रहे बच्चे को निकालने गया एक युवक पूरी तरह से झुलस गया। उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर ने प्राथमिक इलाज के बाद उसे पटना रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि एक घर में शादी की तैयारियां चल रहीं थी। लेकिन आग से घर का पूरा सामान जलकर खाक हो गया।

इधर, घटना की सूचना मिलते ही कड़ी मशक्कत के बाद अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने स्थानीय लोगों के सहयोग से आग पर काबू पाया। हालांकि घटना को लेकर स्थानीय लोगों ने अधिकारियों से पीड़ित परिवारों को सहायता दिलाने की मांग की है। वहीं, अग्नि पीड़ित ने बताया कि दो महीने के बाद बेटी की शादी करने वाले थे। घर में शादी को लेकर सारे सामान जुटाए जा रहे थे। नकदी और सोने की कीमती ज्वेलरी सभी घर में रखा हुआ था। सारे सामान जल गए हैं। उन्होंने बताया कि दो लाख रुपये के सोने के जेवरात के साथ करीब पांच लाख रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है। जानकारी के मुताबिक, आग लगने की घटना के दौरान आग की लपटें इतनी भयावह थीं कि आसपास के करीब 15 घर चपेट में आ गए। निकालने गए संजीत मांझी के बेटे दीपक मांझी (25) पूरी तरह से झुलस गए। उसे गंभीर हालत में इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बेलसर में भर्ती कराया गया। बाद में उसे सदर अस्पताल हाजीपुर रेफर कर दिया गया।

रोहतास जिले में मामूली विवाद में दो पक्षों के बीच जमकर चले ईंट-पत्थर

पटना। बिहार के रोहतास जिले के नासरीगंज थाना क्षेत्र के मरोझियां गांव में मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जब दो पक्षों के बीच जमकर ईंट-पत्थर चले। घटना का कारण कुत्ते और बकरी को लेकर हुए विवाद को बताया जा रहा है, जो धीरे-धीरे तकरार में बदल गया और फिर हिंसा में तब्दील हो गया। जानकारी के मुताबिक, घटना बुधवार को उस समय घटी, जब एक कुत्ते ने गांव की एक बकरी को काट लिया। इस बात को लेकर दो पक्षों के बीच बहस शुरू हो गई, जो जल्द ही झगड़े में बदल गई। थोड़ी ही देर में गांव की गलियों और घरों पर बड़े-बड़े पत्थर बरसने लगे। इस पत्थरबाजी में कई लोग घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नासरीगंज में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही नासरीगंज थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची, जिसके बाद एसपी रोशन कुमार भी दल-बल के साथ गांव में पहुंचे। असामाजिक तत्वों को देखते ही पुलिस ने कार्रवाई शुरू की और लगभग 30 से 35 लोगों को हिरासत में ले लिया। फिलहाल गांव में माहौल शांतिपूर्ण बनाए रखने के लिए पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है।

पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ दर्ज की प्राथमिकी: इस घटना को लेकर रोहतास एसपी रोशन कुमार ने बताया कि मरोझियां गांव में एक जानवर को पीटने को लेकर दो परिवारों में विवाद हुआ, जिसने हिंसक रूप ले लिया। इस पत्थरबाजी में करीब आठ लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि घटना को लेकर तीन अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की गई हैं और अब तक 27 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ पत्थरबाजी का वीडियो: इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें साफ तौर पर कुछ लोग घरों की छतों पर चढ़कर पत्थरबाजी करते नजर आ रहे हैं। हालांकि पुलिस ने इस वीडियो की पुष्टि नहीं की है, लेकिन मामले की जांच जारी है। फिलहाल गांव में शांति बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। स्थानीय प्रशासन भी गांव में माहौल सामान्य करने के लिए लगातार नजर बनाए हुए है।

सहरसा में किसान ने जहर खाकर दे दी जान

केटी न्यूज/पटना

सहरसा जिले के सलखुआ थाना क्षेत्र के गोरदह पंचायत में लोन की किस्त समय पर न चुका पाने और फाइनेंस कंपनी कर्मी द्वारा बेइज्जती किए जाने से आहत एक किसान ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान गोरदह पंचायत के मुसहरणीया वार्ड-दो निवासी देवानंद पासवान (55) के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, उन्होंने अपनी पत्नी विभा देवी के नाम से एक निजी फाइनेंस कंपनी से 75 हजार रुपये का लोन लिया था, जिसकी हर महीने 4200 रुपए किस्त जमा करनी होती थी। मार्च महीने की किस्त 25 तारीख को जमा करनी थी, लेकिन देवानंद पासवान सिर्फ 2100 रुपए ही जुटा पाए। एक अप्रैल को जब फाइनेंस कंपनी का एजेंट पैसे लेने आया, तो उन्होंने उसे आधी राशि दी और शेष रकम जल्द ही चुकाने का वादा किया। लेकिन फाइनेंस कर्मी इस पर भड़क उठा और गाली-गलौज करने लगा। मृतक की पत्नी विभा देवी ने बताया कि फाइनेंस एजेंट ने उनके साथ भी दुर्व्यवहार किया। उसने कहा कि मर जाओ, लेकिन किस्त चाहिए! इस अपमान और तनाव से आहत होकर देवानंद पासवान ने मंगलवार को जहर खा लिया।

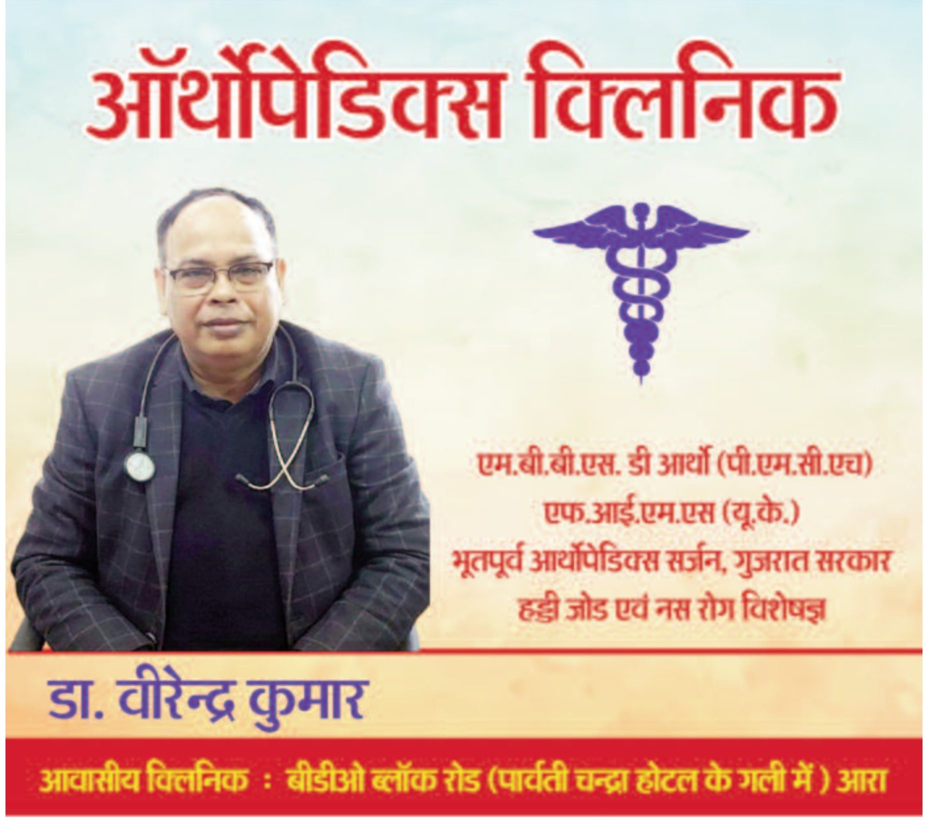

सहरसा में बेखौफ अपराधियों ने एक दुकानदार को चाकू मारकर की लूटपाट, लोगों में नाराजगी

केटी न्यूज/पटना

सहरसा जिले के सदर थाना क्षेत्र के कहरा-भरार्ही रोड स्थित साईं मंदिर के पास मंगलवार देर रात बेखौफ अपराधियों ने एक दुकानदार को चाकू मारकर लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, घायल दुकानदार की पहचान महरथा निवासी मुकेश कुमार के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि वह कहरा ब्लॉक रोड स्थित साउथ प्वाइंट स्कूल के पास स्टेशनरी की दुकान चलाते हैं। मंगलवार की रात जब वह दुकान बंद कर साइकिल से घर लौट रहे थे, तभी चार युवकों ने उन्हें घेर लिया और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर एक युवक ने पीछे से चाकू मार दिया और उन्हें जखमी कर दिया। पीड़ित मुकेश कुमार ने बताया कि अपराधियों ने उनकी जेब में रखे 30 हजार रुपये, मोबाइल और कपड़े छीन लिए और साइकिल भी लेकर फरार हो गए। किसी तरह उन्होंने अपने परिजनों को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद उन्हें सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अपराधियों के हौसले बुलंद, अक्सर होती हैं घटनाएं: घटना की सूचना मिलने पर टीओपी प्रभारी सनोज कुमार मौके पर पहुंचे और छानबीन शुरू की। उन्होंने कहा कि फिलहाल आवेदन नहीं मिला है, लेकिन प्रारंभिक जांच में पांच-छह हजार रुपये लूटने की बात सामने आई है। आवेदन मिलने के बाद ही सही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि इस इलाके में अक्सर लूटपाट की घटनाएं होती हैं। भारतमाला परियोजना के तहत सड़क निर्माण कार्य चलने के कारण सड़क पर मिट्टी फैली रहती है, जिससे रास्ता भी अवरुद्ध रहता है। इसका फायदा उठाकर अपराधी राहगीरों को निशाना बना रहे हैं। टीओपी प्रभारी सनोज कुमार ने कहा कि घटनास्थल की जांच की गई है और अपराधियों की पहचान करने के प्रयास जारी है। पुलिस जल्द लुटेरों को पकड़ेगी।

दो ट्रकों की टक्कर से गांधी सेतु पर लगा जाम

पटना। पटना को उत्तर बिहार को जोड़ने वाली महात्मा गांधी सेतु पर महाजाम पर से लोग परेशान हैं। बुधवार सुबह सेतु पर दो ट्रकों के बीच टक्कर के कारण जाम लग गया। हादसा इतना भीषण था कि एक ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद सेतु पर हड़कंप मच गया। देखते ही देखते जाम लग गया। सुबह से जारी इस महाजाम में हजारों गाड़ियां फंसी हुई थीं। चिलचिलाती धूप में सेतु पर गाड़ियों में फंसे लोग परेशान रहे। बताया जा रहा है कि वैशाली जिले के गंगा ब्रिज थाना अंतर्गत महात्मा गांधी सेतु के पाया नंबर दो के समीप एक अनियंत्रित ट्रक ने आगे चल रही ट्रक को टक्कर मार दी। इस घटना में ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई।

किशनगंज जिले में रेलवे ट्रैक पर मिला एक महिला का शव

किशनगंज। किशनगंज जिले में रेलवे ट्रैक पर एक महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। यह घटना पोठिया थाना क्षेत्र के कुशियारी पंचायत स्थित निमला गांव के पास घटी। जहां स्थानीय लोगों ने सुबह रेलवे ट्रैक पर 22 वर्षीय मंजूरा का शव देखा। मृतका की पहचान नौक्कता निवासी सागखुवा की बेटी मंजूरा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह मानसिक रूप से विक्षिप्त थी। प्रथम दृष्टया पुलिस ने आशंका जताई है कि ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हुई होगी। बताया जा रहा है कि यह घटना इस्लामपुर से सिलीगुड़ी जाने वाली रेल लाइन के पिलर नंबर 46/7 के पास हुई। पुलिस को शक है कि ट्रेन गुजरने के दौरान महिला ट्रैक पर आ गई होगी, जिससे यह हादसा हुआ।

पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव पर जातिवाद का आरोप, आक्रोशित छात्रों ने की बर्खास्तगी की मांग

केटी न्यूज/पटना

पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव एन.के. झा पर छात्रों ने जातिगत भेदभाव करने का गंभीर आरोप लगाया है। छात्रों का कहना है कि कुलसचिव से मिलने के लिए छात्रों को उनके सरनेम के आधार पर भेजा जाता है। जिन छात्रों की जाति कुलसचिव से मिलती है, उन्हें सम्मानपूर्वक बैठने के लिए कुर्सी दी जाती है, जबकि पिछड़ा और अति पिछड़ा वर्ग के छात्रों के साथ भेदभाव किया जाता है और उन्हें अपमानजनक तरीके से बाहर निकाल दिया जाता है।

इस जातिवादी रवैये के खिलाफ विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं में भारी आक्रोश है। छात्र संघ अध्यक्ष विकास बॉक्सर के नेतृत्व में सैकड़ों छात्रों ने कुलपति से मुलाकात कर कुलसचिव को बर्खास्त करने की मांग की। छात्रों ने साफ शब्दों में कहा कि यदि उनकी मांग पूरी नहीं हुई, तो वे कैंपस में अनिश्चितकालीन अनशन करेंगे। इस विरोध प्रदर्शन में कॉलेज ऑफ कॉमर्स छात्र संघ के अध्यक्ष विकास बॉक्सर, बी.डी. कॉलेज से रंजन कुमार, राहुल कुमार, कॉलेज ऑफ कॉमर्स से गौतम विरासत, आदित्य कुमार, राजन झा, आनंद, अविनाश भारद्वाज, अनुराग हर्ष, कुणाल कुमार, सौरभ यादव, द्वारिका कॉलेज से राहुल कुमार, गोलू कुमार, सत्यम सिंह सहित सैकड़ों छात्र शामिल रहे।

इस अप्रैल ब्लॉकबस्टर फिल्में, जबरदस्त कॉन्टेस्ट, ढेरों इनाम की गमचने वाली है धूम

पांच साल पूरे होने पर फीलमची भोजपुरी पर शुरू हो रहा धमाकेदार एंटरटेनमेंट फेस्टिवल

केटी न्यूज/पटना

भोजपुरी सिनेमा के दीवानों के लिए खुशखबरी। फीलमची भोजपुरी अपने शानदार 5 साल पूरे करने की खुशी में पूरे अप्रैल महीने को मनोरंजन महोत्सव के रूप में मना रहा है। इस जश्न में ब्लॉकबस्टर फिल्में, जबरदस्त कॉन्टेस्ट, ढेरों इनाम और फेस्टिवल स्पेशल मूवीज की धूम मचने वाली है। साथ ही इस मौके को खास बनाने के लिए फीलमची की तीसरी होम-प्रोडक्शन फिल्म क्योंकि हर एक सास जरूरी होती का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर किया जाएगा। पहली बार दर्शक इस नई भोजपुरी फिल्म का आनंद अपने घर पर उठा सकेंगे।

फीलमची भोजपुरी द्वारा मनोरंजन का सैलाब आने वाला है। इसके तहत माई हो सहाई नवरात्रि फिल्म फेस्टिवल कार्यक्रम के तहत चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर देवी भक्ति से भरपूर भोजपुरी फिल्मों का संगम दर्शकों को देखने को मिलने वाला है। वहीं, मड़वा में बाजे बैंड बाजा लगन फिल्म फेस्टिवल के तहत शादी और लगन से जुड़ी धमाकेदार भोजपुरी फिल्मों की प्रस्तुति होगी। तो फीलमची प्रीमियर लीग के जरिये दर्शक अपने पसंदीदा निरहुआ और खेसारी लाल यादव की फिल्मों को वोट कर सकेंगे, और सबसे ज्यादा वोट पाने वाली फिल्में चैनल पर दिखाई जाएंगी। यही नहीं, राम नवमी स्पेशल और हनुमान जयंती स्पेशल का भी दर्शक भरपूर आनंद ले सकेंगे, जिसमें भगवान राम और बजरंगबली से प्रेरित जबरदस्त भोजपुरी फिल्मों का प्रसारण किया जाएगा। इस महोत्सव को और खास बनाने के लिए दर्शकों को मिलेगा ढेरों सरप्राइज झ्र गोल्ड कॉइन्स, सिल्वर मूर्तियां, एयर कूलर, एक्सक्लूसिव पूजा गिफ्ट हैंपर्स और अन्य शानदार इनाम! फीलमची भोजपुरी ने हमेशा अपने दर्शकों को सबसे बेहतरीन और अनोखा भोजपुरी मनोरंजन देने का प्रयास किया है, और अप्रैल का यह धमाकेदार महीना उसी का प्रमाण है। तो तैयार हो जाइए एंटरटेनमेंट के इस महा-जश्न का हिस्सा बनने के लिए।

छात्रों के करियर निर्माण में महत्वपूर्ण है वेब टेक्नोलॉजी की जानकारी: प्राचार्य

- एमवी कॉलेज में वेब डेवलपमेंट कार्यशाला का आयोजन
- छात्र वेब डेवलपमेंट में फ्रीलांसिंग में बना सकते हैं अपना करियर

केटी न्यूज/बक्सर

एमवी कॉलेज बक्सर में बुधवार को वेब डेवलपमेंट कार्यशाला का आयोजन हुआ। इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों को आधुनिक वेब तकनीकों जैसे एचटीएमएल, सीएसएस और जावा स्क्रीप्ट का प्रशिक्षण प्रदान करना था, ताकि वे व्यावहारिक ज्ञान अर्जित कर सकें और वेब विकास के नवीनतम तकनीकों से परिचित हो सकें। कार्यशाला का शुभारंभ कॉलेज के प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रसुंजय कुमार सिन्हा ने किया। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने वेब टेक्नोलॉजी के बढ़ते महत्व और छात्रों के करियर में इसकी भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में छात्रों के कैरियर निर्माण में वेब टेक्नोलॉजी की जानकारी काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन छात्रों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने में सहायक हैं। कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन हर्षित जायसवाल ने वेब विकास की आधुनिक तकनीकों पर एक विशेष सत्र का संचालन किया। उन्होंने छात्रों को बताया कि भारत में रहते हुए वे वेब डेवलपमेंट में फ्रीलांसिंग के माध्यम से करियर बना सकते हैं और वैश्विक स्तर पर ग्राहकों को अपनी सेवाएं प्रदान कर सकते हैं। इसके साथ ही, उन्होंने फ्रीलांसिंग प्लेटफॉर्म, क्लाइंट हैंडलिंग और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट के व्यावहारिक पहलुओं पर भी विस्तार से चर्चा की।

इंडस्ट्री-एकेडेमिया पार्टनरशिप से छात्रों को मिलेगा मौका

कार्यक्रम में कॉलेज के डॉ. सैकत देबनाथ ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति संदर्भ में शिक्षा और उद्योग के बीच सहयोग के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री-एकेडेमिया पार्टनरशिप छात्रों को व्यावसायिक दुनिया के लिए तैयार करने और उनके करियर को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। कार्यशाला का संचालन डॉ. पंकज चौधरी (समन्वयक, बीबीए) ने किया, जिनके प्रयासों से यह आयोजन सुचारू रूप से संपन्न हुआ। इस अवसर पर बीसीए विभाग के शिक्षक अरुण कुमार ओझा, मधुसूदन और इंद्र नारायण सिंह भी उपस्थित रहे। उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए इस तरह की कार्यशालाओं के शैक्षिक महत्व पर प्रकाश डाला।

एक नजर

इंडस ग्रीन वैली पब्लिक स्कूल के वार्षिकोत्सव में छात्रों ने प्रस्तुत किए रंगारंग कार्यक्रम

केसठ। बुधवार को प्रखंड क्षेत्र के पश्चिमी शिवपुर गांव स्थित इंडस ग्रीन वैली पब्लिक स्कूल का छठा वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि सह राजद नेता सुनील कुमार यादव उर्फ पप्पू यादव व चौगाईं जिला परिषद सदस्य बंटी शाही ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाध्यापक अख्तर अली ने किया। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। वहीं कुछ बच्चों द्वारा मॉड्यूल भी बनाए गए थे, जो देखने में काफी आकर्षक लग रहे थे। छात्रों द्वारा सरस्वती वंदना, ड्रामा, जैसी करनी वैसी भरनी, जय जवान जय किसान आदि एक से बढ़कर एक कई सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। वहीं दर्शकों द्वारा भी बच्चों के प्रस्तुतियों की तालियां बजा हौसला अफजाई की जा रही थी।मुख्य अतिथिय पंचायत मुखिया अरविंद कुमार यादव उर्फ गामा पहलवान, जिला परिषद सदस्य इटाढ़ी अरमान मलिक, भारत सरकार के उत्पाद शुल्क निरीक्षण अरमान अली अंसारी एवं पंचायत समिति अध्यक्ष मुन्ना सिंह ने अपने संबोधन में विद्यालय के प्रयासों की सराहना करते हुए विकसित समाज बनाने के लिए अभिभावकों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को शिक्षा से जोड़े तथा यह प्रयास करें कि उनके बच्चें आज के कठिन प्रतियोगिता के दौर में खुद को खड़ा रख सकें। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा ही एक ऐसी चीज है, जिसे कोई बांट नहीं सकता है। वही पंचायत मुखिया ने कहा कि अगर बच्चे शिक्षित होंगे तो प्रखंड के साथ-साथ देश का विकास होगा। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों द्वारा बच्चों को शील्ड, मेडल व प्रशस्ति पत्र आदि देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान बच्चों में काफी उत्साह देखा गया। राजद नेता ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम करने से बच्चों में पढ़ाई के साथ साथ समाज से जोड़ने का प्रेरणा मिलती है। जिससे बच्चों का मानसिक विकास होता है। मौके पर विद्यालय के व्यवस्थापक अकबर अली, मुख्तार अंसारी, सद्दाम अली,विकाश, गुडु सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

सेवानिवृत पर फार्मासिस्ट को दी गई विदाई

केसठ। प्रखंड मुख्यालय स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत फार्मासिस्ट वीरेंद्र कुमार के सेवानिवृत्त होने पर पीएचसी केसठ में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। आयोजित विदाई समारोह में चिकित्सकों और अस्पताल कर्मियों ने माला पहनाकर तथा अंग वस्त्र देकर सेवानिवृत फार्मासिस्ट को स्वस्थ्य जीवन व दीघार्यु होने की कामना के साथ भावभीनी विदाई दी। मौके पर पीएचसी प्रभारी डॉ. विनय कुमार ने कहा कि वे एक कर्मठ व ईमानदार कर्मी थे। वे पीएचसी केसठ में 12 वर्षो तक सेवा दिए तथा सेवाकाल में ड्यूटी के प्रति सदा समर्पित रहे है। विदाई समारोह में मुख्य रूप से डॉ. शिलाउक हक, डॉ. सुरेश, डॉ. जय प्रकाश, दीपक तिवारी, पीएमडब्ल्यू चन्दन कुमार, अप्पू सिंह, रोहित कुमार गुप्ता, संजय कुमार, अभिषेक कुमार, विक्की, पप्पू, राजेश, ध्रुव कुमार, एएनएम शांति कुमारी, चम्पा कुमारी, अंजना सिन्हा, विकास कुमार, सहित पीएचसी के अन्य कर्मी उपस्थित रहे। इस मौके पर सभी कर्मियों के आंख नम हो गई और भावुक होकर उन्हें विदाई दी गई।

खबरें फटाफट

विशेष विकास योजना के अच्छादन हेतु प्रशिक्षण शिविर

नावानगर। स्थानीय प्रखंड परिसर में बुधवार को एक बैठक सह प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें प्रखंड व पंचायत स्तर के सभी कर्मियों ने हिस्सा लिया। शिविर की अध्यक्षता करते हुए वरीय उपसमाहर्ता आलोक कुमार वर्त्स ने आगामी 14 अप्रैल से महादलित टोलों में आयोजित होने वाली विशेष विकास शिविर पर फोकस किया। उन्होंने कर्मियों को बताया कि शिविर के माध्यम विभिन्न विकास योजना से महादलित को जोड़ने के लिए पहल करनी है। शिविर में विकास योजना में सार्वजनिक वितरण प्रणाली से राशन कार्ड बनवाने के लिए आवेदन लेने के साथ ही उज्ज्वला योजना, औपचारिक शिक्षा हेतु विद्यालय में दाखिल, आंगनवाड़ी, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने, आधार कार्ड बनवाने, आयुष्मान कार्ड बनवाने समेत कुल 22 योजनाओं से संबंधित ऑनलाइन या ऑफलाइन आवेदन प्राप्त कर ऑन द स्पॉट निष्पादन करने की निर्देश दिया। जिससे लाभुके के आवेदन पर त्वरीत कार्रवाई करते हुए योजनाओं से जोड़ा जाए। इस मौके पर सभी प्रखंड एवं पंचायत स्तरीय कर्मी मौजूद थे।

जिलाधिकारी अंशलु अग्रवाल ने सदर अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

लोगों ने डीएम से की शिकायत, अक्सर गायब रहते हैं बच्चों के डाक्टर डीएन सिंह

- सभी मरीजों को मिले अल्ट्रा साउंड की सुविधा: डीएम
- सदर अस्पताल में डॉक्टरों का रोस्टर करें प्रदर्शित

केटी न्यूज/बक्सर

सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण डीएम अंशुल अग्रवाल ने बुधवार को किया गया। इस दौरान डीएम ने मरीजों एवं परिजनों से वार्ता कर स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में फीडबैक प्राप्त किया। इस दौरान मरीजों ने डीएम से शिकायत किया कि शिशु रोग विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. दीनानाथ सिंह लगातार गायब रह रहे है। जिस कारण उन्हें बच्चों के इलाज के लिए भटकना पड़ रहा है। डीएम ने इसे गंभीर लापरवाही माना और इस संबंध में सिविल सर्जन को निर्देशित किया कि डॉ. दीनानाथ सिंह के बायोमेट्रिक उपस्थिति के साथ मंतव्य सहित प्रतिवेदन उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, ताकि उनपर उचित कार्रवाई की जाए।

डीएम ने गायब रहने वाले चाइल्ड स्पेशलिस्ट का मांगा बायोमेट्रिक उपस्थिति : निरीक्षण के क्रम में सदर अस्पताल में चिकित्सकों का रोस्टर प्रदर्शित नहीं पाया गया। इस संबंध में सिविल सर्जन से शो-कॉज किया गया तथा उन्हें निर्देश दिया गया कि चिकित्सकों के रोस्टर को वैसे जगह पर लगाए जहां मरीज आसानी से देख सकें। साथ ही ओपीडी वार्ड में पर्याप्त चिकित्सकों की प्रतिनियुक्ति का निर्देश भी दिया गया। जिससे मरीजों को इलाज कराने के लिए घंटो लाइन में खड़ा नहीं होना पड़े।

सभी तरह के मरीजों को दें अल्ट्रासाउंड की सुविधा : निरीक्षण के दौरान डीएम ने जब अल्ट्रासाउंड के संबंध में पूछताछ की तो पता चला कि वर्तमान में अल्ट्रासाउंड सेवाओं की सुविधा केवल गर्भवती महिलाओं के लिए प्रदान किया जा रहा है। इस संबंध में सिविल सर्जन बक्सर को निदेशित किया गया कि अन्य मरीजों को भी अल्ट्रासाउंड सेवा उपलब्ध कराने के लिए विभाग से समन्वय स्थापित कर यथाशीघ्र कार्रवाई करें। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने ओपीडी वार्ड में भीड़ के मद्देनजर सदर अस्पताल के डीएस को निर्देश दिया कि मे आई हेल्प यू काउंटर पर आम जनों को पंजीकरण के बारे में जानकारी सुलभ कराएं। साथ ही रजिस्ट्रेशन काउंटर के पास ही सामान्य रजिस्ट्रेशन एवं स्कैन एंड शेयर का अलग-अलग लाइन के माध्यम से पंजीकरण कराना सुनिश्चित करें, ताकि मरीजों को परेशानी का सामना न करना पड़े। इस दौरान उन्होंने मरीजों से बातचीत कर यह भी जानने का प्रयास किया कि अस्पताल में इलाज के दौरान उन्हें किन-किन परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ-साथ इमरजेंसी सेवा, प्रसव की सुविधा, मातृ शिशु स्वास्थ्य टीकाकरण, दवा का बेहतर रख रखाव और उपलब्धता, ओटी, शौचायल, पेयजल की सुविधा, साफ सफाई इत्यादि सुविधाएं का नियमित रूप से अनुश्रवण

डीएम के निरीक्षण में गायब मिले बुनियाद केन्द्र के प्रबंधक व लेखपाल, शो-कॉज

जिले का सरकारी महकमा नियमों के बजाय हाकिमों व बाबुओं की मर्जी से संचालित हो रहा है। बुधवार को इसकी बानगी जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल के निरीक्षण के दौरान देखने को मिल गई। जिलाधिकारी ने बक्सर के बुनियाद केन्द्र व एसएफसी गोदाम का निरीक्षण किया। इस दौरान जहां एसएफसी गोदाम बंद था तो वहीं, बुनियाद केन्द्र के प्रबंधक संजय कुमार व लेखपाल अजित कुमार गायब थे। जिलाधिकारी ने इस पर गहरी नाराजगी जताई तथा गायब रहने वाले कर्मियों का एक दिन को वेतन काटते हुए उनसे शो-कॉज पूछा है।जिलाधिकारी ने इस दौरान सभी पदाधिकारी व कर्मियों को कार्यसंस्कृति में सुधार लाने की चेतावनी दी है तथा कहा है कि दुबारा निरीक्षण के दौरान गायब पाए जाने पर कर्मियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं, सदर प्रखंड परिसर के निरीक्षण के दौरान कई ऐसे भवन दिखाई पड़े जो काफी जीर्ण शीर्ण हो गए है। उन्होंने प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देश दिया कि जर्जर भवनों की भवन प्रमंडल के माध्यम से जांच कराते हुए जर्जर भवनों को तोड़वाने का निर्देश दिया, ताकि जर्जर भवन के कारण किसी तरह की दुर्घटना न हो।

हर पंचायत में आयोजित होगा विकास शिविर

- प्रखंड के 19 पंचायतों में 130 महादलित टोलों को चिन्हित किया गया है, जहां हर सप्ताह बुधवार और शनिवार को शिविर लगाए जाएंगे

केटी न्यूज/राजपुर

प्रखंड मुख्यालय में बीडीओ सिद्धार्थ कुमार की अध्यक्षता में महादलित विकास मिशन के अंतर्गत विकास शिविरों को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में जानकारी दी गई कि प्रखंड के 19 पंचायतों में 130 महादलित टोलों को चिन्हित किया गया है, जहां हर सप्ताह बुधवार और शनिवार को शिविर लगाए जाएंगे। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का लाभ उनके ही टोलों में उपलब्ध कराना है, जिससे उन्हें कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। आगामी 19 अप्रैल से इन शिविरों का संचालन शुरू किया जाएगा। बीडीओ ने विकास मित्रों को निर्देश देते हुए कहा कि वे अपने पंचायतों के अनुसूचित जाति टोलों में जाकर जागरूकता अभियान चलाएं और यह सुनिश्चित करें कि जिन पात्र व्यक्तियों को अब तक सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिला है, वे शिविर में आवेदन जमा करें। प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। बैठक में प्रखंड कल्याण पदाधिकारी ज्ञानू प्रताप सिंह सहित सभी पंचायतों के विकास मित्र एवं अन्य पंचायत कर्मी उपस्थित रहे। इस शिविर के माध्यम से महादलित टोला में निवास करने वाले लोगों को जागृत किया जाएगा। उन्हें सरकार की ओर से चलने वाली सुविधाओं की जानकारी दी जाएगी।

चौसा पैक्स चुनाव, अध्यक्ष व सदस्य पद के दो प्रत्याशियों ने लिया नाम वापस

केटी न्यूज/बक्सर

आगामी नौ अप्रैल को चौसा नगर पैक्स व पवनी पैक्स चुनाव का चुनाव कराया जाएगा। इसको लेकर विगत 26 व 27 मार्च को नामांकन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद बुधवार को नाम वापसी का दौर चला। नाम वापसी के तहत पवनी पैक्स से दो प्रत्याशियों अध्यक्ष पद से नामांकित लालजी साह व एक सदस्य द्वारा अपनी दावेदारी वापस ले ली। जिसके तहत अब इस पद के लिए कुल चार प्रत्याशी मैदान में रह गए हैं। वहीं, सदस्य पद के लिए अब शेष उम्मीदवारों के बीच कांटे की टक्कर होगी। वही, सभी नामांकित प्रत्याशियों के बीच चुनाव चिन्हों का वितरण किया गया। बता दें कि चौसा नगर पैक्स में अध्यक्ष पद के लिए आमने- सामने की लड़ाई तो पवनी पैक्स में चारकोणीय मुकाबला है। इसको लेकर दो पैक्स के मतदाताओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। वही सिंबल पा प्रत्याशी अपने-अपने समर्थकों के साथ प्रचार अभियान को धार देने में जुट गए हैं। गांवों में जनसंपर्क व सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार तेज कर दिया गया है। तो दूसरी तरफ चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष व पारदर्शी बनाए रखने के लिए प्रशासनिक स्तर पर कड़े इंतजाम किए गए हैं। मतदान के दिन सुरक्षा व्यवस्था भी चाक-चौबंद रहेगी। पैक्स क्षेत्र के मतदाता अपने पसंदीदा उम्मीदवार के समर्थन में मतदान करने को उत्साहित हैं।

वन स्टॉप सेंटर के रिक्त पदों पर डीडीसी को नियोजन प्रक्रिया अविलंब पूर्ण कराने का दिया निर्देश

वन स्टॉप सेंटर पर मिलने वाली सुविधाओं व कार्यों का करायें व्यापक प्रचार प्रसार : डीएम

- डीएम ने किया वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण, दिए कई आवश्यक निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

डीएम अंशुल अग्रवाल ने वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया। वर्तमान में यह कार्यालय बुनियाद केन्द्र में चल रहा है जबकि वन स्टॉप सेंटर का भवन निमार्णाधीन है। निरीक्षण के क्रम में कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल बक्सर को निर्देश दिया गया कि 31 मई 2025 तक कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करेंगे तथा केन्द्र प्रशासक, वन स्टॉप सेंटर को निर्देश दिया गया कि 15 जून से नवनिर्मित भवन में कार्यालय संचालित कराना सुनिश्चित करेंगे। वहीं, वन स्टॉप सेंटर के रिक्त पदों पर डीडीसी को नियोजन प्रक्रिया अविलंब पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने केन्द्र प्रशासक को निर्देश दिया कि वादों का निष्पादन गुणवतापूर्ण कराएंगे। पीड़ित महिलाओं को सभी प्रकार की सहायता सुनिश्चित करेंगें। किसी भी शिथिलता एवं न्याय दिलानें में अनियमितता की स्थिति में कठोर कार्रवाई की जायेगी। वहीं, केन्द्र प्रशासक को निर्देश दिया गया कि सभी प्रमुख चौक-चौराहों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में प्रचार प्रसार कराना सुनिश्चित करेंगे।

जानिए वन स्टॉप सेंटर के बारे में

वन स्टॉप सेंटर में किसी भी प्रकार की हिंसा से प्रभावित पीड़ित महिलाओं को एक छत के नीचे चिकित्सकीय, कानूनी, मनोसामाजिक परामर्श एवं अधिकतम पांच दिनों की अल्पावास सुविधा उपलब्ध कराया जाता है। इसके साथ ही विभिन्न विभागों से समन्वय स्थापित कर पीड़ित महिलाओं को विभिन्न योजनाओं व कानूनों का लाभ प्रदान किया जाता है।वन स्टॉप सेंटर में घरेलू हिंसा, दहेज प्रताडना, बाल विवाह, यौन शोषण एवं अन्य से संबंधित कुल 178 मामलें वर्ष 2024-25 में प्राप्त हुए है।

शांतिपूर्ण व सौहार्द के माहौल में मनाएं रामनवमी का त्योहार : एसडीएम

♦ रामनवमी पर्व को लेकर डुमरांव थाने में शांति समिति की बैठक आयोजित

केटी न्यूज/डुमरांव

रामनवमी का पर्व शांति एवं सौहार्द बनाये रखने के उद्देश्य से बुधवार को स्थानीय थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में नगर के गणमान्य लोगों, समाजसेवियों, पूजा समिति के सदस्य और प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान एसडीएम राकेश कुमार व एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने उपस्थित लोगों से पर्व को शांतिपूर्वक और आपसी सौहार्द के साथ मनाने की अपील की। साथ ही जुलूस के मार्ग, डीजे के उपयोग और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तृत चर्चा की और राज्य सरकार द्वारा जारी किए गए गाइड लाइन की जानकारी दी। एसडीएम ने सभी लोगों से आपसी भाईचारे और समन्वय के साथ रामनवमी मनाने की अपील की और कहा कि प्रशासन किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। जुलूस में किसी भी तरह के हथियार से परहेज रखने का निर्देश दिया। वहीं एसडीपीओ ने कहा कि रामनवमी को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। किसी भी अफवाह से बचने के लिए सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। साथ ही जुलूस को निर्धारित रास्ते से ही निकालने का निर्देश दिया। जुलूस की निगरानी इस बार ड्रोन से होगी। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और आग्रह किया कि पर्व के दौरान बिजली, पानी और स्वच्छता की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। एसडीएम ने कहा कि महाबीरी झंडा जुलूस, बाइक जुलूस या अन्य किसी तरह के धार्मिक जुलूस निकालने वाली समितियों के लिए लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। समितियों को जुलूस का पूरा रूट चार्ट तथा उसकी टाइमिंग देनी होगी। निर्धारित समय से अधिक देर तक जुलूस निकालने पर कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम ने कहा कि जुलूस के दौरान चयनित जगहों पर दंडाधिकारी के नेतृत्व में पुलिस बल की तैनाती की गई है। इसके अलावे प्रमुख चौक चौराहों पर भी महिला व पुरूष पुलिस के जवान तैनात रहेंगे। एसडीएम ने कहा कि जुलूस के दौरान शरारती तत्वों व उपद्रव फैलाने वालों पर विशेष नजर रखी जाएगी। इसके लिए शहर में लगे सीसीटीवी कैमरे का सहारा भी लिया जाएगा। जबकि एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने कहा कि रामनवमी जुलूस के दौरान चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात रहेगी तथा शरारती तत्वों को सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। उन्होंने थानाध्यक्ष से साइबर सेनानी ग्रुप के माध्यम से इस जुलूस पर नजर बनाये रखें।

एक नजर

रामनवमी पर विहिप व बजरंग दल द्वारा डुमरांव में निकाला जाएगा विशाल बाइक जुलूस

डुमरांव। रामनवमी पर प्रत्येक साल की भांति इस वर्ष भी विश्व हिन्दु परिषद व बजरंग दल द्वारा विशाल बाइक जुलूस निकाला जाएगा। यह बाइक जुलूस रामनवमी यानी छह अप्रैल को सुबह नौ बजे से नगर पंचित मां काली आश्रम परिसर से निकाला जाएगा तथा यह पूरे शहर का भ्रमण होगा। जुलूस में विहिप व बजरंग दल के सैकड़ो कार्यकर्ता बाइक पर हाथ में भगवा झंडा लिए शहर का भ्रमण करेंगे। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए बुधवार को विहिप व बजरंग दल कार्यकताओं की एक बैठक स्थानीय कार्यालय पर आयोजित की गई। बैठक में रामनवमी के अवसर पर निकलने वाले विशाल बाइक शोभा यात्रा को सफल बनाने पर चर्चा की गई तथा इस जुलूस को सफल बनाने के लिए सदस्यों के बीच अलग-अलग जिम्मेवारियां दी गई। तय किया गया कि जुलूस में अधिक से अधिक सनातनी युवाओं की सहभागिता के लिए व्यापक प्रचार प्रसार किया जाएगा। वहीं, शहर तथा आस पास के गांवों के युवाओं को इस जुलूस में अपनी बाइक के साथ शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। बैठक का नेतृत्व विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड अध्यक्ष विकास कुमार एवं बजरंग दल के प्रखंड संयोजक संटू मित्रा ने किया। इस संबंध में संटू मित्रा ने कहा कि छह अप्रैल को निकाला जाने वाला बाइक जुलूस काफी भव्य व विशाल होगा। इसमें सैकड़ो युवा अपनी बाइक के साथ शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि उस दिन यह जुलूस सुबह नौ बजे काली आश्रम मंदिर से शुरू होगा एवं शहर के हर कोने में भ्रमण करते हुए टिचर ट्रेनिंग स्कूल के पास जाकर संपन्न होगा। उन्होंने इस शोभायात्रा कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग की अपली शहरवासियों से की। बैठक में लालजी केसरी, राजीव गुप्ता, संतोष कुमार, अभिषेक कुमार, अभिषेक रंजन, विपिन बिहारी सिंह, दीपक कुमार, विक्की कुमार, राज गुप्ता, रमेश केसरी, विनोद कुमार, अभिषेक चौरसिया, अमित कुमार, विकास राज समेत कई अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

वार्ड सोलह में पेयजल संकट गहराया, तीन चापाकल हुए फेल

डुमरांव। गर्मी आते ही नगर में पेयजल समस्ण गंभीर होती जा रही है। इधर पानी का लेयर भाग जाने से अधिकांश चापाकल फेल हो गए हैं। इस तरफ किसी का ध्यान नहीं जा रहा है कि चापाकल की गहराई बढ़ाई जाए या खराब चापाकल को सही किया जाए। इधर सरकार का फरमान है कि चापाकल नया नहीं लगाया जाएगा, पेयजल के लिय बोरिंग लगाकर पाइप के माध्यम से घरों तक पेयजल पहुंचाया जाए। वार्ड सोलह के वार्ड पार्षद अनिल कुमार ने ईओ मनीष कुमार को आवेदन देकर बनकट में पेयजल के लिये लगे तीन चापाकल पानी देना बंद कर दिये है, जिससे लोगों को भटकना पड़ रहा है। बनकट के काली मंदिर, शिव मंदिर महरौरा एवं बुधुराम राय के घर के पास लगा चापाकल खराब हो चुका है, जिससे दर्जनों घरों में पेयजल के लिये हाहाकार मच गया है। उन्होंने इन तीन स्थानों पर शीघ्र चापाकल को ठीक करने या बोरिंग लगाने की मांग किया है। इस संबंध में जब चेयरमैन सुनीता गुप्ता से बात की गई तो उन्होंने बताया की सभी वार्ड पार्षदों से पेयजल की समस्या के निदान के लिये स्थल चयन कर रिपोर्ट मांगा गया है। रिपोर्ट मिलते ही चौबीस घंट के भीतर पेयजल समस्या दूर करने के लिये कार्य प्रारंभ किर दिया जाएगा।

खबरें फटाफट

चोरी की बाइक जब्त, बाइक सवार गिरफ्तार

सिमरी। तिलक राय के हाता थाना की पुलिस बुधवार को बड़काराजपुर गांव के पास बक्सर कोईलवर तटबंध के समीप वाहन जांच अभियान चला रही थी। वाहन जांच के क्रम मे तिलक राय के हाता गांव की तरफ से एक बाइक सवार आता दिखाई दिया, पुलिस ने उसे रूकने का इशारा किया तो वह बाइक की स्पीड बढ़ा भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए बाइक सवार को मौके से धर दबोचा। बाइक सवार विकास यादव ठगनी के डेरा गांव निवासी बताया जा रहा है। पुलिस द्वारा जब मोटरसाइकिल सवार से कागजात की मांग की गई तो आरोपी ने कागजात दिखाने मे असमर्थता जताई।
थानाध्यक्ष ने बताया प्राथमिकी दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है। आरोपित को न्यायिक हिरासत मे भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष ने कहा कि उससे पूछताछ के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है। वहीं विभागीय सूत्रों का कहना है कि बाइक चोरी विभिन्न स्थानों पर की जाती है। उन बाइकों को चोर दियारे के इलाके में बेच देते है। ताकि धर-पकड़ नहीं हो सके। इससे उन्हें अच्छा पैसा मिल जाता है।

डुमरांव में बाईपास सड़क निर्माण में आएगी तेजी, भू-अर्जन पदाधिकारी व एसडीएम ने की बैठक

विलंब: रैयतों की उदासीनता से लटका है डुमरांव में बाईपास सड़क का निर्माण

♦ रैयतों को फिर भेजा जाएगा नोटिस, मुआवजा के लिए आवेदन नहीं देने पर होगी कार्रवाई

केटी न्यूज/डुमरांव

नये वित्तीय वर्ष में डुमरांव में बाईपास निर्माण में तेजी आएगी। बुधवार को जिला भू-अर्जन पदाधिकारी विनित कुमार व डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार बाईपास निर्माण के संबंध में एक बैठक की। बैठक में बाईपास निर्माण पर चर्चा की गई तथा इस मामले में आने वाले अड़चनों को दूर करने की दिशा में विचार विमर्श किया गया। इस संबंध में एसडीएम ने बताया कि बाईपास सड़क निर्माण में रैयतों की उदासीनता आड़े आ रही है। उन्होंने बताया कि डुमरांव बाईपास निर्माण के लिए चिन्हित भू-भाग के रैयतधारियों को बार-बार नोटिस के बावजूद वे मुआवजे के लिए आवेदन नहीं दे रहे है। जिस कारण भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पा रही है। एसडीएम ने कहा कि इसके लिए पूर्व में कई बार कैंप भी लगाया जा चुका है, लेकिन रैयतदार कैंप में भी नहीं आए, जिस कारण अभी तक भू-अर्जन की प्रकिया पूरी नहीं हो सकी है।

502 रैयतों में मात्र नौ ने दिया है आवेदन : एसडीएम ने बताया कि बाईपास निर्माण के लिए जो भूमि चिन्हित की गई है वह चार मौजा डुमरांव, बनकट खिरौली व भोजपुर कदीम में फैली है तथा कुल 502 रैयतदारों की जमीन पड़ रही है। एसडीएम ने बताया कि इन 502 रैयतदारों में अबतक मात्र नौ किसानों ने ही मुआवजे के लिए आवेदन दिया है। शेष 493 किसानों ने इस मामले में भू-अर्जन विभाग के कई बार की नोटिस का कोई जबाव नहीं दिया है। उनकी उदासीनता व अड़ियल रवैया ही बाईपास निर्माण की सबसे बड़ी बाधा बन गई है। जिस कारण बाईपास सड़क निर्माण की प्रक्रिया शुरू नहीं हो पा रही है।

रैयतदारों को फिर से भेजा जाएगा नोटिस : एसडीएम ने बताया कि बैठक में यह निर्णय लिया गया कि रैयतदारों को फिर से नोटिस भेजा जाएगा तथा निर्धारित समय तक नोटिस का जबाव या मुआवजे के लिए आवेदन नहीं देने पर प्रशासन अपने स्तर से चिन्हित भू-भाग पर बाईपास सड़क निर्माण की प्रक्रिया शुरू कराएगी। उन्होंने कहा कि डुमरांव में हर हाल में बाईपास सड़क का निर्माण कराया जाएगा। एसडीएम ने कहा कि इस मामले में लापरवाही करने तथा अड़ियल रूख अख्तियार करने वाले किसानों पर नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

डुमरांव के लिए बेहद जरूरी है बाईपास सड़क: डुमरांव के ट्रैफिक व्यवस्था को दुरूस्त करने के लिए बाईपास सड़क का निर्माण ही एकमात्र विकल्प है। पिछले एक दशक के दौरान न सिर्फ शहर की आबादी बढ़ी है बल्कि वाहनों की संख्या भी चार से पांच गुनी अधिक हो गई है। जबकि इस दौरान शहर की सड़क एक इंच चौड़ी भी नहीं हुई है। जिस कारण शहर में जाम की समस्या काफी गंभीर हो गई है।

बोले किसान... सर्किल रेट का रिव्यू कर करें भुगतान

जिन किसानों की जमीन को बाईपास निर्माण के लिए चिन्हित किया गया है उनका कहना है कि मुआवजे का जो रेट तय किया गया है वह बहुत कम है, जबकि उनकी जमीन की कीमत उससे कई गुना अधिक है। दरअसल बाईपास निर्माण के लिए चिन्हित जमीन का सीमांकन कृषि योग्य जमीन के रूप में हुआ है। जबकि भू-धारी किसानों को कहना है कि उनकी जमीन आवासीय कटेगरी में है तथा नगर परिषद की सीमा में आती है। सरकार को जमीन का सर्किल रेट अपडेट करना चाहिए। खिरौली के भू-धारी किसान रिंकू चौबे, आलोक चौबे, अनिल चौबे, कौशलेन्द्र चौबे आदि ने बताया कि 2014-15 के सर्किल रेट से भुगतान किया जा रहा है, जबकि वर्तमान में सर्किल रेट का रिव्यू करने पर उनकी जमीन की कीमत सरकार के वर्तमान रेट से दुगना से तिगुना हो जाएगी। सरकार जबरन जमीन को अधिगृहित करेगी तो हमलोग इसके खिलाफ कोर्ट में जाएंगे।

पेशाब करने से मना करने पर मारपीट, आधा दर्जन घायल

केटी न्यूज/बक्सर

नगर थाना क्षेत्र के चरित्रवन स्थित श्मशान घाट पर मंगलवार की रात पेशाब करने से मना करने पर विवाद हो गया, जिसमें मारपीट के दौरान आधा दर्जन लोग घायल हो गए। घायलों का प्राथमिक उपचार सदर अस्पताल में कराया गया। पीड़ित परिवार ने आरोपितों के खिलाफ नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पीड़ित बीरेंद्र कुमार के अनुसार, रात करीब 9 बजे वह अपने झोपड़ीनुमा घर के बाहर परिवार के साथ बैठे थे। उसी दौरान राजू पांडा, गुड्डु पांडा, धर्मेंद्र पांडा अपने साथियों के साथ वहां से गुजर रहे थे। इसी बीच गुड्डु पांडा उनके दरवाजे पर पेशाब करने लगे, जिसका विरोध करने पर उन्होंने गाली-गलौज शुरू कर दी। जब बीरेंद्र ने इसका विरोध किया तो राजू पांडा ने उनका कॉलर पकड़कर मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान बीरेंद्र के भाई धनमन डोम बीच-बचाव करने आए तो उनके सिर पर बांस से वार कर दिया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गए। मारपीट की आवाज सुनकर परिवार की महिलाएं और अन्य सदस्य बाहर आए तो उनके साथ भी दुर्व्यवहार किया गया। इस हमले में सुरेंद्र, राजू सहित कई लोग घायल हो गए। घटना के बाद सभी घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

सिद्धिपुर विद्यालय का ताला तोड़कर हजारों की चोरी

केटी न्यूज/केसठ

वासुदेवा थाना क्षेत्र के सिद्धिपुर गांव स्थित मध्य विद्यालय सिद्धिपुर में अज्ञात चोरों ने विद्यालय के दो मंजिला वर्ग कक्ष का ताला तोड़कर हजारों रूपए मूल्य के सामान की चोरी कर ली है। इस संबंध में विद्यालय के प्रधानाध्यापक जयप्रकाश नारायण शर्मा ने थाना में लिखित आवेदन देकर अज्ञात चोरों के विरुद्ध शिकायत की है। उन्होंने पुलिस को दिए आवेदन में जिक्र किया है कि एक अप्रैल की शाम वे विद्यालय बंद कर घर गए थे, पुनः बुधवार को सुबह नौ बजे विद्यालय पहुंचे तो विद्यालय के दो मंजिला भवन के वर्ग कक्ष 4 एवं 6 का ताला तोड़कर बिजली मीटर का तार तोड़ पंखा, कुर्सी, टद्धूब लाइट सहित अन्य सामान की चोरी कर ली गई है। जांच करने पर वर्ग कक्ष 4 में 4 पंखा 4 ट्यूब लाइट, 4 एलईडी बल्ब के साथ ही वर्ग कक्ष 6 में 4 पंखा, 4 ट्यूब लाइट, 4 एलईडी, 4 बल्ब के साथ दो कुर्सी सहित शौचालय का दरवाजा गायब है। काफी छानबीन करने के बाद भी कुछ पता नहीं चला। जिसके बाद स्थानीय ग्रामीण एवं स्कूल प्रबंधन को इसकी सूचना देते हुए चोरी की लिखित शिकायत वासुदेवा थाना में की गई है। इस संदर्भ में वासुदेवा थानाध्यक्ष मधुबाला भारती ने बताया कि विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक द्वारा आवेदन प्राप्त हुई है।

चैती छठ का समापन शुक्रवार को दूसरे अर्घ्य के साथ होगा

चैती छठ... चकाचक हुए नगर के सभी छठ घाट, खरना संपन्न, पहला अर्घ्य आज

♦ पूरे दिन फल, कलसू समेत पूजा सामग्री की होते रही खरीददारी, बाजार में दिखी चहल पहल

केटी न्यूज/बक्सर/डुमरांव

लोक आस्था के महापर्व चैती छठ का पहला अर्घ्य आज दिया जाएगा। गुरूवार की शाम व्रती अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करेंगे। इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। सभी छठ घाट चकाचक हो गए है तथा वहां व्रती परिवारों द्वारा घाट का निर्माण पूरा कर लिया गया है। वहीं, स्थानीय प्रशासन द्वारा भी इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। बुधवार को श्रद्धालुओं ने खरना का त्योहार मनाया। इसके तहत आम की लकड़ी पर रोटी व गुड़ तथा गाय के दूध से बनी खीर को खाकर व्रत 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू किए। जिसका समापन शुक्रवार को दूसरे अर्घ्य के साथ होगा।चैती छठ को ले बाजर की रौनक भी बढ़ गई थी। बक्सर तथा डुमरांव के बाजार में फल, कलसूप, मौसमी सब्जिया, दौरा, महावर आदि सज गए थे, जहां पूरे दिन खरीददारों की भीड़ लगी रही। वहीं, व्रती परिवारों में उत्साह का माहौल देखा जा रहा था।

चैती छठ पूजा की खास बातें:
चैती छठ पूजा का पहला दिन नहाय-खाय होता है। इस दिन व्रती गंगा या किसी पवित्र नदी में स्नान करते हैं। इस दिन सात्विक भोजन किया जाता है। इस दिन कद्दू-भात और चने की दाल का विशेष महत्व होता है। खरना के दिन व्रती पूरे दिन उपवास रखते हैं। सूर्यास्त के बाद गुड़, चावल और दूध से बना प्रसाद (खीर) ग्रहण करते हैं। इसके बाद 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू होता है। शुक्रवार को सूर्य सप्तमी पर व्रती उदीयमान सूर्य को दूसरा अर्घ्य अर्पित करते हैं। इसके साथ ही चार दिनी महापर्व का समापन होता है। इस महापर्व में पूरी शुद्धता रखी जाती है।

दानापुर-पीडीडीयू रेलखंड पर कुल्हड़िया स्टेशन के समीप हुई घटना

पटना जाने के दौरान चलती ट्रेन से गिरकर छात्र की मौत

♦ मृतक छात्र गीधा थाना क्षेत्र के डुमरिया गांव निवासी बबन सिंह का पुत्र है अमन कुमार

केटी न्यूज/आरा

दानापुर-पीडीडीयू रेलखंड पर कुल्हड़िया स्टेशन के समीप बुधवार की दोपहर चलती ट्रेन से गिरने से इंटर के एक छात्र की मौत हो गई। मृत छात्र गीधा थाना क्षेत्र के डुमरिया गांव निवासी बबन कुमार का 17 वर्षीय पुत्र अमन कुमार था। उसके दादा सुनील कुमार खेसरहिया पंचायत के मुखिया हैं। रेल पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। इधर, हादसे के बाद छात्र के घर में रोना-धोना मचा है। छात्र के दादा मुखिया सुनील कुमार ने बताया कि अमन रोज की तरह बुधवार की सुबह पढ़ने के लिए ट्रेन से पटना जा रहा था। इस बीच कुल्हड़िया स्टेशन के समीप वह ट्रेन से नीचे गिर पड़ा। इससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मौके पर मौजूद लोगों की ओर से उसके पॉकेट से मिले चुनाव आई कार्ड और आधार कार्ड के जरिए उसकी पहचान की गयी। इसके बाद उसके मोबाइल से मिले नंबर पर फोन कर परिजनों को सूचना दी गई। सूचना मिलने पर वे लोग कुल्हड़िया स्टेशन पहुंचे और शव की पहचान की। तब रेल पुलिस पहुंची और शव का पोस्टमार्टम कराया गया। बताया जा रहा है कि छात्र अमन कुमार दो भाई और एक बहन में दूसरे स्थान पर था। यह पढ़ने में होशियार था। परंतु इस घटना से उसका अंत हो गया। उसकी मां अंजू देवी, एक भाई और एक बहन है। इधर, बेटे की मौत से मां अंजू देवी सहित परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा है।

अनियंत्रित ट्रक से बाइक सवार युवक घायल, सड़क जाम

आरा। संदेश थाना क्षेत्र में सकड्डी-नासरीगंज स्टेट हाइवे 81 पर नसरतपुर गांव के समीप अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आने से एक युवक घायल हो गया। घायल युवक नसरतपुर गांव निवासी राजकिशोर सिंह का पुत्र नारायण सिंह (22 वर्ष) है। इस हादसे से आक्रोशित ग्रामीणों ने नसरतपुर गांव के समीप सड़क जाम कर दी। इससे सकड्डी-नासरीगंज एसएच 81 पर करीब डेढ़ घंटे तक आवागमन ठप रहा। वहीं हादसे की सूचना मिलते ही संदेश थानाध्यक्ष संतोष कुमार पुलिस बल के साथ दुर्घटनास्थल पर पहुंचे। इसके बाद ग्रामीणों को समझा-बुझाकर जाम समाप्त कराया गया। वहीं धक्का मारने वाले ट्रक को जब्त कर थाना लाया गया। जबकि चालक मौका देखकर भागने में सफल रहा। जानकारी के अनुसार युवक बाइक से छठ पूजा का सामान लाने अखगांव बाजार जा रहा था। तभी तेज गति से ओवरटेक कर आ रहे अनियंत्रित ट्रक की चपेट में वह आ गया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जख्मी को स्थानीय स्तर पर प्राथमिक उपचार कराकर उसे बेहतर इलाज के लिए पटना निजी अस्पताल में ले जाया गया। वहीं हादसे से आक्रोशित ग्रामीणों ने नसरतपुर गांव के समीप सड़क जाम कर दी। जाम कर रहे लोग बालू लदी गाड़ियों के अनियंत्रित परिचालन एवं ओवरटेक पर रोक लगाने की मांग कर रहे थे। ग्रामीणों का कहना था कि एक लाइन में नियमित रूप से बालू लदी गाड़ियों का जाम रहता है। ओवरटेक एवं अनियंत्रित परिचालन के कारण आये दिन ऐसी दुर्घटनाएं होती रहती हैं।

तनिष्क लूटकांड: सात राज्यों में छिपे थे अपराधी, 15 किये गये गिरफ्तार

♦ एडीजी हेडक्वार्टर कुंदन कृष्णन ने वारदात को लेकर कई खुलासे किए

केटी न्यूज/आरा

आरा के शीशमहल चौक पर 10 मार्च को तनिष्क शोरूम में हुए लूटकांड केस में अब तक 15 अपराधी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। एक दिन पहले पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस में एडीजी हेडक्वार्टर कुंदन कृष्णन ने वारदात को लेकर कई खुलासे किए। एडीजी हेडक्वार्टर कुंदन कृष्णन के मुताबिक, इस लूटकांड में शामिल अपराधी 7 राज्यों में छिपे थे। हालांकि, वारदात वाले दिन ही पुलिस ने एनकाउंटर में दो अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया था, जबकि घटना के 12 दिनों के बाद एक अपराधी चुनमुन झा को अररिया में एनकाउंटर में मार गिराया गया था। उन्होंने बताया कि लूटकांड की साजिश पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जेल में बंद शेरू सिंह उर्फ ओमकार नाथ सिंह और चंदन उर्फ प्रिंस ने जेल के अंदर से रची थी। एडीजी ने बताया कि शुरूआत से ही इस वारदात में इन दोनों का नाम सामने आ रहा था। इसके बाद एसटीएफ की टीम ने पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जेल में बंद अपराधी चंदन उर्फ प्रिंस से पूछताछ के दौरान उसके बैरक से मोबाइल, ब्लूटूथ और सिमकार्ड बरामद किया था। पुरुलिया जेल में बंद शेरू सिंह, चंदन और अररिया में पुलिस की मुठभेड़ में मारा गया अपराधी चुनमुन झा नए लड़कों को तरह-तरह का लालच देते थे। उन्हें कहते थे कि तुम लोग हमारे निर्देशन में काम करो और जल्द ही तुम लोग अपराध की दुनिया में नाम कमा लोगे और अपराधियों के बॉस बन जाओगे।

मोबाइल छीनने वाला युवक गिरफ्तार

आरा। आरा-सासाराम स्टेट हाइवे पर हसन बाजार थाना क्षेत्र के हरनाम टोला के समीप बुधवार की दोपहर यात्रियों को रोक कर मोबाइल छीनने के मामले में पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार बिक्रमगंज निवासी अमित गिरी को सघन पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया।हसन बाजार थानाध्यक्ष सर्वेश कुमार के अनुसार यात्रियों की जानकारी मिलते ही पुलिस ने धावा बोल दिया। बाइक पर सवार दो आरोपित भागने में कामयाब हो गये। आरा-सासाराम स्टेट हाइवे पर हरनाम टोला के समीप तीन अपराधी छिनतई कर रहे हैं। इस बीच हरनाम टोला निवासी गणेश चौधरी का पुत्र करण कुमार हसन बाजार से अपने गांव वापस जा रहा था।

जयंती पर याद किए गए बिहार के पहले शिक्षा निदेशक द्वारिका सिंह

आरा। भोजपुर के बखोरापुर में बिहार के पहले शिक्षा निदेशक द्वारिका सिंह की 119वीं जयंती भव्य तरीके से मनायी गयी। इस अवसर पर काली मंदिर के प्रांगण में धार्मिक कार्यक्रम और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। उद्घाटन बखोरापुर काली मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष बीडी सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मौके पर रिटायर मेजर राणा प्रताप सिंह, जदयू महासचिव छोटू सिंह, गोल्डमैन प्रेम सिंह, लक्ष्मण तिवारी, रविशंकर सिंह, सोनाली सिंह, रामनाथ चौरसिया, प्रो केके सिंह सहित अन्य लोगों ने विचार रखे। मां काली मंच से आगंतुक अतिथियों को फूल-माला अंग वस्त्र आदि से सम्मानित किया गया।

अशोक राम फिर बने कांग्रेस जिलाध्यक्ष

केटी न्यूज/आरा

अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी की ओर से अशोक राम को भोजपुर जिला कांग्रेस का फिर अध्यक्ष बनाया गया है। इस उपलक्ष्य में आरा शहीद भवन में अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। कांग्रेसियों ने अध्यक्ष का स्वागत फूल-माला के साथ किया। एक दूसरे को मिठाई खिला खुशी का इजहार किया। समारोह में प्रमुख रूप से सत्यप्रकाश राय, घनश्याम उपाध्याय, डॉ. अमित कुमार द्विवेदी, रजी अहमद, जितेन्द्र शर्मा, प्रो. अरुण सिंह, संतोष पाण्डेय, वीरेंद्र मिश्रा, प्रमोद राय, मुकेश चंद्रवंशी, देव कुमार सिंह, सत्यनारायण लाल सहित अन्य थे। इस अवसर पर नेताओं ने राहुल गांधी, राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम और बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारु के प्रति आभार प्रकट किया। एक स्वर से सभी नेताओं ने कहा कि अध्यक्ष अशोक राम सदैव जमीन से जुड़े और आम कार्यकताओं के हित में काम करने वाले नेता हैं। उनके कार्यकाल में आम कार्यकताओं का मान-सम्मान बढ़ा है और उन्होंने संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उनकी स्वच्छ और निर्विवाद छवि के कारण ही नेतृत्व ने पुनः उनके नाम पर मुहर लगाई है। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने कहा कि इनके नेतृत्व में आगामी विधानसभा का चुनाव लड़ा जाएगा। इस बात की पूरी उम्मीद है कि पार्टी चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करते हुए सीटों पर जीत हासिल करेंगी। सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर चुनाव में कार्य करेंगे। तभी एनडीए को पराजीत किया जा सकता है। अशोक राम में सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट करने की पूरी क्षमता है। उसमें यह खरे उतरेंगे।

भोजपुर जिले के पीरो प्रखंड कार्यालय के सभागार में आयोजित हुआ था चुनाव

नारायणपुर पंचायत से निर्विरोध उप मुखिया चुने गए निशांत, चुनाव में नहीं पहुंचे विपक्षी उम्मीदवार

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर जिले के पीरो प्रखंड कार्यालय के सभागार में बुधवार को नारायणपुर पंचायत से उप मुखिया पद के लिए चुनाव हुआ। जिसमें पंचायत से विपक्षी नहीं पहुंचे। जिसके कारण नारायणपुर पंचायत के निशांत कुमार उपाध्याय निर्विरोध उप मुखिया पद पर निर्वाचित हुए। पीरो प्रखंड के विकास पदाधिकारी सह निचार्ची पदाधिकारी सुनील कुमार गौतम एवं ऑब्जर्बर सह जगदीशपुर डीसीएलआरअमरेंद्र कुमार में संपन्न हुई। निर्विरोध उप मुखिया निशांत कुमार उपाध्याय को निवार्ची पदाधिकारी ने प्रमाण पत्र दिया। निशांत कुमार के जीत के बाद उनके समर्थक के द्वारा फूलझमाला एवं रंग-अबीर,गुलाल लगाकर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान समर्थकों ने निशांत कुमार जिंदाबाद के नारे लगाए। निर्वाचित उप मुखिया निशांत कुमार उपाध्याय पीरो प्रखंड के भैसाडीह गांव निवासी राम हुलास उपाध्याय के पुत्र है। निशांत नारायणपुर पंचायत के वार्ड 11 के वार्ड पार्षद भी है। बता दे की नारायणपुर पंचायत की उप मुखिया के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पारित होने के बाद रिक्त पद पर आज उप चुनाव कराया गया है। निर्वाचन संपन्न हो जाने के तुरंत बाद ही निर्वाचित उप मुखिया को सक्षम प्राधिकारी द्वारा शपथ ग्रहण कराया गया। इसके साथ ही निर्वाचित उप मुखिया को पंचायत के मुखिया का प्रभार भी सौंपा गया है। वही जीत के बाद निर्वाचित उप मुखिया निशांत कुमार उपाध्याय ने बताया कि नारायणपुर पंचायत के 16 वार्ड में से 11 सदस्यों के द्वारा मेरा समर्थन करते हुए मुझे उप मुखिया चुना गया है। इसके बाद मुझे मुखिया का प्रभार दिया गया। क्योंकि पूर्व मुखिया शरीफा राम (92) की पांच जनवरी 2025 को हार्ट अटैक से निधन हो गया था। तब से अब तक मुखिया का पद खाली था। पूर्व उप मुखिया मनोरमा देवी पर अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। पंचायत की जनता इस बार मुझ पर भरोसा जताई है। जब हम वार्ड पार्षद थे तब भी अपने वार्ड का विकास करने का काम करते थे। आज लोगों ने मुझ पर भरोसा जताया है।

संक्षिप्त समाचार

बासुकीनाथ मंदिर में हजारों भक्तों ने किया भोलेनाथ का जलाभिषेक

दुमका, एजेंसी। चैत्र नवरात्र की द्वितीया तिथि पर सोमवार को बासुकीनाथ मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। 40 से अधिक भक्तों ने भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। मंदिर में तड़के चार बजे से भक्तों का तांता लगना शुरू हो गया। अहले सुबह सरकारी पूजा में पुरोहितों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ षोडशोपचार विधि से बाबा की पूजा की। इसके बाद मंदिर का पट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया। सुबह में जलार्पण का सिलसिला शुरू हुआ, जो शाम तक जारी रहा। श्रद्धालुओं ने पवित्र शिवगंगा में आस्था की डुबकी लगाकर बाबा की पूजा की। झारखंड के विभिन्न जिलों के अलावा बिहार व बंगाल से भी बड़ी संख्या में भक्त पहुंचे थे। पूरा मंदिर परिसर हर हर महादेव के नारे से गुंजायमान रहा।पंडित गणेशानंद झा ने बताया कि जो भी सच्चे मन और विश्वास के साथ भोलेनाथ की पूजा करते हैं, उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इस अवसर पर भक्तों ने मंदिर परिसर में मुंडन संस्कार, गठबंधन, ध्वजारोहण, श्रृंगार पूजन, शांति पूजन, जप अनुष्ठान, महामृत्युंजय मंत्र जाप, कालसर्प दोष शांति पूजन आदि कराया।

सरायकेला में पोतों ने की दादी हत्या, दो दिन पहले मिली थी सिर कटी लाश

सरायकेला, एजेंसी। जिले के गम्हरिया थाना अंतर्गत यशपुर रेलवे फाटक के पास नग्न अवस्था में मिले सिर कटी महिला के शव की पहचान कर ली गई है। जांच के दौरान पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को भी गिरफ्तार किया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पुलिस ने मामले की जानकारी दी है।हत्याकांड के संबंध में जानकारी देते हुए सरायकेला एसडीपीओ समीर कुमार सवैया ने बताया कि मृत महिला की पहचान 65 वर्षीय भवानी कैबर्तो के रूप में हुई है, जो सरायकेला के नारायणपुर की रहने वाली थी। एसडीपीओ ने बताया कि हत्याकांड को अंजाम महिला के पोते लक्ष्मण कैबर्तो और चंदन कैबर्तो ने दिया था। दोनों आरोपी ने सुनियोजित तरीके से तेज धारदार हथियार से वृद्ध महिला की हत्या की थी।अनुसंधान में आरोपियों ने हत्या की बात कबूलते हुए पुलिस को बताया कि डायन बिसाही के शक में उन लोगों ने दादी की जान ले ली है। पुलिस ने उनके पास से तेज धार वाली चापड़, मोटरसाइकिल समेत महिला का कटा हुआ सिर बरामद किया है। महिला के पोते लक्ष्मण कैबर्तो और चंदन कैबर्तो ने हत्या के बाद शव को रेलवे ट्रैक पर फेंका। किसी को शक न हो, इसलिए आरोपियों ने लाश को रेलवे ट्रैक पर फेंका था। जिससे शव के टुकड़े-टुकड़े हो जाए और दोनों पकड़ाने से बच जाए। आरोपियों ने निर्मम तरीके से अपनी दादी की हत्या को अंजाम दिया था। पुलिस द्वारा आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर गठित छापेमारी दल में एसडीपीओ समीर कुमार सवैया, गम्हरिया थाना प्रभारी कुणाल कुमार, सब इंस्पेक्टर अरुण महतो, बुधन सिंह बोदरा समेत अन्य पुलिस बल शामिल थे।

गिरिडीह के तिसरी में आदिवासी मां, बेटा और बेटी की हत्या, पेड़ से लटके मिले दो लोगों के शव

तिसरी (गिरिडीह), एजेंसी। गिरिडीह जिले के तिसरी प्रखंड स्थित लोकाय थाना क्षेत्र के पानियाय गांव में एक भयावह दृश्य ने पूरे इलाके को दहला दिया।मंगलवार की सुबह गांव के पास स्थित तालाब किनारे एक बेहड़ा पेड़ से लटकते दो शव पाए गए, जबकि तालाब की गहराई से नौ वर्षीय बेटी सरिता का शव बाहर निकाला गया।ये सभी तिसरी के ही बरदोनी गांव के रहनेवाले थे। मां पुत्र-पुत्री के साथ सोमवार रात से ही घर से गायब थी। यह घटना जितनी दर्दनाक है, उतनी ही रहस्यमयी भी।तीनों शवों की स्थिति इस ओर इशारा कर रही थी कि यह आत्महत्या नहीं, बल्कि क्रूरतम हत्या हो सकती है। मां रेणुवा और पुत्र सचित का शव, जिस साड़ी से लटक रहा था, वह फंदा काफी ढीला था और महिला का पैर जमीन से छू रहा था।वहीं, सरिता के शरीर पर चोट के निशान थे, जो यह संदेह पैदा कर रहे थे कि उसकी हत्या पहले की गई और बाद में तालाब में फेंक दिया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार मृतकों के घर से घटनास्थल करीब तीन किलोमीटर दूर है।सवाल यह उठता है कि रेणुवा अपने छोटे बच्चों को लेकर इतनी दूर कैसे पहुंचीं रेणुवा के पति चारों हेंब्रम का कहना है कि सोमवार की रात दस बजे घर पहुंचे तो पता चला कि पत्नी और बच्चे गायब हैं, इसके बाद उसने खोजबीन करने की बात कही।

चाईबासा के बाल सुधार गृह में बवाल, गेट तोड़कर फरार हुए 15 से अधिक बंदी बच्चे

चाईबासा, एजेंसी। एक ओर जहां पुलिस पदाधिकारी सरहुल पर्व का आनंद ले रहे थे, वहीं दूसरी ओर शहर के सम्प्रेक्षण गृह में बाल बंदी बवाल मचाए हुए थे। सम्प्रेक्षण गृह में तोड़फोड़ कर रहे थे। सुरक्षा में तैनात कर्मियों से मारपीट कर भागने की साजिश रच रहे थे। इन सब के बीच 15 से अधिक बाल बंदी फरार भी हो गये। घटना मंगलवार की शाम लगभग छह बजे की है। बताया जा रहा है कि चाईबासा के संप्रेक्षण गृह (बाल सुधार गृह) में मंगलवार को बाल बंदी खेल रहे थे। इसी दौरान तीन दिन से मानसिक तौर पर विक्षिप्त एक बंदी हंगामा करने लगा। यह देख अन्य बाल बंदी भी उसके साथ मिल गये और बवाल करने लगे। उन्हें रोकने के लिए जैसे ही गार्ड अंदर घुसा, बाल बंदियों ने उसे घेर लिया और पीटने लगे और लोहे का गेट तोड़कर बाहर आ गये।

उन्हें रोकने आये सुरक्षा कर्मियों पर जानलेवा हमला कर दिया। सीसीटीवी कैमरा को तोड़फोड़ दिया। गेट की कुंडी तोड़कर सभी बाल बंदी बाहर आ गये। मौका देखकर 15 से अधिक बंदी वहां से

चाईबासा व सरायकेला भी ओर भाग निकले। बवाल की सूचना मिलने पर प्रशिक्षु आईपीएस निखिल राय, एसडीपीओ बहामन टुटी, एसडीओ संदीप अनुराग टोपनो और सदर सीओ उपेंद्र कुमार और मुफ्फसिल थाना प्रभारी रंजीत उरांव संप्रेक्षण गृह पहुंचे।

बाहर खड़े बाल बंदियों को अंदर किया गया। इसके बाद गिनती शुरू की गयी। प्रारंभिक सूचना के अनुसार लगभग 15 बंदी फरार हुए हैं। सम्प्रेक्षण गृह में लगभग 85 बच्चे बंद थे। बाल बंदियों के गेट तोड़कर भागते हुए किसीी व्यक्ति ने वीडियो भी बनाया है। यह वीडियो तेजी से वायरल होने के बाद जिले में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने बताया कि पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि कितने बाल बंदी फरार हुए हैं। सम्प्रेक्षण गृह में उपलब्ध पंजी से सभी का मिलान किया जा रहा है।

उधर, चाईबासा से एक और बड़ी खबर आई है। सारंडा के दोदारी गांव के मटबुरु टोला में विषैले सांप के काटने से 25 वर्षीय जेमा पुरती की दर्दनाक मौत हो गई। घटना अहले सुबह लगभग दो बजे की है, जब वह अपने घर में सोई हुई थी। अचानक विषैले सांप ने उसे काट लिया। परिजनों ने सांप को तलाश कर मार दिया और गंभीर स्थिति में जेमा को इलाज के लिए मनोहरपुर अस्पताल ले जाया गया, लेकिन स्थिति गंभीर होने के कारण चिकित्सकों ने उसे राउरकेला के बड़े अस्पताल रेफर कर दिया।

रास्ते में ही जेमा ने दम तोड़ दिया। इस घटना से गांव में मातम पसरा हुआ है। यह घटना सारंडा के सुदूरवर्ती गांवों में स्वास्थ्य सुविधाओं की बदहाल स्थिति को उजागर करती है। यहां न तो चिकित्सा केंद्रों में पर्याप्त सुविधाएं हैं और न ही एम्बुलेंस की सेवा उपलब्ध है। इलाज के अभाव में ग्रामीण या तो अंधविश्वास का सहारा लेते हैं या फिर समय पर उचित चिकित्सा न मिलने के कारण दम तोड़ देते हैं। स्वास्थ्य उपकेंद्रों में न तो चिकित्सकों की नियमित तैनाती होती है और न ही सांप के काटने पर दिए जाने वाले एंटी वेनम इंजेक्शन उपलब्ध हैं। पश्चिमी सिंहभूम जिले के उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने बताया कि जिला समाज कल्याण कार्यालय के द्वारा संचालित चाईबासा संप्रेक्षण गृह में उपद्रव उपरांत कुल 21 बाल कैदी गृह से बाहर निकल गए।

सिरमटोली सरना स्थल से रैंप हटाने की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन

रांची, एजेंसी। सरहुल की शोभायात्रा को लेकर सिरम टोली स्थित सरना स्थल के पास फ्लाई ओवर के रैंप को हटाने से जुड़ा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अलग-अलग आदिवासी संगठनों का विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है। 30 मार्च को सिरम टोली के पास विधि व्यवस्था बाधित करने की कोशिश हुई है।

सिरमटोली बचाओ मोर्चा के बैनर तले सरना धर्मावलंबियों का जत्था पुलिस से उलझ गया। वहां पर पुलिस बैरिकेडिंग तोड़ दी गई। रैंप को भी क्षति पहुंचने की कोशिश की गई। आंदोलन का नेतृत्व पूर्व मंत्री गीताश्री उरांव कर रही थी। इस मार्च में प्रेम शाही मुंडा समेत कई आदिवासी नेता शामिल थे। गीताश्री उरांव ने कहा कि सरकार इस समस्या का समाधान नहीं करना चाह रही है।इसमें खास बात यह है कि इस दौरान पुलिस ने संयम का परिचय दिया। रांची के एसडीएम उत्कर्ष कुमार ने आंदोलनकारी को समझने की पूरी कोशिश की। लेकिन आंदोलनकारी इस मांग पर अड़े हैं कि सरना स्थल के पास से पूरे रैंप को हटाया जाए। फिलहाल सिरम टोली सरना स्थल के पास बड़ी संख्या में पुलिस बल को तैनात कर दिया गया है। दरअसल, 1 अप्रैल को आदिवासियों के सबसे प्रमुख त्योहारों में से एक सरहुल की शोभायात्रा निकलेगी। इसमें अलग-अलग अखाड़ा से आदिवासी समाज के लोग शोभायात्रा निकालते हैं, जो सिरम टोली स्थित सरना स्थल स्थल पर जाकर संपन्न होती है। लेकिन फ्लाई ओवर का रैंप बनने की वजह से सिरम टोली सरना स्थल के में गेट के पास का एरिया थोड़ा संकुचित हो गया है।

झारखंड में फिर बदलेगा मौसम का मिजाज, गर्जन के साथ होगी झमाझम बारिश, ऑरेंज अलर्ट जारी

रांची, एजेंसी। पिछले 24 घंटें में राजधानी रांची सहित राज्यभर में मौसम शुष्क रहा है। 31 मार्च को राज्य का अधिकतम तापमान जमशेदपुर में 39।1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। जबकि न्यूनतम तापमान हजारीबाग में 13।4डिग्री सेल्सियस रहा।

रांची स्थित मौसम केंद्र ने अपने ताजा मौसम पूर्वानुमान में 2 अप्रैल से 4 अप्रैल तक राज्य के कई इलाकों में गर्जन, 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा के झोंके चलने के साथ साथ वज्रपात का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है।

राज्य के पश्चिमी एवं मध्य भाग वाले जिलों में आसमान में बादल बनने के साथ कहीं-कहीं हल्के दर्जे की वर्षा की संभावना है। वहीं, राज्य के दक्षिणी एवं निकटवर्ती मध्य भागों में कहीं-कहीं ओलावृष्टि, गर्जन और 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा के झोंके चलने के साथ वज्रपात की प्रबल संभावना को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। जबकि राज्य के उत्तरी-पश्चिमी और उत्तरी मध्य भाग वाले जिलों में भी कहीं गर्जन और तेज हवा के झोंके चलने और वज्रपात की प्रबल संभावना को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

राज्य के दक्षिणी- पूर्वी एवं निकटवर्ती मध्य भाग तथा उत्तर पूर्वी भागों में कहीं-कहीं पर ओलावृष्टि, गर्जन और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा का झोंका चलने के साथ वज्रपात और हल्की बारिश की संभावना को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसी दिन राज्य के दक्षिणी पश्चिमी, उत्तर पूर्वी और उत्तरी मध्य भाग वाले जिलों में भी कहीं कही गर्जन, 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा के झोंके और वज्रपात का ऑरेंज अलर्ट है। इस दौरान हल्की बारिश की भी संभावना है।

चैत्र नवरात्र पर फूलों से सजा मां छिन्नमस्तिका का दरबार, रजरप्पा मंदिर की सजावट देख मंत्रमुग्ध हो रहे भक्त

रामगढ़, एजेंसी। चैत्र नवरात्र के अवसर पर जिले के रजरप्पा में स्थित प्रसिद्ध सिद्धपीठ स्थल मां छिन्नमस्तिका मंदिर को फूलों से भव्य रूप से सजाया गया। खूबसूरत लाइटिंग पूरे मंदिर प्रक्षेत्र में की गई है, जिससे मंदिर की खूबसूरती देखते ही बन रही है। जो भी भक्त आ रहे हैं, वह फूलों की सजावट को देख मंत्रमुग्ध हो रहे हैं।।

मंदिर में फूलों की भव्य सजावट : चैत्र नवरात्र शरू होने से पहले कोलकाता से आए 25 कारीगरों की टीम ने मां छिन्नमस्तिका मंदिर परिसर को फूलों की सजावट से भव्य रूप दिया। कोलकाता, दिल्ली, बेंगलुरु और अन्य स्थान के फूलों से पूरे मंदिर प्रक्षेत्र को सजाया गया है। फूलों की ऐसी सजावट मां भगवती के दरबार को भव्यता प्रदान कर रहा है। रंग-बिरंगे फूलों से मंदिर सजने के बाद पूरा क्षेत्र खुशबू से महक उठा है।

कोलकाता के कारीगरों ने सजाया पूरा मंदिर

कोलकाता से आए कारीगर उत्तम ने बताया कि वह पिछले 8-10 सालों से लगातार माता के मंदिर को सजाने के लिए कोलकाता से पूरी टीम के साथ आते हैं। इस बार 25 कारीगरों की टीम के साथ मंदिर को सजाने के लिए आए हुए हैं। पिछले 15 दिनों से मंदिर को सजाने की तैयारी चल रही है और आज देर रात तक मंदिर परिसर को पूरी तरह सजा दिया गया। आर्टिफिशियल फूल के साथ-साथ कोलकाता, बेंगलुरु और दिल्ली से भी मंगाए

गए फूलों से सजावट की गई और पूरे मंदिर को भव्य तरीके से सजा दिया गया है।

बिहार के वैशाली जिले से आए भक्त ने कहा कि माता का श्रृंगार और भव्य फूलों की सजावट देखकर वह काफी अभिभूत है। माता का आशीर्वाद तो यहां आने से मिलता ही है लेकिन यह सजावट और यहां की भव्यता देखने को काफी कम मिलती है। पूरे मंदिर को जिस तरह फूलों से सजाया गया है, वह काफी आकर्षक लग रहा है।

वहीं, मंदिर के वरिष्ठ पुजारी पोपेश पंडा ने बताया कि हर वर्ष चैत्र नवरात्र में फूलों से मंदिर को भव्य बनाया जाता है। मंदिर में दर्शन करने आए श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देने के साथ-साथ मंदिर परिसर में की गई फूल और लाइट की सजावट लोगों को और भी आनंदित कर रही है। मां छिन्नमस्तिका का यह मंदिर जागृत सिद्धपीठ है, जो भी भक्त माता के इस मंदिर में आते हैं माता का आशीर्वाद मिलता है। साथ ही भक्तों की मनोकामनाएं भी पूरी होती हैं।

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में आज से शुरू होगा नया सत्र

रांची, एजेंसी। झारखंड के सरकारी स्कूलों में दो अप्रैल से नया शैक्षणिक सत्र हो जाएगा। नया शैक्षणिक सत्र एक अप्रैल से ही शुरू होना था, लेकिन सरहुल के अवकाश के कारण स्कूल दो अप्रैल से खुल रहे हैं। सभी सरकारी स्कूलों में वार्षिक परीक्षाएं संपन्न हो चुकी हैं तथा परिणाम भी घोषित कर दिया गया है। इधर, नया शैक्षणिक सत्र शुरू होते ही इस बार भी बच्चों को पाठ्य-पुस्तकें नहीं मिल पाएंगी।

किसी भी जिले में पाठ्य-पुस्तक स्कूलों तक नहीं पहुंची है। उम्मीद जताई जा रही है कि सरहुल के बाद प्रकाशकों द्वारा पुस्तकें प्रखंड स्तर पर स्थित बीआरसी में पहुंचाई जाएंगी। वहां से पुस्तकें स्कूलों तक पहुंचाई जाएंगी। समग्र शिक्षा अभियान के तहत कक्षा एक से आठ के सभी बच्चों को पुस्तकें दी जाती हैं।

बताते चलें कि सरकारी स्कूलों में तीन वर्ष बाद शैक्षणिक सत्र एक अप्रैल से शुरू होगा। कोरोना के कारण पूर्व में शैक्षणिक सत्र अनियमित हुआ था। वर्ष 2020-21 में कोरोना के कारण स्कूलों के बंद होने से बाद के शैक्षणिक सत्रों में एक-एक माह की कमी की गई थी। इस कारण 2022-23 का शैक्षणिक सत्र एक जुलाई से शुरू हुआ था। इसी तरह 2023-24 का सत्र एक जून तथा 2024-25 का सत्र एक मई से शुरू हुआ था। अब 2025-26 से शैक्षणिक सत्र नियमित होगा तथा यह एक अप्रैल से शुरू होगा। इधर, सरकारी स्कूलों में नए शैक्षणिक सत्र से साप्ताहिक टेस्ट की जगह माह में एक बार बच्चों का टेस्ट लिया जाएगा। रेल परियोजना में बदलाव करते हुए इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है।

इसके अनुसार प्रत्येक माह के पहले सप्ताह में टेस्ट आयोजित किया जाएगा। टेस्ट आयोजित करने तथा मूल्यांकन को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश पहले ही जारी कर दिया गया है। पीएमश्री कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय सोनाहातू में सोमवार को पीएमश्री योजना के तहत बिरसा मुंडा लर्निंग फेस्टिवल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर जिप सदस्य मंजू सिंह मुंडा, विधायक प्रतिनिधि रोहिताश चौधरी, सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार महतो, समाजसेवी राजेन्द्र महतो, कार्तिक महतो आदि अतिथियों ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर छात्राओं ने अपनी पारंपरिक संस्कृति व धरोहर से जुड़े अस्त्र-शस्त्र, दैनिक उपयोग की वस्तुएं और कृषि उपकरणों का प्रदर्शन किया।छात्राओं ने हंसुआ, तीर-धनुष, मिट्टी के बर्तन, बांस से बने दौरा, मछली पकड़ने के लिए जाल व बंसी, ढोल, लोटा, कांसे के बर्तन, सूप एवं खेती-बाड़ी में प्रयोग होने वाले कुदाल सहित कई पारंपरिक वस्तुओं का प्रदर्शन किया। उन्होंने इन वस्तुओं के उपयोग और उनके महत्व के बारे में भी बताया।इसके अलावा, संथाली, नागपुरी नृत्य और संगीत की शानदार प्रस्तुति भी दी गई।

झालर को लेकर विवाद में भिड़े दो गुट, पाहन सहित कई घायल

रांची, एजेंसी। रांची के पिठोरिया थाना क्षेत्र में सरहुल जुलूस में जा रहे एक पाहन समेत कुछ लोगों की पिटाई कर दी गई। मामला बहुत मामूली था लेकिन इसने बड़ा विवाद बना लिया। इलाके में तनाव को देखते हुए पुलिस की टीम कैंप कर रही है।

झालर में लगे झंडे को लेकर विवाद

पूरा मामला रांची के पिठोरिया थाना क्षेत्र के हेड़ाबालू का है, जहां सरहुल जुलूस के दौरान गांव में ही लगाया गया झालर जुलूस के झंडे से टूट गया। झालर दूसरे पक्ष के लोगों ने लगाया था। झालर टूटने से नाराज लोगों ने सरहुल जुलूस में जा रहे लोगों पर हमला कर दिया। इस दौरान जमकर मारपीट हुई। गांव के कुछ प्रबुद्ध लोगों ने आगे आकर मामले को संभाला और मारपीट कर रहे महिलाओं और पुरुषों को खदेड़ दिया। मामले को लेकर ग्रामीणों ने एक वीडियो भी बनाया है जिसमें एक पक्ष दूसरे पक्ष की पिटाई कर रहा है।सरहुल पूजा में शामिल लोगों ने बताया कि पूजा में शामिल लोगों पर बिना किसी कारण के हमला किया गया, जिसमें गांव के पाहन और एक युवक रवि मुंडा गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। मामले को लेकर पूरे गांव में आक्रोश है। वहीं, घटना को लेकर कई भाजपा नेताओं ने सोशल मीडिया पर कड़ा आक्रोश जताया है और हेमंत सरकार से मारपीट में शामिल असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

गांव में मारपीट की सूचना मिलने पर डीएसपी मुख्यालय अमर कुमार पांडेय कुछ ही देर में मौके पर पहुंचे, डीएसपी ने ग्रामीणों को समझा-बुझाकर शांत कराया। कुछ लोगों ने गांव में ही सड़क जाम कर धरना देने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने सभी को समझा-बुझाकर घर वापस भेज दिया। डीएसपी अमर कुमार पांडेय ने बताया कि गांव में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। मामले की जांच की जा रही है, जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

फीस बढ़ोतरी पर एक्शन मोड में शिक्षा मंत्री

पूर्वी सिंहभूम, एजेंसी। झारखंड सरकार के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के गृह जिला पूर्वी सिंहभूम में प्राइवेट स्कूलों की मनमानी के खिलाफ जिला शिक्षा विभाग ने तेवर कड़े कर लिए हैं। जिला शिक्षा पदाधिकारी व शिक्षा अधीक्षक ने 78 प्राइवेट स्कूल प्रबंधकों को एक नोटिस जारी किया है, जिसमें उन लोगों से अलग-अलग बिंदुओं पर जवाब मांगा है।

जिला शिक्षा विभाग द्वारा एक पत्र जारी करते हुए कहा गया है कि झारखंड शिक्षा न्यायाधिकरण (संशोधन) अधिनियम 2017 अध्याय-2 के नियम -75 (3) के अनुसार स्कूल भवन, संरचना या परिसर का उपयोग केवल शिक्षा के उद्देश्य के लिए किया जाएगा और स्कूल परिसर में शिविर लगाकर किताब या अन्य सामग्री (यूनिफॉर्म-जूते) की खरीद के लिए अभिभावक या छात्र-छात्राओं को बाध्य/ प्रेरित नहीं करने से संबंधित निर्देश है। इसके बावजूद स्कूल परिसर का उपयोग किताब बेचने के लिए किया जा रहा है।

उक्त पत्र में यह भी बताया गया है कि अभिभावक या छात्रों को किताब खरीदने के लिए किसी खास दुकानदार

के लिए बाध्य नहीं किया जाए, लेकिन अक्सर यह देखा जाता है कि स्कूल द्वारा निर्धारित विक्रेता के अलावा किसी अन्य विक्रेता के पास उक्त किताबें उपलब्ध नहीं होती है। जिला शिक्षा पदाधिकारी मनोज कुमार व जिला शिक्षा अधीक्षक आशीष कुमार पांडेय ने स्कूल प्रबंधकों से 3 अप्रैल तक अपना जवाब सौंपने को कहा है। साथ ही यह चेतावनी भी दी है कि अगर स्कूल प्रबंधकों ने गलत जानकारी दी तो स्कूल का भौतिक सत्यापन किया जाएगा और गलत जानकारी देने पर स्कूल प्रबंधक पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

स्कूलों में व्यय से अधिक इनकम फिर भी बढ़ रही फीस : जिला शिक्षा विभाग की ओर से झारखंड निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार नियमावली 2011 के नियम-12 (1) (ख) का उल्लेख किया गया है। जिसमें बताया गया है कि उक्त नियम में यह वर्णित है कि स्कूल को किसी व्यक्ति, व्यक्तियों के समूह या किन्हीं अन्य व्यक्तियों के लाभ के लिए नहीं चलाया जाएगा। लेकिन कुछ स्कूलों के ऑडिट रिपोर्ट की पड़ताल करने के बाद स्पष्ट हुआ है कि व्यय से अधिक आय होने के बाद भी प्रत्येक वर्ष फीस में वृद्धि की जा रही है। जिला शिक्षा विभाग द्वारा भेजे गए पत्र में बताया गया है कि ऑडिट रिपोर्ट देखने के बाद यह प्रतीत हो रहा है कि स्कूल का संचालन लाभ अर्जित करने के लिए किया जा रहा है। जिला शिक्षा विभाग ने सभी स्कूल प्रबंधकों को पिछले तीन साल के ऑडिट रिपोर्ट की कॉपी सौंपने को भी कहा है।

स्कूल प्रबंधकों से मांगा गया तीन साल का रिकॉर्ड : इसके अलावा सभी स्कूल प्रबंधकों को यह भी कहा गया है कि झारखंड शिक्षा न्यायाधिकरण (संशोधन) अधिनियम 2017 के नियम-7अ (1) (छ) में वर्णित है कि दो साल में अधिक से अधिक 10 फीसदी फीस की बढ़ोतरी की जा सकती है। यदि इससे अधिक बढ़ोतरी होती है तो उसके लिए समिति से अनुमोदन करवाना होगा।

हालांकि, जिला शिक्षा विभाग को यह शिकायत मिली है कि कई स्कूलों ने फीस के लिए तय गाइडलाइन का उल्लंघन किया है। यही कारण है कि प्राइवेट स्कूल प्रबंधकों को तीन साल का रिकॉर्ड लिखित रूप में सबमिट करने को कहा गया है। साथ ही यह भी कहा गया है कि विद्यालय स्तरीय फीस निर्धारण समिति का कार्यकाल तीन वर्षों के लिए होता है, लेकिन कुछ स्कूल इस निर्देश का अनुपालन नहीं कर रहे हैं।

बाल कैदियों के फरार होने की घटना सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर चूक : बाबूलाल

रांची, एजेंसी। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि चाईबासा के बाल सुधार गृह से बड़ी संख्या में बाल कैदियों के फरार होने की घटना सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर चूक को दर्शाती है।

बाल सुधार गृह का उद्देश्य भटके हुए किशोरों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना होता है, लेकिन चाईबासा की यह घटना दर्शाती है कि सरकार बाल सुधार गृह के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति कर रही है। सीएम को जल्द से जल्द सभी फरार किशोरों को वापस लाकर उनके लिए उचित काउंसलिंग की व्यवस्था की जानी चाहिए, अन्यथा यह समाज के लिए खतरा बन सकता है। ये बच्चे क्यों भागे और किसकी लापरवाही से भागे, इसकी उच्चस्तरीय जांच करा कर कार्रवाई की जानी चाहिए।

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी से सीएम हेमंत सोरेन को निशाने पर लिया है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कहा है कि हेमंत सोरेन के शासन में समुदाय विशेष का दुस्साहस इतना बढ़ गया है कि कल रांची के पिठौरिया में सरहुल पर्व के उत्सव में बाधा पहुंचायी गयी और पवित्र झंडे का अपमान किया गया।

सीएम से कहा कि फिर एक नौटंकी करिये। जैसा आपने पहले सरना स्थल आंदोलनकारियों पर मुकदमा दर्ज कराया, फिर कारवाई रोक कर वाहवाही बटोरने का प्रयास किया। ठीक उसी तरह अब आदिवासियों से प्राथमिकी दर्ज कराइये, फिर उसे निरस्त कर वाहवाही बटोरिए।

सुभाषितम्

एक मुर्ख खुद को बुद्धिमान समझता है, लेकिन बुद्धिमान व्यक्ति खुद को मुर्ख समझता है। - विलियम शेक्सपियर

न्याय मूर्तियों का अहंकार और बार के बीच तल्खी

पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से न्यायपालिका और बार के बीच में तनाव देखने को मिल रहा है उसके कारण न्यायपालिका की साख आम जनता के बीच में लगातार गिरती जा रही है। न्यायपालिका की निष्पक्षता और न्याय, गरीबों के लिए अलग और अमीरों के लिए अलग, इस तरह की धारणा जनसामान्य में बनती चली जा रही है। शीर्ष अदालतों में जिस तरह से कुछ वरिष्ठ वकील और जजों के बीच में विभिन्न प्रकरणों में समन्वय देखने को मिलता है। उसके कारण बार के अन्य वकीलों में यह धारणा बनने लगी है। न्यायमूर्ति की कुर्सी पर बैठे हुए जज पूर्व धारणाओं के आधार पर अथवा संबंधों के आधार पर मामलों की सुनवाई करते हैं। सुनवाई के दौरान ही न्यायमूर्तियों के रुख से पता चल जाता है। वह क्या फैसला करने वाले हैं। सुप्रीम कोर्ट की न्यायमूर्ति बेला त्रिवेदी एक बार फिर चर्चाओं में आ गई हैं। सोशल मीडिया में उनको लेकर समय-समय पर उनके निर्णयों पर जो प्रतिक्रिया देखने को मिली है। वह अच्छी नहीं रही। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ताओं द्वारा समय-समय पर उनकी कोर्ट में सुनवाई के तौर तरीके और उनके निर्णयों को लेकर असहमति जताते हुए अपने प्रकरणों की सुनवाई दूसरे बेंच में ट्रांसफर करने का अनुरोध किया। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बेला त्रिवेदी और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की खंडपीठ में जिस तरह की स्थिति देखने को मिली, वह आश्चर्यचकित करने वाली थी। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता के एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड, सोमा सुंदरम को एक आपराधिक मामले में जिस तरह से फटकार लगाई। उसको देखते हुए सुप्रीम कोर्ट का बार एकजुट हो गया। बार के विरोध को देखते हुए खंडपीठ को अपने निर्णय में संशोधन करना पड़ा। अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम और भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत मद्रास हाईकोर्ट द्वारा जो आदेश पारित किया गया था, उसके विरोध में सुप्रीम कोर्ट में अपील की गई थी। इस याचिका में आत्मसमर्पण करने के लिए छूट मांगी गई थी। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने याचिका को खारिज करते हुए, दो सप्ताह के अंदर आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। याचिका कर्ता ने विशेष अनुमति याचिका दायर कर आत्मसमर्पण करने के लिए छूट मांगी । जिस पर सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ बिफर गई। वरिष्ठ अधिवक्ता पी सोमासुंदरम के बारे में की टिप्पणी और आदेश, से वकीलों की नाराजी बढ़ गई। खंडपीठ ने न्यायालय प्रशासन में हस्तक्षेप मानते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता पी सोमासुंदरम एवं मधु कृष्णा के ऊपर अवमानना और अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का आदेश दिया। इससे वकील भड़क गए, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के सदस्यों का कहना था। वकील साहब को अपनी बात रखे जाने का मौका दिया जाना चाहिए। खंडपीठ बिना सुने, उन्हें कैसे दोषी ठहरा सकती है। बार एसोसिएशन के सदस्यों का कहना था, कि खंडपीठ इस तरह से वकीलों का कैरियर को खत्म नहीं कर सकती है। पिछले कुछ समय से हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जजों द्वारा वकीलों के ऊपर जुर्माना लगाने अथवा कार्रवाई करने को लेकर वकीलों में पहले से ही नाराजी थी। इस तरह की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। बिना सुनवाई याचिकाओं को खारिज किया जा रहा है, कास्ट लगाई जा रही है। बार काउंसिल के सदस्यों के यह धारणा बनने लगी है, जजों द्वारा पूर्व निर्धारित धारणा के आधार पर अनुचित कार्रवाई की जा रही है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों का बार सदस्यों के साथ जिस तरह का व्यवहार होता है,उससे लगता है कोर्ट वकील की दलील को सुनना भी नहीं चाहती है। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ में एक वकील ने अदालत में कहा, कि मेरे विद्वान मित्र, इस पर न्यायमूर्ति बेला त्रिवेदी ने टोंकते हुए कहा, उन्हें विद्वान मित्र मत कहिए। हम परेशान और दुखी हैं, यह कहते हुए उन्होंने वकीलों के ऊपर नाराजगी जता दी। जिसके कारण वकील भड़क गए। पिछले कुछ वर्षों में बार के वकीलों और जजों के बीच में दूरियां बढ़ती चली जा रहीं हैं। सुनवाई के दौरान और फैसलों पर आम धारणा बनती चली जा रही है। वह संविधान, कानून और नियम के अनुसार न होकर सरकार के पक्ष में होते हैं। जिन मामलों मे सरकार को तकलीफ हो सकती है, या जिन मामलों में सरकार सुनवाई नहीं चाहती है, उनकी सुनवाई लगातार शीर्ष अदालतों द्वारा टाली जाती है।

चिंतन-मनन

श्रद्धा के मुताबिक पूजा

हरेक व्यक्ति में चाहे वह जैसा भी हो, एक विशेष प्रकार की श्रद्धा पाई जाती है। लेकिन उसके द्वारा अर्जित स्वभाव के अनुसार उनकी श्रद्धा उत्तम (सतोगुणी), राजस (रजोगुणी) अथवा तामसी कहलाती है। अपनी श्रद्धा के अनुसार ही वह कतिपय लोगों से संगति करता है। अब वास्तविक तथ्य तो यह है कि जैसा कि गीता के 15 वें अध्याय में कहा गया है कि प्रत्येक जीव परमेर का अंश है। अतएव वह मूलतः इन समस्त गुणों से परे होता है। लेकिन जब वह भगवान के साथ अपने सम्बन्ध को भूल जाता है और बद्ध जीवन में भौतिक प्रकृति के संसर्ग में आता है तो वह विभिन्न प्रकार की प्रकृति के साथ संगति करके अपना स्थान बनाता है। इस प्रकार से प्राप्त कृत्रिम श्रद्धा तथा अस्तित्व मात्र भौतिक होते हैं। भले ही कोई किसी धारणा या देहात्मबोध द्वारा प्रेरित हो लेकिन मूलतः वह निगरुण या दिव्य होता है। अतएव भगवान के साथ अपना सम्बन्ध फिर से प्राप्त करने के लिए उसे भौतिक कल्मष से शुद्ध होना पड़ता है। यही एकमात्र मार्ग है, निर्भय होकर कृष्णभावनामृत में लौटने का। श्रद्धा मूलतः सतोगुण से उत्पन्न होती है। मनुष्य की श्रद्धा किसी देवता, किसी कृत्रिम ईश्वर या मनोधर्म में हो सकती है लेकिन प्रबल श्रद्धा सात्त्विक कार्यो से उत्पन्न होती है। किंतु भौतिक बद्धजीवन में कोई भी कार्य शुद्ध नहीं होता। वे मिश्रित होते हैं। वे शुद्ध सात्त्विक नहीं होते। शुद्ध सत्त्व दिव्य होता है। इसमें रहकर मनुष्य भगवान के स्वभाव को समझ सकता है।

दरकते पहाड़ बेमौत मरते लोग दोषी कौन?

- नरेंद्र भारती

पल भर में ही लाशों के ढेर लग गए और जिन्दा मानव चिथड़ों में बदल गए शव क्षत विक्षत हो गए' चारों तरफ चीखो पुकार मच गई लोग एकदम दफन हो गए धार्मिक नगरी श्मशान बन गई' कैसी विडंबना है की नवरात्रि के पहले दिन धार्मिक मनीकरण में छः लोग काल के गाल में समा गए बंगलुरु से घूमने आये पर्यटकों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा की उनकी इतनी दर्दनाक मौत होगी ' फितरती व लालची मानव पहाड़ों का सीना छलनी कर रहा है और दरकते पहाड़ लोगों की जिंदगी लील रहे हैं पहाड़ों से छेड़छाड़ मत कीजिये अगर छेड़छाड़ बंद नहीं की तो प्रतिदिन हादसे होते रहेंगे ' चट्टाने काल बनकर बेकसूर लोगों को मौत के घाट उतार रही हैं' भरमौर से लेकर किन्नौर तक पहाड़ो से चट्टानें गिर रही हैं और लोग बेमौत मारे जा रहे हैं ' ताजा घटनाक्रम में कल रविवार को मनीकरण में पहाड़ी से अचानक विशालकाय पेड़ गिरने से छः लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और छः लोग घायल हो गए यह हादसा गुरुद्वारा साहिब के नजदीक हुआ इस पेड़ की चपेट में आने से बेमौत मारे गए मरने वालों में ज्यादातर पर्यटक थे कुछ स्थानिय लोग भी हैं यह पर्यटक बंगलुरु के रहने वाले थे इनमें तीन महिलाएं और तीन पुरुष हैं ' यह कोई पहला हादसा नहीं है इससे पहले काफी दर्दनाक हादसे हो चुके हैं लेकिन कोई सबक नहीं सीख रहा है अगर पिछले हादसों से सबक लिया होता तो आज यह हादसा नहीं होता और लोग असमय नहीं मारे जाते ' 2024 में चंडीगढ़ - मनाली हाईवे पर नौ मील के पास देर रात हादसा हो गया केलांग से शिमला जा रही सरकारी बस पर चट्टान गिरने से तीन सवारियां घायल हो गई थी बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था ' गनीमत रही की कोई बड़ा हादसा होने से टल गया था ' साल 2023 में भी एक कार पर बड़ी चट्टान गिरने से एक बच्चे की मौत हो गई थी ' किन्नौर में भी ऐसा ही हादसा हुआ था जहाँ दो लोग चट्टान के नीचे दब कर मारे गए थे ' हनोगी के पास भी एक कार पर विशालकाय पत्थर गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी 'भरमौर में भी ऐसा दर्दनाक हादसे में तीन लोग मारे गए थे ' यह हादसे रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं सरकार व प्रशासन को इन हादसों पर संज्ञान लेना चाहिए ताकि भविष्य में इन दर्दनाक हादसों पर रोक लग सके ' फोरलेन के लिए.सड़क को चौड़ा करने के लिए पहाड़ों को मशीनों से काटा जा रहा और पहाड़ से बड़े बड़े पत्थर गिर रहे हैं ' गत वर्ष बरसात में

काफी लोग अपनी जान गंवा चुके हैं लेकिन यह कार्य नहीं रुक रहे हैं 'गत वर्ष 12 अगस्त 2017 की रात को कोटरोपी में प्रकृति ने अपना रौद्र रुप दिखाकर ऐसी खौफनाक तबाही मचाई थी की रौगटे खडे हो गए थे कोटरोपी में हुए इस हादसे ने पूरे हिमाचली समुदाय को झझकोर दिया था।पल भर में लाशों के ढेर लग गए लाशों का ढांपने के लिए कफन कम पड़ गए थे।मौत का यह मंजर सदियों तक याद रहेगा। 12 अगस्त 2017 काली रात को कोटरोपी में प्रकृति का कहर सैकडों अनमोल जिंदगियां लील गया था।पठानकोट -मंडी नेशनल हाईवे 154 के कोटरोपी में चलती बसों पर पहाड़ गिरने से 48 लोगों की दर्दनाक मौत से हर हिमाचली गमगीन था।12 अगस्त की काली रात को प्रकृति ने ऐसा कहर मचाया की पल भर में यात्रियों को मौत की नींद सुला दिया था।यात्रियों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि कोटरोपी में मौत उनका इंतजार कर रही है।पहाड़ गिरने से चंबा से मनाली तथा मनाली से कटडा.जा रही दो बसे दब गई थी। सैंकडों यात्री जमीदोज हो गए थे बसों में लाशे क्षत-विक्षत हो चुकी थी तथा टुकडों में तब्दील हो चुकी थी।चारों तरफ चीखो पुकार मची हुई थी लोग अपनों को बदहवाश होकर ढूढ रहे थे मगर उनके सगे-सम्बधी चिर निंद्रा में सो चुके थे।हर तरफ लाशें दफन हो चुकी थी। प्रकृति ने ऐसी तबाही मचाई थी कि जीते जागते इंसान चिथडों में बदल गए थे तबाही का ऐसा मंजर बहुत ही भयानक था जिसे लोग ताउम्र नहीं भूल सकते आखों के सामने देखते ही देखते लोग मौत के आगोश में समा गए थे बसें जमीदोज हो गई थी । 46 शव निकाले गए थे। पहाड़ के मलवे से लोगों के आशियाने धरसशाही हो गए थे गनीमत रही की किसी की जान नहीं गइ थी।अभागे यात्री अपने गतब्व पर पहुचने से पहले ही हादसे का शिकार हो गए थे।उनका सफर कोटरोपी में खत्म हो गया था। 12 अगस्त की काली रात प्रदेश वासियों को कभी नहीं भूलेगी।इस हादसे में कुल्लु की महिला ने अपने तीन बच्चे खो दिये थे वे अपने दादा के पास चंबा गए थे। ।इस विनाशकारी प्रकृति के कहर से जनमानस खौफजदा है। कही फिर से पहाड़ का मलवा न आ जाए लोग खौफ के साए में राते काट रहे हैं। इससे पहले हिमाचल में प्रकृति के कहर से हजारों लोग मारे जा चुके हैं।बरसात में देश में कई भीषण त्रासदियां हो चूकी है। कहीं मकानों के ढहने से बच्चे मारे गए तो कहीं सैंकडों पशुओं की दबकर मौत हो गई।दर्जनों लोग पानी में बह गए और करोडों की संपति तबाह हो गई। पहाड के मलवे की चपेट में आने से काफी जानमाल का नुक्सान हो रहा है।प्रकृति की इस विभिषिका में हजारों लोग अपंग हो गए है बच्चे अनाथ हो जाते है लाशे मलवे में दफन हो गई है। सरकार को चाहिए की प्रत्येक गांव से लेकर शहरो तक आपदा प्रबंधन कमेटियां गठित करनी चाहिए जिसमें डाक्टर नर्स व अन्य प्रशिक्षित स्टाफ रखना चाहिए ताकि व त्वरित कारवाई करके लोगों को मौत के मुंह से बचा सके ।अक्सर देखा गया है कि जब तक आपदा प्रबंधन की टीमें घटना स्थनों पर पहुचती है तब तक बची हुई सासें उखड़ जाती है लाशों के ढेर लग जाते है।अगर समय पर आपदा ग्रस्त लोगों को प्राथमिक सहायता मिल जाए तो हजारों जिदंगियां बचाई जा सकती हैं। प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सरकार को कालेजों व स्कूलों में भी माकड्रिल जैसे आयोजन करने चाहिए ताकि अचानक होने वाली आपदाओं से अपना व अन्य का बचाव किया जा सके।स्कूलो व कालेजों मे चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना व स्काउट एंड गाइड के स्वंयसेवियों को आपदा से निपटने के लिए पारगंत किया जाए।अगर यही स्वयसेवी अपने घर व गांवों में लोगों को आपदा से बचने के तरीके बताए तो काफी हद तक नुक्सान को कम किया जा सकता है। सरकार को चाहिए कि आपदा से बचाव के लिए प्रत्येक विभाग के कर्मचारियों को पूर्वाभ्यास करवाया जाए ताकि समय पर काम आ सके।पुलिस व अग्शिमन के कर्मचारियों को भी समय = पर ऐसे आयोजन करते रहना चाहिए।

नक्सलियों पर शिकंजा कसने की रणनीति

- किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तर पर पूरी दुनियाँ 24 फरवरी 2022 से रूस-यूक्रेन युद्ध व 7 अक्टूबर 2023 से इजराइल- हमास युद्ध में भयंकर नतीजे किसी न किसी रूप में भुगत रही है,व ईरान- इजरायल तनाव के चलते पश्चिम एशिया इस्लामिक देशों सहित पूरी दुनियाँ चिंताओं में फंसी नजर भी आ रही थी। अगर सभी अंतरराष्ट्रीय मंच मिलकर कोई रणनीतिक एक्शन लेते तो आज बात इतनी गंभीर नहीं होती। परंतु जैसे ही ट्रंप राष्ट्रपति चुने गए इजराइल-हमास का युद्ध विराम हुआ और अब रूस-यूक्रेन के 30 दिनों के युद्ध हुए राम की तैयारी चल रही है,यानें जो मन में ठान लिया जाए वह क्रियान्वयन होता है अभी जैसे हमारे गृहमंत्री ने 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद, माओवाद जीरो टॉलरेंस नीति का प्रण लिया है उस पर तेजी से काम शुरू है, इसी कड़ी में वे 4-5 अप्रैल 2025 को फिर दंतेवाड़ा समीक्षा करने जा रहे हैं। ठीक उसी तरह अनेक देशों में घरेलू आतंकवाद माओवाद नक्सलवाद लंबे समय से चल रहा है, परंतु मेरा मानना है कि किसी भी देश नें इस तरह के युद्ध आतंकवाद हिंसात्मक गतिविधियों को जीरो टॉलरेंस नहीं कर पाया है,जिसका सबसे अधिक दुष्परिणाम आम आदमियों नागरिकों को ही भुगतना पड़ रहा है,जो वैश्विक स्तरपर या अपने ही देश में राज्य स्तरपर पलायन करते हैं जिनका स्थाई समाधान ढूंढना आज समय की जरूरत है। आज हम इस विषय पर बात इसलिए कर रहे हैं क्योंकि दिनांक 4-5अप्रैल 2025 को इसी नक्सलवाद, माओवाद को टारगेट-2026 रणनीति जीरो टॉलरेंस की समीक्षा के तहत केंद्रीय गृहमंत्री केंद्र व राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी उप राष्ट्रीय सलाहकार केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के प्रमुखों सहित अनेको सुरक्षा विशेषज्ञों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। बता दें पिछले दिनों केंद्रीय गृहमंत्री द्वारा छत्तीसगढ़ रायपुर दौरे पर 2026 तक माओवादियों नक्सलवादियों को जीरो टॉलरेंस के लिए नीति की बात कही थी। मेरा मानना है कि नक्सलवाद माओवाद आतंकवाद को जीरो ट्रेवल्स करना है तो उनके साथ आत्मसमर्पण रणनीति पर जोर देना अधिक उचित होगा जो एक रणनीति के तहत शुरू भी है और अनेक आत्मसमर्पण हुए भी हैं, हिंसात्मक कार्रवाई से पुलिस व नक्सलवादियों में आपसी तनाव व दुश्मनी बढ़ रही है। बता दें मैं खुद नक्सल प्रभावित महाराष्ट्र के गोंदिया जिला क्षेत्र से हूं तो मैं देखता हूं कि गांव में गांववासियों व वहां की लोकल दुकानों को सब कुछ मालूम होते हुए भी चुप रहते हैं। दुश्मनी केवल पुलिस व नक्सलियों के बीच ही दिखती है कभी नक्सली मारे जाते हैं तो कभी पुलिस वाले शहीद होते हैं जो दशकोंसे चला आ रहा है। अब पैटर्न बदलकर आत्मसमर्पण का जोरदार अभियान चलाना भी शुरू है हालांकि यह अभियान अभी भी तेजी से चल रहा है व हाल ही में सैकड़ो नक्सलवादी आत्मसमर्पण भी किए हैं परंतु इसे अनेक रणनीतियां बनाकर अधिक तेजी से चलने की जरूरत है,चूँकि टारगेट माओवाद - 31 मार्च 2026 भारत में नक्सलवाद जीरो टॉलरेंस नीति शुरू है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, टारगेट माओवाद 2026-भारत में नक्सलवाद जीरो टॉलरेंस नीति अंतिम पड़ाव में- गृहमंत्री का दंतेवाड़ा दौरा 4-5 अप्रैल 2025, भारत का नक्सलियों परशिकंजा कसने की रणनीति- मिट जाएगा नक्सलवाद का नामोनिशान। मेरा मानना है कि अब जरूरतहै, भारत में जिला स्तरीय दबंग माफियाओं सट्टा जुआ किंग्स पर भी रणनीतिक शिकंजा कसने उच्च स्तरीय बैठके समय की मांग है।

साथियों बात अगर हम भारत में टारगेट माओवाद 2026 की करें तो,देश में नक्सली हिंसा को लेकर केंद्र सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है। सरकार का लक्ष्य देश को 31मार्च 2026 तक नक्सल मुक्त करने का है, इसे लेकर गृहमंत्री 4 और 5 अप्रैल को छत्तीसगढ़ का दौरा करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, 5 अप्रैल को गृहमंत्री छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में एडवांस पोस्ट पर जाकर नक्सलमुक्त अभियान को लेकर मुआयना करेंगे, इसी के बाद 5 अप्रैल को गृहमंत्री छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के पूर्ण खात्मे के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन की समीक्षा भी करेंगे। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री सहित नक्सलवाद प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्री, प्रभावित राज्यों के पुलिस के आला अधिकारी, अर्धसैनिक बलों और नक्सलवाद के खात्मे में लगे अधिकारियों के साथ गृहमंत्री बैठक करेंगे। बता दें, छत्तीसगढ़ के सुकमा में नक्सलियों के होने की सूचना पर 28 मार्च यानी शुक्रवार को डीआरजी और सीआरपीएफ की संयुक्त पुलिस पार्टी नक्सल विरोधी सर्च अभियान में रवाना हुए थे,अभियान के दौरान शनिवार की सुबह सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई,इस मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 16 नक्सलियों को ढेर किया है।सुकमा में नक्सलियों के खिलाफ चलाए गए अभियान को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट किया, उन्होंने कहा, नक्सलवाद पर एक और प्रहार! हमारी सुरक्षा एजेंसियों ने सुकमा में एक ऑपरेशन में 16 नक्सलियों को मार गिराया है और भारी मात्रा में स्वचालित हथियार बरामद किए हैं उन्होंने आगे कहा, पीएम के नेतृत्व में हम 31 मार्च 2026 से पहले नक्सलवाद को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। साथ ही उन्होंने, हथियार रखने वालों से अपील करते हुए कहा कि हथियार और हिंसा बदलाव नहीं ला सकते हैं, सिर्फ शांति और विकास से ही बदलाव लाया जा सकता है। बता दें कि सरकार की रणनीति की वजह से वामपंथी उग्रवाद हिंसा 73 प्रतिशत घटे हैं। साल 2010 की तुलना में 2024 में नक्सली हिंसा में मरने वालों की संख्या में 86 प्रतिशत की कमी आई है। सरकार की ओर से कहा जा रहा है कि नक्सली अब अपनी आखिरी लड़ाई लड़ रहे हैं। साल 2024 में अब तक सशस्त्र वामपंथी उग्रवादियों के खात्मे में सेक्युरिटी फोर्स ने अभूतपूर्व भूमिका निभाई है। साल 2024 में अब तक 202 से अधिक वामपंथी उग्रवादियों को मार गिराया गया है, जबकि 723 से अधिक वामपंथी उग्रवादियों ने सरेंडर किया है और 812 से अधिक को अरेस्ट किया गया है।बयान में कहा गया है कि 2024 में वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों की संख्या में काफी कमी आई है। यह घटकर 38 रह गई है।केंद्र सरकार ने प्रभावित राज्यों के सुदूर क्षेत्रों तक विकास योजनाओं को पहुंचाने के लिए मोबाइल कनेक्टिविटी और सड़क को बढ़ावा देने सहित कई कदम उठाए हैं। राज्य सरकार की ओर से कहा गया है कि पीएम के नेतृत्व और गृह मंत्री के मार्गदर्शन में वामपंथी हिंसा को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। 4 अक्टूबर 2024 को अबूझमाड़ के जंगलों में हुई मुठभेड़ में एक साथ 31नक्सली मारे गए थे, फिर 28 मार्च 2025 को 16 नक्सलवादी मार गिराए गए । छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े नक्सल ऑपरेशन के बाद सुरक्षा बलों के हौसले आसमान पर हैं। साथियों बात अगर हम 4-5 अप्रैल 2025 को गृहमंत्री के छत्तीसगढ़ दंतेवाड़ा दौरे की करें तो, मीडिया से मिली जानकारी के मुताबिक वे 4 अप्रैल को दंतेवाड़ा जाएंगे।

महंगाई में पिसते कर्मचारी, राहत में नहाते सांसद

-प्रियंका सौरभ

सरकार ने जहां सरकारी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में मात्र 2% की वृद्धि की, वहीं सांसदों के भत्तों और वेतन में 24% की बढ़ोतरी कर दी। यह विरोधाभास कर्मचारियों और जनता में नाराजगी पैदा कर रहा है। कर्मचारियों के लिए 2% वृद्धि ऊंट के मुंह में जीरा समान। सांसदों को पहले से ही कई सुविधाएँ मिलती हैं, फिर भी वेतन में बड़ी बढ़ोतरी। सरकार जब आम जनता की राहत की बात आती है, तो बजट की कमी बताती है, लेकिन सांसदों के लिए खजाना खुला रहता है।

देश में महंगाई की मार लगातार बढ़ रही है। सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं, पेट्रोल-डीजल की कीमतें जेब हल्की कर रही हैं और आम आदमी सोच रहा है कि अगली सैलरी आएगी तो कौन-कौन से खर्चे टालने पड़ेंगे? लेकिन इस बीच सरकार ने दो अलग-अलग वर्गों के लिए दो अलग-अलग राहत पैकेज जारी कर दिए– सरकारी कर्मचारियों के लिए महज 2% महंगाई भत्ता बढ़ाया गया।?? सांसदों के भत्तों और वेतन में 24% की बढ़ोतरी की गई।

यानी एक वर्ग को ऊंट के मुंह में जीरा, तो दूसरे को भरपूर दावत! यह विरोधाभास कर्मचारियों और जनता के बीच गहरी नाराजगी पैदा कर रहा है। सवाल यह उठता है कि महंगाई सिर्फ सांसदों के लिए ही क्यों बढ़ी दिखती है? यह फैसला साफ तौर पर सत्ता पक्ष के हितों को साधने के लिए लिया गया है, जबकि आम जनता और कर्मचारियों को उनके हक से वंचित रखा गया है। मीडिया में भी यह मुद्दा सुर्खियों में है। प्रमुख समाचार चैनलों और अखबारों में 2% बनाम 24% का भेदभाव जैसे शीर्षक देखने को मिल रहे हैं। विशेषज्ञ इसे सरकार की जनविरोधी नीति करार दे रहे हैं।

सरकारी कर्मचारियों के लिए सिर्फ 2%–क्या यह मजाक है?

महंगाई भत्ते का मकसद कर्मचारियों को बढ़ती महंगाई से राहत देना होता है। लेकिन जब खुदरा महंगाई दर 6-7% के पार जा चुकी है, तब महज 2% वृद्धि से कर्मचारियों को क्या राहत मिलेगी? यह ठीक वैसा ही है जैसे किसी भूखे इंसान को एक बिस्किट देकर कह दिया जाए–यही बहुत है!

सरकारी कर्मचारियों के संघों और यूनियनों का गुस्सा जायज है। वे लंबे समय से उचित वेतन वृद्धि और महंगाई भत्ते में वाजिब बढ़ोतरी की मांग कर रहे थे, लेकिन सरकार ने इसे टालने योग्य खर्च मानकर नाममात्र की वृद्धि कर दी। अब कर्मचारी संगठनों के सामने कुछ बड़े सवाल खड़े हो गए हैं– क्या महंगाई सिर्फ सांसदों के लिए बढ़ी है?? जब कर्मचारियों का ऊअ बढ़ाना हो, तो खजाना खाली क्यों दिखता है? क्या आम कर्मचारियों का योगदान सरकार के लिए कम हो गया है?

सांसदों को 24% की राहत–किसके पैसे से?

अब जरा सांसदों की स्थिति पर नजर डालें। सांसदों को पहले से ही कई भत्ते और सुविधाएँ मिलती हैं–फ्री हवाई और रेल यात्रा सरकारी बंगले और दफ्तर स्टाफ सुविधा और सुरक्षा व्यवस्था अलग से चिकित्सा और पेंशन लाभ, इतनी सुविधाओं के बावजूद, उन्हें वेतन और भत्तों में 24% की बढ़ोतरी दी गई।

आज का राशिफल

मेष	आज दिन बहुत अच्छा है और आपकी मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। तरक्की के योग बन रहे हैं।	तुला	दिन जोखिम भरे कामों से जुड़ा है। आपको परिवार के लोगों से हर प्रकार की मदद प्राप्त होगी।
वृषभ	आज दिन सम्मान और प्रशंसा का है और आपको हर कार्य में सफलता प्राप्त होगा।	वृश्चिक	आज दिन काफी परेशानियों से भरा और अस्त-व्यस्त रह सकता है।
मिथुन	दिन थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है और आपके घर में किसी कारण से विवाद हो सकता है।	धनु	आपको प्रतियोगिता या परीक्षा में सफलता के लिए उचित योजना बनाने से लाभ होगा।
कर्क	आज दिन बहुत शुभ है और आर्थिक मामलों में आपके लिए तरक्की के योग बन रहे हैं।	मकर	दिन खुशियों भरा रहेगा और आपको बड़े सौदों से लाभ होगा। परिस्थितियां अनुकूल होंगी।
सिंह	दिन परेशानियों वाला हो सकता है और काफी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।	कुंभ	दिन काम का बोझ लेकर आएगा और विरोधी फालतू कामों में उलझाने की कोशिश करेंगे।
कन्या	आज दिन शुभ है और हर प्रकार का असमंजस दूर होगा। आपके सभी रुके हुए काम पूरे होंगे।	मीन	रोजगार पर ध्यान देने का है और आपके व्यवसाय के विस्तार के लिए अच्छा समय है।

विशेष

कर्नाटक कांग्रेस में टूट-फूट की तैयारी

कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में 224 सीटों में से कांग्रेस को 138 सीटों पर विजय प्राप्त हुई है। बहुमत के लिए कांग्रेस को 113 सीटों की आवश्यकता है। कांग्रेस के पास 25 सीटें अधिक हैं। इसके बाद भी कांग्रेस की सरकार कभी भी गिर सकती है। भाजपा गठबंधन को सरकार बनाने के लिए 29 विधायक चाहिए हैं। जो खेल महाराष्ट्र में भाजपा ने खेला था।अब वही खेल कर्नाटक में भाजपा खेलने की तैयारी कर रही है। मुख्यमंत्री पद के दावेदार डीके शिवकुमार पर भाजपा ने हाँका लगाकर घेरने की तैयारी कर ली है। कभी भी शिवकुमार को घेरकर, कर्नाटक में भाजपा की सरकार बनाई जा सकती है। यह बात अलग है कि जिसका शिकार भाजपा करेगी। वही कर्नाटक का अगला मुख्यमंत्री होगा। भाजपा और जेडीएस तैयार हो गई है। जल्द ही कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार गिरना तय माना जा रहा है।

वक्फ बिल पास होकर रहेगा, नायडू नीतीश और चिराग देंगे साथ

संसद में वक्फ बिल पेश होगा, सरकार इसे आसानी से पास भी करा लेगी।इसकी तैयारी मोदी शाह की जोड़ी ने कर ली है। चंद्रबाबू नायडू, नितीश बाबू और चिराग पासवान भले मुसलमानो के हितों की बात कर रहे हैं। यह कह रहे हैं, कि वह वक्फ बिल का समर्थन नहीं करेंगे।मुस्लिम संगठन और इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दल उत्साहित हैं। सदन में वक्फ बिल पास नहीं होगा।मोदी शाह की जोड़ी ने कच्ची गोटिंया नहीं खेली है। एनडीए के सहयोगी दल वक्फ बिल के विरोध करते हुए मतदान में हिस्सा नहीं लेंगे।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1542 तुर्की के सुल्तान बेयाजिद द्वितीय ने अपने बेटे सलीम प्रथम के लिए गद्दी छोड़ी. 1559 फ्रांस और स्पेन के बीच शांति संधी हुई. 1680 शिवाजी का निधन रायगढ़ किले में हुआ. 1693 स्वीडन नरेश चार्ल्स 2वें ने स्वयं को सर्वशक्तिमान घोषित किया. 1783 अमेरिकी लेखक वाशिंग्टन इविंग का जन्म. 1857 विक्टोरिया भारत की महारानी घोषित की गई. 1914 भारतीय सेना के प्रथम फील्ड मार्शल एस. एच. एफ. जे, मानेकशा का जन्म हुआ. 1941 द्वितीय विश्व युद्ध में ब्रिटिश 'फोजों नें लोबियाई बंदरगाह बेनगाजी खाली किया. 1948 अमेरिका ने यूरोप के सोलह देशों को सहायता के लिए 5.33 अस्ब डालर की मंजूरी दी. 1966 भारत के प्रथम कम्प्यूटर ने काम शुरू किया. 1979 पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो को देर रात फांसी दे दी गई.

दैनिक पंचांग

3 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

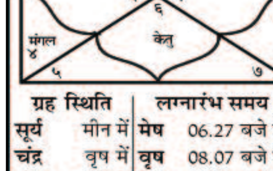

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.27 बजे से
चंद्र	वृष में	वृष	08.07 बजे से
मंगल	कर्क में	मिथुन	10.05 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	12.19 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	14.35 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	16.47 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.57 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	21.12 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	23.28 बजे से
राहुकाल		मकर	01.33 बजे से
1.30 से 3.00		कुंभ	03.20 बजे से
बजे तक		मीन	04.53 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 93 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** चैत्र **पक्ष** शुक्ल **तिथि** षष्ठी 21.42 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** रोहिणी 07.02 बजे को समाप्त। **योग** सौभाग्य 00.01 बजे रात्र को समाप्त। **करण** कौलव 10.41 बजे तदनन्तर तैतिल 21.42 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 04.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 05° 19' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872303 **जूलियन दिन** 2460768.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** सव्वाल **तारीख** 04 **विशेष** यमुना छठ, स्कंद षष्ठी, रोहिणी व्रत।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

सिर्फ डॉक्टरों तक ही सीमित नहीं है मेडिकल क्षेत्र का दायरा

मेडिकल क्षेत्र का दायरा सिर्फ डॉक्टरों तक ही सीमित नहीं है। इसका दायरा काफी व्यापक है। डॉक्टरों द्वारा मरीजों को देखने के बाद का काम पैरा-मेडिकल स्टाफ ही करता है। मरीजों के रोग की जांच, एक्स-रे, रेडियोग्राफी, अल्ट्रासाउंड आदि कार्यो को पैरा-मेडिकल स्टाफ ही अंजाम देता है।

पैरा मेडिकल क्षेत्र के कई भाग हैं। इनमें से किसी भी क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल कर आप अपने करियर को बेहतर आयाम दे सकते हैं। वे क्षेत्र हैं-

नर्सिंग- पैरा-मेडिकल के अंतर्गत नर्सिंग एक प्रमुख पाठ्यक्रम है। नर्सिंग कोर्स करने के बाद प्रमुख काम डॉक्टरों की मदद करना, मरीजों की देखभाल करना, मरीजों को सही तरीके से और समय पर दवा देना आदि होता है।

एक्स-रे टेक्नोलॉजी एंड रेडियोलॉजी - इस कोर्स को करने के बाद छात्र मेडिकली क्वालिफाइड लोगों के साथ काम करते हैं। रोगों की पहचान के लिए किए जाने वाले एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड, रेडियोग्राफी आदि टेस्ट करते हैं।

मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी - इस कोर्स को करने के बाद पैथोलॉजी या माइक्रोबायोलॉजी लैब में आसानी से काम मिल जाता है। इस कोर्स को करने के बाद छात्र बीमारियों के सही इलाज के लिए ब्लड, टिश्यू, यूरीन, स्टूल और बलगम आदि की जांच करते हैं।

प्रॉस्थेटिक एंड ऑर्थोटिक इंजीनियरिंग - इसमें प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले छात्र मानव शरीर के क्षतिग्रस्त अंगों, हड्डियों के टूटने या खिसकने पर उनकी डिजाइन, ढांचा, बेल्ट, कमोड, नकली अंग आदि तैयार करते हैं।

ऑप्टोमेट्री या ऑप्थैल्मिक टेक्नोलॉजी - यह कोर्स करने वाले आंखों की बीमारी और उसके उपचार के लिए नेत्र रोग विशेषज्ञ की सहायता करते हैं। इस कोर्स का प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद वे आंख की जांच, लेंस और ग्लास तैयार करने, मशीन चलाने, लेंस को सही आकार देने और लेंस में सही पावर डालने का काम करते हैं।

फिजियोथेरेपी एंड ऑक्यूपेशनल थेरेपी- फिजियोथेरेपी एंड ऑक्यूपेशनल थेरेपी का कोर्स करने वाले लोग मुख्यत: मानसिक और शारीरिक रूप से विकृत लोगों के उपचार एवं पुनर्वास का काम करते हैं। शारीरिक रूप से मरीजों के विकृत अंगों को सक्षम बनाने, मांसपेशियों को शक्तिशाली बनाने और उन्हें स्वस्थ करने का काम करते हैं।

योग्यता - दसवीं व बारहवीं के बाद यह कोर्स किए जा सकते हैं। यह कोर्स संस्थान पर निर्भर करता है कि वहां कौन से कोर्सेज उपलब्ध हैं। पैरा-मेडिकल में बैचलर डिग्री हासिल करने के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। डिप्लोमा या बैचलर डिग्री पाठ्यक्रम में नामांकन के लिए यह आवश्यक है कि आवेदक किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी विषय के साथ बारहवीं पास हो।

करियर के लिए उभरता क्षेत्र है बायोमैकेनिक्स

बायोलॉजी के स्टूडेंट्स आमतौर पर डॉक्टर बनने का ही सपना देखते हैं, लेकिन देश में इस कोर्स की अत्यंत सीमित सीटों के कारण बहुसंख्यक युवाओं का सपना पूरा नहीं हो पाता। लेकिन इसका मतलब यह कतई नहीं लगाया जाना चाहिए कि बायोलॉजी सब्जेक्ट की इसके अलावा कोई अन्य करियर उपयोगिता नहीं है। हाल के वर्षो में बायोइंफॉर्मेटिक्स, बायोफिजिक्स, बायो इंजीनियरिंग, बायोकैमिस्ट्री जैसे कई नए विषयों का अस्तित्व सामने आया है। इसी क्रम में सबसे उभरता हुआ नया विषय है बायोमैकेनिक्स का।

क्या है बायोमैकेनिक्स

बुनियादी रूप से इस विषय के अंतर्गत विभिन्न जैविक प्रणालियों के कार्यकलापों का मैकेनिक्स के सिद्धांतों के आधार पर अध्ययन किया जाता है। इन जैविक प्रणालियों में मानव, पशु, वनस्पति, अंग, कोशिका आदि शामिल हैं। यानी भौतिक शास्त्र की परिभाषाओं की नजर से प्राणियों और वनस्पतियों की संरचना एवं विभिन्न अंगों की कार्यप्रणालियों को समझने का प्रयास इसमें शामिल है। दुर्घटनाओं में अंग-भंग होने अथवा कृत्रिम अंगों के विकास एवं उत्पादन से जुड़े कार्यों में इस तरह की विशेषज्ञता वाले लोगों की जरूरत पड़ती है।

एकेडेमिक बैकग्राउंड

इच्छुक युवाओं के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि उनके पास बायोलॉजी, इंजीनियरिंग अथवा सम्बद्ध विज्ञान की शाखाओं में कम से कम बैचलर्स डिग्री अवश्य हो।

एप्टिटयूड

फिलहाल इस क्षेत्र में दुनिया भर में अनुसन्धान और शोध कार्यकलाप जारी है, इसलिए ऐसे युवा जो रिसर्च एंड डेवलपमेंट की चुनौतियों में संतुष्टि हासिल करना चाहते हैं, उनके लिए निस्संदेह यह आकर्षक करियर विकल्प हो सकता है। एक और महत्वपूर्ण बात यह कि बायोमैकेनिक्स एक इंटर डिसिप्लिनरी सब्जेक्ट है, इसलिए युवाओं की बायोलॉजी के साथ फिजिक्स, मैथ्स अथवा इंजीनियरिंग में रुचि होनी भी जरूरी है, तभी आगे बढ़ने के रास्ते खुल सकते हैं। मेहनती, सृजनात्मक और नई सोच में आस्था रखने वाले युवाओं के लिए यह चैलेंजिंग फील्ड कहा जा सकता है।

स्पेशलाइजेशन

अन्य कार्यक्षेत्रों की तरह बायोमैकेनिक्स में भी विशेषज्ञता हासिल करने के कई तरह के अवसर हो सकते हैं। इनमें स्पोर्ट्स बायोमैकेनिक्स, बायो ट्रिबोलॉजी, कम्पेरेटिव बायो मैकेनिक्स, प्लांट बायोमैकेनिक्स,कम्प्युटेशनल बायोमैकेनिक्स, इंजरी बायोमैकेनिक्स आदि का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। इस तरह की विशेषज्ञता हासिल करने के लिए मास्टर्स अथवा पीएचडी स्तर के कोर्स करने जरूरी होते हैं।

जॉब्स

बायोमैकेनिक्स का प्रयोग खासतौर पर ऑर्थोपेडिक इंडस्ट्री में कृत्रिम मानव अंगों के निर्माण, डेंटल पार्ट्स तैयार करने आदि में किया जाता है। दुनिया भर में यह इंडस्ट्री काफी तेजी से विकसित हो रही है। इस इंडस्ट्री के आर एंड डी विभागों के अलावा मैन्युफेक्चरिंग यूनिट्स में ऐसे ट्रेंड लोगों को नियुक्त किया जाता है। बायोट्रिबोलॉजी भी इसी की अन्य उपशाखा है, जिसमें ऐसे कृत्रिम अंगों को और उपयोगी एवं प्रभावी बनने के उद्देश्य से अनुसन्धान किये जाते हैं। इसके अलावा रोड एक्सीडेंट्स एवं स्पोर्ट्स से सम्बंधित दुर्घटनाओं की चिकित्सा से सम्बंधित स्पेशलाइज अस्पतालों में ऐसे विशेषज्ञों की सेवाएं काफी महत्वपूर्ण होती हैं। यही नहीं, यूनिवर्सिटी टीचिंग में भी अच्छा स्कोप हो सकता है। विभिन्न कारणों से विकलांग होने वाले लोगों की संख्या देश-दुनिया में बढ रही है। इसका नुकसान सिर्फ उनकी व्यक्तिगत उत्पादकता की हानि के तौर पर ही नहीं, बल्कि सामाजिक एवं आर्थिक हानि के रूप में भी देखा जाता है। इस कारण भी इस बहुमूल्य मानव संसाधन को दोबारा मुख्य धारा में शामिल करने के उद्देश्य से समूची दुनिया में बड़े पैमाने पर सरकारी और प्राइवेट सेक्टर द्वारा निवेश किया जा रहा है। एर्गोनॉमिक्स (मशक्कत में कमी करने पर आधारित विज्ञान) पर अनुसन्धान और शोध करने वाली संस्थाएं भी इस तरह के प्रशिक्षित लोगों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाती हैं।

इस फील्ड में सफल करियर बनाने के लिए यह आवश्यक है कि आप सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव भी हासिल करें। इसके लिए फैकल्टी मेम्बर/सीनियर के असिस्टेंट के रूप में काम किया जा सकता है। यही नहीं, इस कार्यक्षेत्र से सम्बंधित किसी कम्पनी अथवा उसके आर एंड डी विभाग से भी पार्ट टाइम जुड़ा जा सकता है। बायोमैकेनिक्स की नेशनल और इंटरनेशनल सोसायटीज की मेम्बरशिप लेकर वर्कशॉप/सेमिनार/शॉर्ट टर्म कोर्स आदि अटेंड करने के अलावा इस क्षेत्र के प्रख्यात बायो मैकेनिक एक्सपर्ट्स से संपर्क बना कर रखा जा सकता है।

विदेशी संस्थानों द्वारा मास्टर्स तथा पीएचडी स्तर के कोर्सेज देश की चुनिंदा यूनिवर्सिटीज में संचालित किये जा रहे हैं। इन कोर्सेज में मास्टर्स ऑफ साइंस (स्पोर्ट्स बायोमैकेनिक्स)-तमिलनाडु फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, चेन्नई के अलावा तमाम प्राइवेट संस्थानों में इस तरह के कोर्सेज संचालित किये जाते हैं। इनके अलावा ऐसे विदेशी संस्थानों की संख्या भी कुछ कम नहीं है। यहां विदेशी संस्थानों द्वारा तमाम तरह के शॉर्ट टर्म सर्टिफिकेट कोर्सेज भी ऑनलाइन संचालित किये जाते हैं।

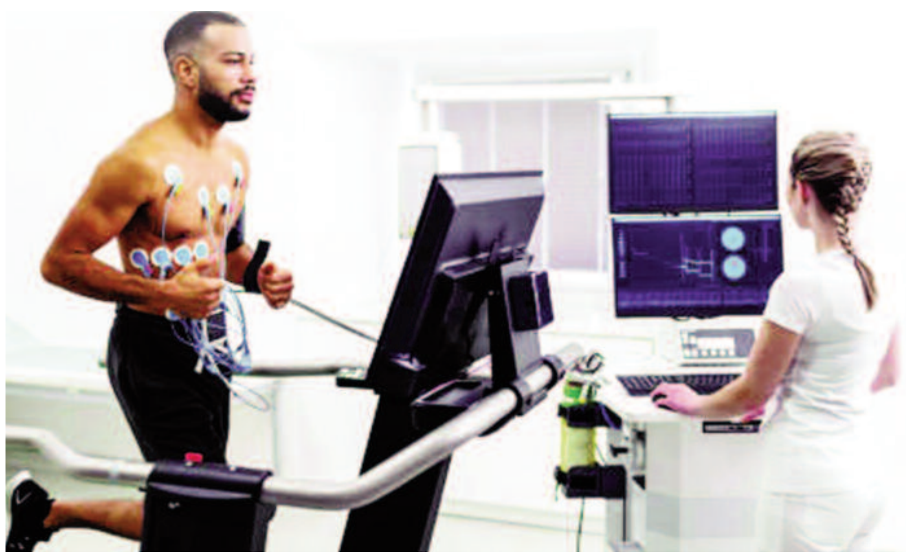

करियर के लिए आइडियल ऑप्शन हो सकता है विजुअल मर्केंडाइजर

विजुअल मर्केंडाइजर भी बूमिंग करियर में से एक है जिसकी डिमांड आने वाले दिनों में बढ़ती जाएगा। किसी भी करियर पाथ को कंसीडर करने से पहले जरूरी है कि हम उस फील्ड को और अपनी स्किल्स को मैच कर लें। जब बात विजुअल मर्केंडाइजर की आती है तो यह क्षेत्र उन छात्रों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है जिनका डिजाइनिंग और रिटेल इंडस्ट्री में इंटरेस्ट हो। अगर आप भी ऐसे किसी करियर को अपनाना चाहते हैं तो विजुअल मर्केंडाइजर आपके लिए आइडियल ऑप्शन हो सकता है। जानते हैं इस क्षेत्र से जुड़ी कुछ जरूरी जानकारियां

कैसे बन सकते हैं विजुअल मर्केंडाइजर

विजुअल मर्केंडाइजर बनने के लिए प्रोफेशनल क्वॉलिफिकेशन बहुत जरूरी है। ऐसे कई संस्थान हैं जो विजुअल मर्केंडाइजिंग में डिप्लोमा और अंडरग्रेजुएट कोर्स ऑफर करते हैं। यह सभी कोर्सेस 12वीं के बाद किए जा सकते हैं।

विजुअल मर्केंडाइजर की जॉब प्रोफाइल क्या होती है

विजुअल मर्केंडाइजर को मर्केंडाइज डिस्प्ले को-ऑर्डिनेटर के नाम से भी जाना जाता है। इनकी जिम्मेदारी होती है रिटेल स्टोर्स में अपने प्रोडक्ट की ऐसी स्ट्रैटेजिक प्लेसमेंट कला जो कस्टमर्स को आकर्षित करना और उन्हें प्रोडक्ट खरीदने के लिए एंकरेज करना। इस गोल को पूरा करने के लिए विजुअल मर्केंडाइजर में बेसिक रिटेल नॉलेज के साथ स्टाइल का सेंस भी होना चाहिए ताकि वह आकर्षक तरीकों से प्रोडक्ट को डिस्प्ले कर सकें।

विजुअल मर्केंडाइजर बनने के लिए जरूरी स्किल्स

- स्केचिंग और कम्प्यूटर एडेड डिजाइन (कैड) स्किल्स
- कलर थ्योरी और डिजाइनिंग प्रिंसिपल्स की नॉलेज
- अपने प्रोडक्ट, स्टोर की ब्रांडिंग करना
- एम्प्लॉयर व कस्टमर की जरूरतों को समझना
- डिजाइन और रिटेल इंडस्ट्री के करंट ट्रेंड्स के साथ अपडेटेड रहना।

जॉब अपॉर्च्युनिटीज

इस कोर्स को पूरी करने के बाद कैंडिडेट्स को इन प्लेसेज में जॉब मिल सकती है - नेशनल और इंटरनेशनल रिटेल स्टोर्स, एयरपोर्ट्स, म्यूजिशियन, इवेंट प्लानिंग और डिजाइनिंग कंपनीज में काम कर सकते। इस क्षेत्र में सेल्फ-एम्प्लॉइमेंट का स्कोप भी हैं। आप एक कंसल्टेंट के तौर पर अपना खुद का काम भी स्टार्ट कर सकते हैं।

सैलेरी पैकेज

स्टार्टिंग सैलेरी तीन से चार लाख एनुअली तक होती है।

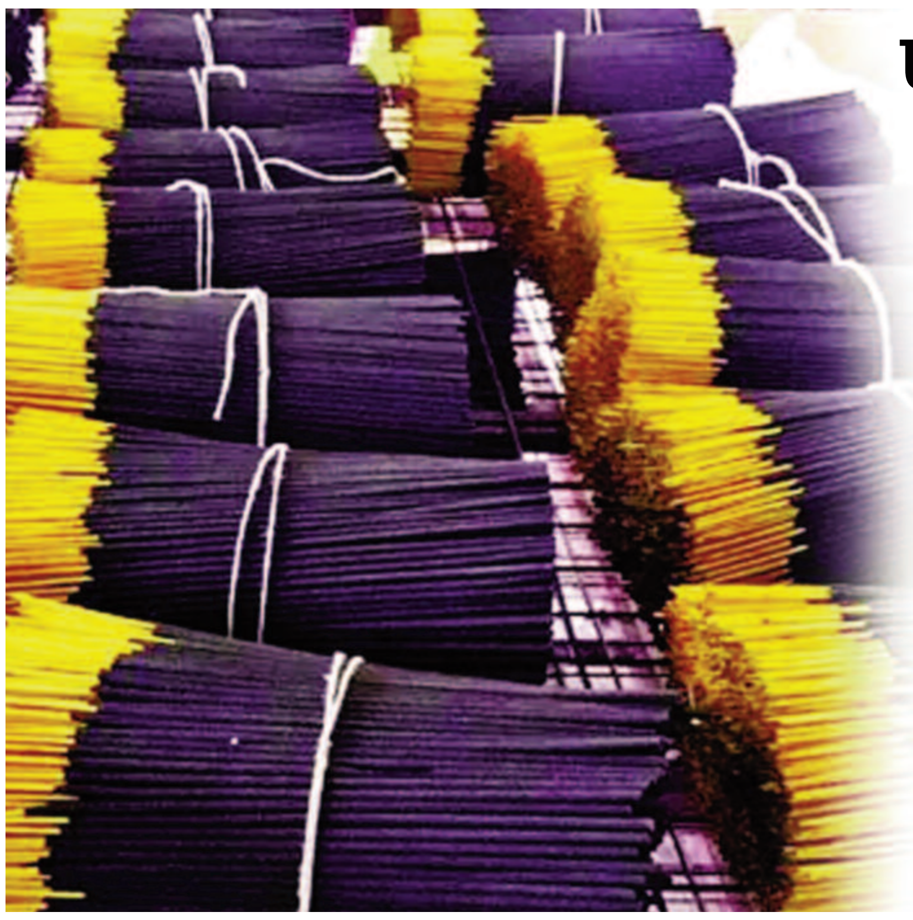

एक कमरे से लेकर फैक्टरी स्तर तक आसानी से खड़ा किया जा सकता है अगरबत्ती उद्योग

अगरबत्ती उद्योग एक ऐसा उद्यम है, जिसे कोई भी आसानी से कर सकता है। अगरबत्ती उद्योग घर के एक कमरे से लेकर फैक्टरी स्तर तक खड़ा किया जा सकता है। यह हर रोज की खपत वाला प्रोडक्ट है, इसलिए हर मौसम में इसकी मार्केटिंग वैल्यू बरकरार रहती है। यह उद्योग गांव से लेकर कस्बों और शहरों तक में स्थापित किया जा सकता है।

योग्यता: पढ़े-लिखों के साथ मध्यम और कम शिक्षा प्राप्त लोग भी इस उद्योग में किस्मत आजमा सकते हैं।

प्रवेश: खादी ग्रामोद्योग में 200 रुपए का प्रवेश फॉर्म है। उसमें दिए प्रवेश फॉर्म के साथ एज प्रूफ की कॉपी और एक फोटो संलग्न करके जमा करें। एस़ सी, एस टी या मुस्लिम समुदाय को यह फॉर्म 100 रुपए प्रवेश शुल्क तथा अन्य पिछड़ा वर्ग या सामान्य वर्ग वालों को 100 रुपए प्रवेश शुल्क के अलावा 200 रुपए ट्रेनिंग शुल्क सहित जमा करना होगा।

अवधि: खादी ग्रामोद्योग में अगरबत्ती बनाने का ट्रेनिंग पीरियड सिर्फ 15 दिन है। कुछ प्राइवेट संस्थान एक सप्ताह से तीन महीने तक का प्रशिक्षण देते हैं।

शुरुआत: अगरबत्ती उद्योग गांव, कस्बे से लेकर छोटे-बड़े शहरों तक में सूक्ष्म, लघु और मध्यम तीनों स्तरों पर शुरू किया जा सकता है। यह काम 25 वर्ग गज के कमरे से लेकर एक हजार वर्ग गज जगह तक में स्थापित हो सकता है। इसकी शुरुआत 10 हजार से भी की जा सकती है। फैक्टरी स्तर पर काम करने के लिए आप लाखों में खेल सकते हैं।

कच्चा माल: कस्बों, शहरों के मुख्य बाजारों में कच्चा माल आसानी से मिल जाता है। दिल्ली में कच्चा माल सीलमपुर, सदर बाजार, तिलक बाजार में मिल जाता है। देश के अन्य शहरों में बेंगलुरू, मैसूर, कन्नौज, कानपुर, बरेली से कच्चा माल और बड़ोदरा, गुजरात में कच्चे माल के अलावा मशीनें भी मिलती हैं।

क्या-क्या चाहिए: अगरबत्ती बनाने के लिए बांस की तिल्ली, नरवा पाउडर, चारकोल पाउडर, जिगेट पाउडर, हर्बल पाउडर, सेंट पीपी बैग, अगरबत्ती बॉक्स, डीईपी कैमिकल आदि की जरूरत होती है। बिना सेंट वाली यानी प्राकृतिक खुशबू वाली अगरबत्ती बनाने के लिए गूगल, लोबान, मुश्क, कपूर, शुद्ध चंदन पाउडर, यारा यारा क्रिस्टल व अंबर क्रिस्टल आदि की आवश्यकता होगी।

उपकरण: लघु स्तर पर अगरबत्ती बनाने के लिए लकड़ी की डेस्क, पटला, लोहे की ट्रे, एल्युमीनियम के भगौने आदि की जरूरत होती है। फैक्ट्री स्तर पर कार्य करने के लिए मशीनें चाहिए। इन मशीनों में मिक्सिंग मशीन, रोलिंग मशीन, कटिंग मशीन, धूप कोन मशीन, ड्रायर आदि शामिल हैं।

आमदनी : अगरबत्ती उद्योग में काम करने वालों की संख्या तीन से सौ तक हो सकती है। यह उद्योग उत्पादन से लेकर मार्केटिंग तक परिश्रम की मांग करता है। इस काम में 10 से लेकर 50 प्रतिशत तक की आमदनी हो सकती है।

ऋण: खादी ग्रामोद्योग से ट्रेनिंग लेने वाले प्रवेश फॉर्म में दिए गए ऋण फॉर्म को पूरा भर कर उसी संस्थान या खादी बोर्ड या अपने एरिया की बैंक शाखा, जहां आपका खाता खुला हो, में जमा करें। प्राइवेट ट्रेनिंग लेकर भी आप निजी स्तर पर या प्रधानमंत्री स्वरोजगार योजना के अंतर्गत ऋण ले सकते हैं। खादी ग्रामोद्योग से ऋण लेने के लिए निम्न दस्तावेजों की जरूरत पड़ेगी-

- पासपोर्ट साइज के 2 फोटो।
- आवेदक की योग्यता के प्रमाण-पत्र की फोटो प्रतियां।
- तकनीकी योग्यता का प्रमाण-पत्र।
- अनुभव प्रमाण-पत्र की फोटो प्रति।
- राशन कार्ड, पहचान पत्र, बिजली बिल आदि।
- उद्योग शुरू करने वाली जगह की रजिस्ट्री की कॉपी। किराए की जमीन है तो किराया नामा और अगर आपके पिता, माता या भाई के नाम कोई जमीन है तो एनओसी।
- 20 रुपए के स्टांप पेपर पर नोटरी द्वारा जारी किया गया घोषणा पत्र।
- अगर इकाई ग्रामीण क्षेत्र में है तो खंड विकास अधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र।
- उद्योग से संबंधित प्रोजेक्ट रिपोर्ट।

बीएसएनएल के कारण सरकार को 1757 करोड़ का नुकसान

● रिलायंस जियो से नहीं की वसूली, कैग का बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने मंगलवार को कहा कि दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल ने टावर जैसे बुनियादी ढांचे को साझा करने पर अपने समझौते के अनुसार रिलायंस जियो से 10 साल कोई वसूली नहीं की। इससे सरकार को 1,757.56 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। कैग ने कहा, भारत संचार निगम लि. (बीएसएनएल) दूरसंचार बुनियादी ढांचा प्रदाताओं (टीआईपी) को दिए जाने वाले राजस्व हिस्से से लाइसेंस शुल्क का हिस्सा काटने में

विफल रही। इससे सरकारी कंपनी को 38.36 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। बयान में कहा गया है कि बीएसएनएल मेसर्स रिलायंस जियो इन्फोकॉम लि. (आरजेआईएल) के साथ मास्टर सर्विस एग्रीमेंट (एमएसए) को लागू करने में विफल रही। बीएसएनएल के साझा टावर जैसे बुनियादी ढांचे पर इस्तेमाल की गई अतिरिक्त प्रौद्योगिकी के लिए बिल नहीं दिया। इससे मई, 2014 से मार्च, 2024 के बीच सरकारी खजाने को 1,757.76 करोड़ का नुकसान हुआ और उस पर दंडात्मक ब्याज भी देना पड़ा। यह भी पाया गया कि बीएसएनएल ने बुनियादी ढांचा साझाकरण शुल्क का कम बिल बनाया था।

झुनझुनवाला के पोर्टफोलियो वाले शेयर में बंपर उछाल

नईदिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में स्मॉल कैप वाला स्टॉक बाजार स्टाइल रिटेल 2 अप्रैल यानी आज इंट्राडे में 12 प्रतिशत से अधिक उछल गया। यह उछाल कंपनी के मार्च 2025 तिमाही के मजबूत बिजनेस अपडेट की वजह से आया है। दोपहर 12 बजे के करीब यह 12.80 पर्सेंट उछलकर 293.38 रुपये पर पहुंच गया था। इसमें प्रति शेयर 33.34 रुपये की बढ़त

थी। बता दें दिसंबर 2024 तक के शेयरहोल्डिंग पैटर्न के मुताबिक, रेखा झुनझुनवाला के पास कंपनी के 27.23 लाख शेयर (3.65 प्रतिशत हिस्सेदारी) हैं। मार्च 2025 क्वार्टर का डेटा अभी आना बाकी है। यानी एक ही दिन में उन्हें 9 करोड़ रुपये से अधिक का मुनाफा हुआ है। कोलकाता की यह वैल्यू फैशन रिटेल कंपनी बड़े निवेशक रेखा झुनझुनवाला के पोर्टफोलियो का हिस्सा है। इसने चौथी तिमाही में अपने प्रमुख मेट्रिक्स में डबल-डिजिट ग्रोथ दिखाई है।

रेवेन्यू में 55 प्रतिशत की बढ़त- वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में स्टैंडअलोन रेवेन्यू 345.6 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल के क्यू4 (223.4 करोड़) से 55 प्रतिशत ज्यादा है। प्रति स्क्वायर फुट सेल्स में 19 प्रतिशत की बढ़ोतरी-अब 697 रुपये/महीना (पहले 570 रुपये था)। स्टोर काउंट 214 तक पहुंचा, जो पिछले साल (162 स्टोर्स) के मुकाबले 32 प्रतिशत ज्यादा है।

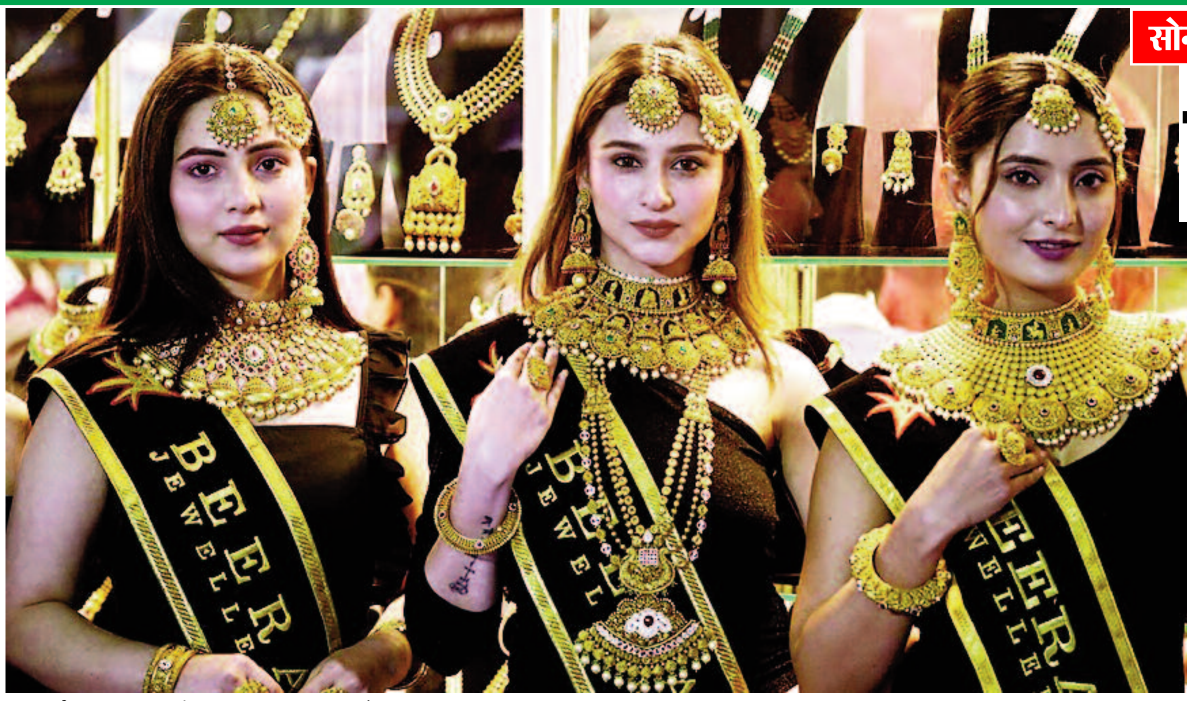

सोना 2000 रुपये उछलकर 94150 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर

चांदी में दिखी नरमी

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टॉकिस्टों और आभूषण विक्रेताओं की लगातार खरीदारी से मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 2,000 रुपये बढ़कर 94,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के नये उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार यह करीब दो महीने में सबसे तेज वृद्धि है। शुक्रवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 92,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था।

विश्लेषकों के अनुसार शेयर बाजारों में गिरावट के बीच वैकल्पिक निवेश के रूप में मांग बढ़ने से विदेशी बाजारों में सोने की कीमतों में तेजी दिखी। लगातार चौथे दिन मजबूती बरकरार रखते हुए 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 2,000 रुपए की तेजी के साथ 93,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। पिछले सत्र में सोना 91,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। सोने की कीमत में पिछली एक दिन की रिकॉर्ड बढ़ोतरी 10 फरवरी को दर्ज की गई थी। उस दौरान इसमें 2,400 रुपये प्रति 10 ग्राम की बढ़ोतरी हुई थी। इस साल अब तक पीली धातु की कीमत 1 जनवरी के 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम से 14,760 रुपये या 18.6 प्रतिशत उछल चुकी है। इस बीच, चांदी की कीमतों में तीन दिन की तेजी थम गई और मंगलवार को यह 500 रुपये घटकर 1,02,500 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। शुक्रवार को यह सफेद धातु 1,03,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। ईद-उल-फितर के अवसर पर सोमवार को सर्राफा बाजार बंद रहे।

वायदा बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में जून डिलीवरी वाले सोने का भाव 683 रुपए बढ़कर 91,400 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए उच्च स्तर पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना हाजिर चढ़कर 3,149.03 डॉलर प्रति औंस के नए शिखर पर पहुंच गया।

कोटक सिक्योरिटीज के अनुसार, सोने की कीमतें लगातार चौथे सत्र में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई। ऐसा अमेरिकी टैरिफ के कारण पैदा हुई चिंताओं के कारण हुआ है। राष्ट्रपति ट्रम्प की ओर से बुधवार को घोषित किए जाने वाले सभी व्यापारिक साझेदारों पर लगाए जाने वाले टैरिफ नैवेश्विक आर्थिक अस्थिरता की आशंकाओं को बढ़ा दिया है।

ब्रोकरेज फर्म ने एक नोट में कहा कि भू-राजनीतिक अनिश्चितता और रूस-यूक्रेन संघर्ष पर ट्रम्प के अस्थिर रुख के कारण सोने की सुरक्षित मांग बढ़ रही है। इसके अलावा, कॉमेक्स सोना वायदा 3,177 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा, निवेशकों का मानना है कि टैरिफ के कारण अमेरिकी आर्थिक विकास में मंदी के कारण अमेरिकी फेडरल रिजर्व को जल्द ही ब्याज दरों में कटौती का सिलसिला फिर से शुरू करना पड़ेगा। इससे व्यापारियों की धारणा मजबूत होगी और सोने में और तेजी आएगी। इसके अतिरिक्त एशियाई बाजार में हाजिर चांदी 0.74 प्रतिशत घटकर 33.83 डॉलर प्रति औंस रह गई।

कॉम्पिटिटर कंपनियों के कारोबार में उछाल

नईदिल्ली, एजेंसी। बड़ी गिरावट के बाद बाजार रिकवरी मोड में दिखने लगा है। सप्ताह के तीसरे दिन शेयर बाजार में तेजी आई और इस दौरान कई ऐसी कंपनियों के शेयर में भी उछाल आया जो हाल के दिनों में शेयर बाजार में लिस्ट हुई हैं। इनमें से एक कंपनी विशाल मेगामार्ट है। बता दें कि बुधवार, 2 अप्रैल को विशाल मेगा मार्ट के शेयरों में 6.5 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई और इसका भाव 111.30 रुपये तक पहुंच गया। 28 फरवरी 2025 को शेयर 96.05 रुपये और 4 फरवरी 2025 को 126.85 रुपये तक पहुंच गया। यह दोनों भाव शेयर के 52 वीक लो और हाई हैं।

शेयर में उछाल की वजह

विशाल मेगामार्ट शेयर में उछाल आया है क्योंकि इसके कई समकक्ष रिटेल सेलर्स ने मार्च तिमाही के लिए मजबूत कारोबारी अपडेट जारी किए हैं। वी-मार्ट रिटेल ने तिमाही के लिए 17 प्रतिशत राजस्व वृद्धि दर्ज की, जबकि इसकी समान स्टोर बिक्री पिछले साल की तुलना में 8 प्रतिशत बढ़ी। कंपनी ने वित्तीय वर्ष के दौरान 53 स्टोर भी जोड़े। बुधवार को वी-मार्ट रिटेल के शेयर 10 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार करते नजर आए।

दूसरी कंपनियों का क्या रहा हाल- इसी तरह, वी2 रिटेल ने मार्च तिमाही के दौरान 69 प्रतिशत राजस्व वृद्धि देखी। कंपनी ने वित्तीय वर्ष के दौरान 74 नए स्टोर खोले और केवल दो बंद किये। वी2 रिटेल के शेयर 5 प्रतिशत के ऊपरी सर्किट में 1,809.9 पर बंद हैं। बाजार स्टाइल रिटेल ने अपना कॉमर्शियल अपडेट जारी किया, जहां मार्च तिमाही के दौरान इसके राजस्व में 55 प्रतिशत और पूरे वित्तीय वर्ष के लिए 38 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वर्ष के दौरान कुल स्टोर नेटवर्क भी 58 स्टोर तक विस्तारित हुए जो साल-दर-साल 76 प्रतिशत की वृद्धि है।

म्यूचुअल फंड ने खरीद डाले इस कंपनी के 297500 शेयर, रॉकेट बना भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। गैलेक्सी सर्फेक्टेंट्स के शेयर आज बुधवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर में आज 9 प्रतिशत की तेजी देखी गई और यह बीएसई पर 2279.95 प्रति शेयर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक बड़ी वजह है। दरअसल, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड द्वारा बल्क डील के जरिए से कंपनी में हिस्सेदारी बढ़ाने के बाद शेयर में यह तेजी आई है।

क्या है डिटेल- एनएसई बल्क डील डेटा के अनुसार, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड ने 1 अप्रैल, 2025 को 2,092 प्रति शेयर के हिसाब से 2,97,500 शेयर खरीदे। बीएसई शेयरहोल्डिंग पैटर्न के अनुसार, दिसंबर 2024 तक आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड के पास कंपनी में 1.02 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। कंपनी का मार्केट कैप 8,004 करोड़ रहा। शेयर का 52-सप्ताह का उच्चतम स्तर 3,366.3 प्रति शेयर और 52-सप्ताह का निम्नतम स्तर 2,028.2 प्रति शेयर रहा। म्यूचुअल फंड की सार्वजनिक शेयरधारिता के तहत 3.88 प्रतिशत हिस्सेदारी और एक्सिस म्यूचुअल फंड की 4.38 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। बता दें कि इस साल अब तक कंपनी के शेयर 10 प्रतिशत तक गिर गए। छह महीने में इसमें 25 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई।

कंपनी का कारोबार- बता दें कि गैलेक्सी सर्फेक्टेंट्स सर्फेक्टेंट्स और स्पेशलिटी केयर

इंग्रीडिएंट्स की दुनिया में प्रमुख प्लेयर में से एक है। यह होम और पर्सनल केयर इंडस्ट्री को फोकस में रखकर काम करता है। कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, कंपनी के पास छह अत्याधुनिक प्लांट हैं, जिनमें से चार भारत में, एक मिस्र में और एक अमेरिका में हैं। गैलेक्सी सर्फेक्टेंट्स कई तरह के सर्फेक्टेंट्स और स्पेशलिटी इंग्रीडिएंट्स का उत्पादन करता है, जिसमें एनायनिक, कैटायनिक, नॉनआयनिक और एम्फोटेरिक सर्फेक्टेंट्स शामिल हैं।

मुंबई में बोलीं राष्ट्रपति

आर्थिक स्थिरता के लिए आरबीआई और सरकार के बीच स्थायी साझेदारी जरूरी

मुंबई एजेंसी। प्रौद्योगिकी की प्रगति के कारण वित्तीय धोखाधड़ी का जोखिम बढ़ रहा है। ऐसे में व्यापक आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए केंद्रीय बैंक और सरकार के बीच स्थायी साझेदारी की जरूरत है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को आरबीआई के कार्यक्रम में यह बात कही।

भारतीय रिजर्व बैंक की 90वीं वर्षगांठ के समापन समारोह में बोलते हुए मुर्मू ने सुरक्षित बैंकिंग वातावरण को मजबूत और सुरक्षित बनाने के लिए सक्रिय कदम उठाने के लिए आरबीआई की सराहना की। उन्होंने कहा, प्रौद्योगिकी की तीव्र प्रगति के साथ, वित्तीय धोखाधड़ी और साइबर खतरों का जोखिम भी बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह एक बढ़ती हुई चिंता है जिस पर निरंतर निगरानी की आवश्यकता है। राष्ट्रपति ने कहा कि आरबीआई की पिछले 90 वर्षों की उल्लेखनीय यात्रा सरकार की दूरदर्शिता और नीतियों के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़ी हुई है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि बदलती आर्थिक स्थिति में पहुंच का विस्तार, दक्षता में सुधार और लचीलेपन को मजबूत करने के लिए बैंक लगातार काम कर रहा है।

रिजर्व बैंक सभी चुनौतियों सामना करने केलिए तैयार- संजय मल्होत्रा- गवर्नर संजय मल्होत्रा ने 1 अप्रैल को केंद्रीय बैंक की 90वीं वर्षगांठ समारोह में अपने

स्वागत भाषण में बोलते हुए कहा, रिजर्व बैंक सभी चुनौतियों सामना करने और अनिश्चितताओं के बीच भविष्य के लिए सहासिक रास्ता तैयार करने के साथ ही सभी अवसरों का लाभ उठाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस अवसर पर देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवन फडणवीस और आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक की भूमिका पहले से कहीं अधिक विस्तारित हो गई है। आज हम परंपरा और परिवर्तन के संगम पर खड़े हैं, जहां मूल्य में स्थिरता, वित्तीय स्थिरता और आर्थिक विकास की अनिवार्यताएं नई तकनीकी प्रगति और वैश्विक अनिश्चितताओं, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों और बढ़ती सार्वजनिक अपेक्षाओं के साथ जोड़ती हैं।

वित्तीय समावेशन को बढ़ाने के लिए आरबीआई प्रतिबद्धः गवर्नर

वित्तीय समावेश को बढ़ाने और उसे मजबूत करन के लिए हम प्रतिबद्ध है, जबकि यह वित्तीय स्थिरता और दक्षता का संतुलित करता है। उन्होंने कहा कि ग्राहक सेवाओं में लगातार सुधार और ग्राहक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रयासों पर लगातार प्रयास करते रहेंगे। वित्तीय स्थिरता और दक्षता के हितों को संतुलित करके हमारे नियामक ढांचे को अनुकूलित करने का हमारा प्रयास होगा और हम प्रौद्योगिकी और नवाचार का समर्थन करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि अगला दशक भारतीय अर्थव्यवस्था के वित्तीय ढांचे के लिए महत्वपूर्ण होगा।

वित्तीय समावेशन के लिए 551 मिलियन से अधिक बैंक खाते खोले गए हैं। आरबीआई के वित्तीय समावेशन सूचकांक के अनुसार देश में वित्तीय समावेशन की सीमा मार्च 2024 में 64.2 रही जो मार्च में 60.1 और 2017 में 43.4 थी। यह सूचकांक तीन उप सूचकांक पर आधारित है। पहुंच, गुणवत्ता और उपयोग। गवर्नर कहा कि आरबीआई हर विनियमन के लाभ और लागत के बीच संतुलन बनाने का प्रयास करता रहा है।

कर्नाटक सरकार ने डीजल पर बढ़ाया बिक्री कर

2 रुपये प्रति लीटर की हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली, एजेंसी। दूध और बिजली की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद कर्नाटक सरकार ने आम जनता को एक बार फिर महंगाई का झटका दिया है। कर्नाटक सरकार ने डीजल पर कर्नाटक बिक्री कर (केएसटी) दर को 18.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 21.17 प्रतिशत कर दिया है, जो 1 अप्रैल 2025 से प्रभावी होगी। इस कर वृद्धि के कारण डीजल की कीमत प्रति लीटर 2 बढ़कर 91.02 हो गई है। यह वृद्धि 1 अप्रैल 2025 से प्रभावी हो गई है और राज्य में डीजल की बढ़ी हुई कीमतें अब पूरे राज्य में लागू होंगी।

वर्तमान में राज्य में डीजल की कीमत 88.99 प्रति लीटर और पेट्रोल की कीमत 102.92 प्रति लीटर है। पिछली बार डीजल की कीमतों में जून 2024 में बढ़ोतरी हुई थी। जब सरकार ने पेट्रोल पर बिक्री कर 25.92 प्रतिशत से बढ़ाकर 29.84 प्रतिशत और डीजल पर 14.3 प्रतिशत से बढ़ाकर 18.4 प्रतिशत कर दिया था। इस वृद्धि के कारण पेट्रोल और डीजल की कीमतों में क्रमशः 3 और 3.02 प्रति लीटर की वृद्धि हुई थी। सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार ने हाल में कई चीजों के दामों में बढ़ोतरी की है। सरकार को बढ़ी कीमतों

को लेकर कड़ी आलोचना का सामना भी करना पड़ रहा है। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने राज्य में सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर एक-एक करके वस्तुओं पर कर लगाने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार कीमतें बढ़ा रही है और गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों का खून चूस रही है।

एक्स पर आर अशोक ने लिखा कि कांग्रेस सरकार ने दूध के दाम बढ़ा दिए, कचरा संग्रहण पर उपकर लगा दिया और अब अचानक डीजल के दाम में 2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर दी है। डीजल माल परिवहन के लिए इस्तेमाल होने वाला ईंधन है। सिद्धारमैया जो खुद को अर्थशास्त्री मानते हैं, यह नहीं जानते कि अगर डीजल के दाम बढ़ेंगे तो दूध, सब्जियां, फल, किराने का सामान, टैक्सी समेत सभी जरूरी सामान और सेवाओं के दाम बढ़ जाएंगे। उन्होंने कहा कि अब इसमें कोई संदेह नहीं है कि डीजल के दाम बढ़ने के बहाने बस टिकट के दाम फिर से बढ़ाए जाएंगे। यह नया शुल्क हाल ही में हुई कई अन्य मूल्यवृद्धियों के बाद आया है, जिससे आम जनता की जेब पर भारी असर पड़ा है।

श्री अहिंसा नेचुरल्स का बंपर डेब्यू, एनएसई एसएमई पर 140 में हुई शेयर की लिस्टिंग

नईदिल्ली, एजेंसी। श्री अहिंसा नेचुरल्स का शेयर मार्केट में बंपर डेब्यू हुआ। इसकी लिस्टिंग एनएसई एसएमई पर 140 रुपये प्रति शेयर प्राइस के साथ शुरू हुई, जो 119 रुपये के इश्यू प्राइस से 17.6 प्रतिशत अधिक है। श्री अहिंसा नेचुरल्स आईपीओ 27 मार्च को बंद हुआ था और यह 62.71 गुना सब्सक्राइब किया गया था। श्री अहिंसा नेचुरल्स शेयर ने आज एनएसई एसएमई पर बंपर शुरुआत की। श्री अहिंसा नेचुरल्स शेयर आज 140 रुपये पर खुले। श्री अहिंसा नेचुरल्स आईपीओ मंगलवार, मार्च 25 को सब्सक्रिप्शन के लिए खोला गया और गुरुवार, मार्च 27 को बंद कर दिया गया। श्री अहिंसा नेचुरल्स आईपीओ प्राइस बैंड 10 रुपये के फेस वैल्यू के प्रति इक्विटी शेयर 113 रुपये से 119 रुपये के बीच तय किया गया था। इसके बाद न्यूनतम 1,200 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 1,200 इक्विटी शेयरों के गुणकों के लिए बोलियां लगाई जा सकती हैं। श्री अहिंसा नेचुरल्स आईपीओ सब्सक्रिप्शन स्टेटस 62.71 गुना है।

क्या करती है कंपनी

1990 में स्थापित श्री अहिंसा नेचुरल्स लिमिटेड के अनुसार, कैफीन एनहाइड्रस, ग्रीन कॉफी बीन एक्सट्रैक्ट्स और क्रूड कैफीन के एक्सट्रैक्शन और मैन्युफैक्चरिंग पर ध्यान केंद्रित करता है, जबकि विभिन्न हर्बल अर्क के व्यापार में भी यह शामिल है।

अडानी समूह और एलएंडटी से एक साथ मिले 2 बड़े ऑर्डर

नईदिल्ली, एजेंसी। एसएमई स्टॉक हर्षदीप हॉर्टिको के शेयर आज बुधवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर इंट्रा डे में 2 प्रतिशत तक चढ़कर 67.80 रुपये के हाई पर आ गए थे। कमजोर मार्केट सेंटिमेंट के बावजूद बीएसई एसएमई स्टॉक में एक महीने से अधिक समय में लगभग 12 प्रतिशत तेजी दर्ज की गई है। पिछले साल फरवरी में लिस्ट होने के बाद से हर्षदीप हॉर्टिको के शेयरों में अब तक 20 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई है।

हर्षदीप हॉर्टिको को 2 नए ऑर्डर मिले- कंपनी ने ऐलान किया है कि उसे आगामी नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फूलों के गमलों की सप्लाई के लिए लार्सन एंड टूब्रो (एलएंडटी) और नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे प्राइवेट लिमिटेड (अडानी समूह) से दो महत्वपूर्ण ऑर्डर मिले हैं। एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, लगभग 43.50 लाख और 96.45 लाख के ऑर्डर 30 जून 2025 तक डिलीवर किए जाने हैं।

कंपनी ने क्या कहा- कंपनी ने 1 अप्रैल को एक विज्ञप्ति में कहा, यह विकास पिछले साल मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे लिमिटेड (64.90 लाख रुपये) और मंगलुरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (21.7 लाख रुपये) को अनुकूलित प्लांटर्स की आपूर्ति के लिए 86.6 लाख रुपये के ऑर्डर हासिल करने में कंपनी की पिछली सफलता के बाद हुआ है, दोनों ही अडानी समूह द्वारा संचालित हैं। कंपनी ने 120 दिनों के भीतर इन ऑर्डर को सफलतापूर्वक एग्जिक्यूट किया था।

कंपनी के शेयरों के हाल- हर्षदीप हॉर्टिको का मार्केट कैप लगभग 107 करोड़ है, जिसका 52-सप्ताह का हाई/लो स्तर क्रमशः 86 और 42.20 है। कंपनी गमले, प्लांटर्स, गार्डन एक्सेसरीज और आउटडोर फर्नीचर उपलब्ध कराती है।

श्रेयस को रोकना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन

लखनऊ के खिलाफ नाबाद अर्धशतक से एक साथ तोड़ा धोनी-गिलक्रिस्ट का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 के 13वें मुकाबले में ऋषभ पंत की कप्तानी वाली लखनऊ सुपर जायंट्स को श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स ने बड़ी ही आसानी से 8 विकेट से हरा दिया। पंजाब किंग्स का ये इस लीग में दूसरा लीग मैच मैच था और दोनों ही मैचों में इस टीम को जीत मिली। पंजाब की बैटिंग इस मैच में धाकड़ रही और इस टीम ने 172 रन के टारगेट को 8 विकेट शेष रहते हासिल कर लिया।

लखनऊ के खिलाफ इस मैच में पंजाब के ओपनर बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह (69 रन) और कप्तान श्रेयस अय्यर (52 रन) ने नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली जबकि चौथे नंबर पर बैटिंग करने आए नेहर वढेरा (43 रन) भी नाबाद रहे। पंजाब के लिए इस मुकाबले में अर्शदीप सिंह काफी असरदार रहे और अपनी टीम के लिए 3 विकेट लेने में सफलता हासिल की। प्रभसिमरन सिंह को उनकी तेज बैटिंग के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया तो वहीं कमाल की लय में चल रहे कप्तान श्रेयस ने नाबाद पारी के दम पर एमएस धोनी और एडम गिलक्रिस्ट के बड़े रिकॉर्ड को तोड़न में सफलता हासिल की।

श्रेयस अय्यर ने एमएस धोनी को पीछे छोड़ा

श्रेयस अय्यर ने कप्तानी पारी खेलते हुए अपनी टीम को जीत दिलाई और बतौर कप्तान एक बेहतरीन रिकॉर्ड अपने नाम किया। श्रेयस अय्यर ने बतौर कप्तान आईपीएल में लगातार सबसे ज्यादा मैच जीतने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर जगह बना ली। बतौर कप्तान श्रेयस की आईपीएल में ये लगातार 8वीं जीत रही और उन्होंने एमएस धोनी को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने कप्तान के रूप में साल 2013 में लगातार 7 मैचों में जीत हासिल की थी। वहीं श्रेयस ने शेन वॉर्न की बराबरी कर ली जिन्होंने साल 2008 में लगातार 8 मैच जीते थे।श्रेयस अय्यर ने लखनऊ के खिलाफ हुए मैच में 30 गेंदों पर 4 छक्के और 3 चौकों की मदद से नाबाद 52 रन की पारी खेली और इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 173.33 का रहा। अपनी पारी में लगाए 4 छक्कों के दम पर श्रेयस अय्यर आईपीएल में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में 7वें नंबर पर आ गए और एडम गिलक्रिस्ट को पीछे छोड़ दिया।

टीम इंडिया में वापसी, अब तो भूल ही जाओ !

बीसीसीआई ने फिर दिखाया ईशान किशन को ठेंगा

नई दिल्ली, एजेंसी। सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट अभी जारी नहीं हुई है, लेकिन विराट कोहली और रोहित शर्मा को लेकर अपडेट है कि वो, + ग्रेड में बने रहने वाले हैं. मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि श्रेयस अय्यर को उनका कॉन्ट्रैक्ट वापस मिलने वाला है. इस बीच विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन के भविष्य पर भी खबर सामने आई है. याद दिला दें कि पिछले वर्ष श्रेयस अय्यर और ईशान किशन, दोनों को डोमेस्टिक क्रिकेट ना खेलने के कारण बीसीसीआई ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट से बाहर कर दिया था. स्पोर्ट्स तक के मुताबिक बीसीसीआई श्रेयस अय्यर को अपना कॉन्ट्रैक्ट वापस दे सकती है. दूसरी ओर ईशान किशन को कॉन्ट्रैक्ट वापस पाने के लिए अभी इंतजार करना पड़ सकता है. किशन नवंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 मैच में आखिरी बार भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते दिखे थे.

ईशान किशन को करना पड़ेगा इंतजार

स्पोर्ट्स तक के हवाले से एक सूत्र ने बताया, ईशान किशन को अभी सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट वापस पाने के लिए इंतजार करना पड़ेगा. उन्होंने दिक्कतों को सुधारा है, लेकिन अभी तक वह प्रदर्शन नहीं कर सके हैं, जिससे उन्हें सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में वापस लाया जा सके.

बीसीसीआई की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट से बाहर होने के बाद ईशान किशन ने आईपीएल 2024 में सिर्फ 23 के औसत से 320 रन बनाए थे. इसके अलावा डोमेस्टिक मैचों में भी किशन कमाल का प्रदर्शन नहीं कर सके हैं. साल 2024 से किशन का टी20 में औसत सिर्फ 28.04 का रहा है. रणजी ट्रॉफी के अलावा इंडिया ए टीम के ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर भी वो कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाए थे. दूसरी ओर श्रेयस अय्यर की बात करें तो वो चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे. उन्होंने टूर्नामेंट में 243 रन बनाए थे. सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट सूची से बाहर होने के बाद अय्यर ने आईपीएल 2024 में अपनी कप्तानी में केकेआर को चैंपियन बनाया था.

भारत का सबसे युवा प्रोफेशनल बॉक्सर अब भी देख रहा ओलंपिक मेडल जीतने का सपना

नई दिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक में भारत के निशांत देव मेडल के दावेदार थे लेकिन वह अपने ओलंपिक में क्वार्टर फाइनल में ही बाहर हो गए। इस हार ने निशांत का दिल तोड़ दिया। वह परिणाम से संतुष्ठ नहीं थे। उन्हें लगा कि परिणाम उनके पक्ष में आना चाहिए था। इस दिल तोड़ने वाली हार के बाद वह कुछ समय के लिए ब्रेक पर गए। कुछ समय बाद खबर आई की निशांत प्रोफेशनल बॉक्सर बनने वाले हैं। निशांत ने अपने इस फैसले के पीछे की वजह भी बताई।निशांत यादव के मुताबिक जब वह 15 साल के थे तबसे प्रोफेशनल बॉक्सर बनने का सपना देख रहे हैं। उन्होंने यूट्यूब पर मोहम्मद अली, माइक टाइसन और कॉर्नर मैकग्रेगर की वीडियो देखी और सपना देखने लगे कि एक दिन वह भी ऐसे ही प्रोफेशनल बॉक्सर बनेंगे।उन्होंने कहा, मेरे चाचा, जो जर्मनी में रहते थे, उन्होंने मुझे प्रोफेशनल बॉक्सिंग की कहानियां सुनाईं, और तब से मेरा सपना शुरू हुआज मैं 15 साल का था। यह एक गलत धारणा है कि मैं ओलंपिक में मार्को (वर्डे) से हारने के कारण प्रोफेशवल मुक्केबाज बन गया। हां, हार निराशाजनक थी, और उस हार के बाद मैं बहुत बुरी स्थिति में था, लेकिन प्रोफेनल बनने का फैसला मैंने बहुत कर लिया था।'उन्होंने कहा, पेरिस मेरे लिए मुश्किल था। मेरा पूरा परिवार वहां मौजूद था, और यह मेरे लिए बहुत बड़ी हार थी। जब परिणाम मेरे पक्ष में नहीं आया, तो मैं पूरी तरह से खो गया। लेकिन मेरा परिवार मेरे साथ है, इसलिए उन्होंने मेरा ख्याल रखा। जब मैं भारत लौटा, तब भी सभी ने यही पूछा, और मैं किसी भी बात का जवाब नहीं देना चाहता था।÷ इसी दौरान उन्हें सबसे पहले कोच रोनाल्ड का फोन आया जो कि खुद एक प्रोफेशनल बॉक्सर रहे हैं। उन्होंने निशांत को ट्रेनिंग के लिए लॉस एंजेलिस बुलाया और यहीं से निशांत के प्रोफेशनल बनने का सफर शुरू हुआ। तीन महीने में ही उन्हें इंग्लैंड के ब्रिटिश प्रमोटर एडी हर्न का फोन आया और निशांत ने फैसला ले लिया।निशांत ने 23 साल की उम्र में अपना प्रोफेशनल डेब्यू किया। पहले मैच में अमेरिका के एलटन विगिंस को हराया। डेब्यू के बाद भी निशांत ने ओलंपिक मेडल जीतने का इरादा नहीं छोड़ा। उन्होंने कहा, जब मैंने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए अपने प्रोफेशनल डेब्यू के लिए रिंग में कदम रखा, तो यह मेरे जीवन भर के सपने के साकार होने जैसा था। मैंने तीन-चार साल आगे के बारे में नहीं सोचा है, लेकिन जब भी ओलंपिक पदक जीतने के अपने दूसरे सपने को पूरा करने का मौका मिलेगा, मैं निश्चित रूप से वापस आऊंगा।

पाकिस्तान का न्यूजीलैंड में बना तमाशा, दूसरे वनडे में हार के साथ गंवाई सीरीज

हेमिल्टन, एजेंसी। लो भइया, हार गया एक और मैच, एक और सीरीज पाकिस्तान. न्यूजीलैंड में बन गया तमाशा, पाकिस्तान की पूरी क्रिकेट टीम का. टी20 सीरीज तो हार ही गए थे. हैमिल्टन वनडे में मिली हार के बाद अब उन्होंने वनडे सीरीज भी गंवा दी है. 3 वनडे की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त ले चुका है न्यूजीलैंड, जिसकी कहर बरपाती गेंदबाजी के आगे पाकिस्तानी बल्लेबाजों की एक ना चली. बेशक 300 रनों से कम का टारगेट था तो मौका लग रहा था. लेकिन, न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने उस मौके को उनकी पहुंच से दूर कर दिया. खासकर 27 साल के बेन सियर्स ने, जिन्होंने इस मैच में अपनी सारी कसक मिटा ली. उन्होंने अपने वनडे करियर के पहले विकेट से लेकर 5 शिकार करने तक, सब इसी मैच में किए.

हैमिल्टन में खेले दूसरे वनडे में न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को 84 रन से हराया. पहले खेलते हुए न्यूजीलैंड ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 292 रन बनाए थे. जवाब में 292 रन का पीछा करने उतरी पाक टीम पूरे 50 ओवर भी नहीं खेल सकी. 41.2 ओवर में ही 208 रन पर उसकी पारी का अंत हो गया. इससे पहले नेपियर में खेले पहले वनडे में पाकिस्तान को 90 रन से हार मिली थी.

बेन सियर्स ने पाकिस्तान का खोला 'पंजा'

पाकिस्तान की टीम को लक्ष्य से 84 रन दूर रोकने में सबसे बड़ी भूमिका अपने तीसरा वनडे मैच खेल रहे गेंदबाज बेन सियर्स की रही. दाएं हाथ के तेज गेंदबाज बेन सियर्स ने हैमिल्टन वनडे में कमाल का प्रदर्शन किया. उन्होंने 9.2 ओवरों में 59 रन देकर 5 खिलाड़ियों को आउट किया. बेन सियर्स ने जहां पहली बार 5 विकेट लेने का कारनामा किया, वहीं उन्होंने इस मैच में अपने वनडे करियर का पहला विकेट भी लिया. इससे पहले खेले 2 वनडे में उनके नाम कोई विकेट नहीं था.

पाकिस्तान का टॉप ऑर्डर फेल, टीम हुई डिरेल

हैमिल्टन वनडे में पाकिस्तान की हार की सबसे बड़ी वजह उसके टॉप के 5 बल्लेबाजों की नाकामी रही, जिनके लिए दहाई का आंकड़ा छूना पहाड़ चढ़ने जैसा रहा. टॉप ऑर्डर का कोई बल्लेबाज डबल डिजीट में रन नहीं बना सका, फिर चाहे वो बाबर आजम हों, इमाम-उल-हक, अब्दुल्लाह शफीक या मोहम्मद रिजवान और सलमान आगा, सबके सब सिंगल डिजीट स्कोर पर आउट हुए. ये सभी बल्लेबाज 50 रन के अंदर मतलब सिर्फ 32 रन पर पवेलियन लौट चुके थे.

फहीम और नसीम नहीं खेलते तो हाल और भी बुरा होता

हालांकि, पाकिस्तान की टीम 208 रन के स्कोर तक फिर भी पहुंचने में कामयाब रही क्योंकि नीचले क्रम में फहीम अशरफ और नसीम शाह ने कमाल की बैटिंग की. दोनों ने मैच में अर्धशतक जड़ा. फहीम ने 73 रन जबकि नसीम ने 51 रन की पारी खेली. दोनों ने 9वें विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी की.

इंग्लैंड को टेस्ट सीरीज से बड़ा झटका, बेन स्टोक्स चैंपियनशिप से बाहर

लंदन, एजेंसी। भारत बनाम इंग्लैड के साथ आगामी टेस्ट सीरीज से पहले इंग्लैंड को बड़ा झटका लगा है। टीम के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स हैमस्ट्रिंग चोट के कारण डरहम के काउंटी चैंपियनशिप से बाहर हो गए है। वह हालांकि हैमस्ट्रिंग सर्जरी से उबर रहे हैं। मुख्य कोच रयान कैंपबेल ने यह जानकारी दी। कैंपबले को भरोसा है कि ऑलराउंडर स्टोक्स इंग्लैंड के ग्रीष्मकालीन मुकाबलों के लिए पूरी तरह से फिट हो जाऐंगे।

ऑलराउंडर स्टोक्स (33) छह महीने में दूसरी बार हैमस्ट्रिंग से जूझ रहे हैं। न्यूजीलैंड में इंग्लैंड के अंतिम टेस्ट के दौरान हुई वह चोटिल हो गए थे, तब से लेकर स्टोक्स ने कोई मैच नहीं खेला है, लेकिन हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह गेंदबाजी करते हुए दिखाई दे रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक ऑलराउंडर स्टोक्स शुक्रवार से शुरू हो रही काउंटी चैंपियनशिप में नहीं खेल पायेंगे। चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने के बाद डरहम और इंग्लैंड के उनके साथी खिलाड़ी ब्रायडन कार्से अब अपनी पैर की अंगुली की चोट से उबर रहे हैं जिसके कारण वह भी पिछले महीने चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए थे।

विश्व मुक्केबाजी कप में भारत की खराब शुरुआत, लक्ष्य चाहर पहले ही दौर में बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। चाहर के लिए यह कठिन मुकाबला था और एक को छोड़कर सभी निर्णायकों ने ब्राजील के मुक्केबाज को 30 अंक दिए। उन्होंने 150 में से 149 अंक बनाए, जबकि चाहर के 135 अंक रहे। पहले विश्व मुक्केबाजी कप में भारत के अभियान की शुरुआत खराब रही जब लक्ष्य चाहर 80 किलोवर्ग के पहले मुकाबले में मेजबान ब्राजील के वांडरले परेरा से हार गए। मौजूदा राष्ट्रीय लाइट हैवीवेट चैंपियन चाहर को प्री क्वार्टर फाइनल में पेरिस ओलंपियन और विश्व चैंपियनशिप 2023 के रजत पदक विजेता परेरा ने सर्वसम्मति से लिए गए फैसले में 5-0 से हराया। चाहर के लिए यह कठिन मुकाबला था और एक को छोड़कर सभी निर्णायकों ने ब्राजील के मुक्केबाज को 30 अंक दिए। उन्होंने 150 में से 149 अंक बनाए, जबकि चाहर के 135 अंक रहे।

जिस टीम ने सड़क से उठाया, अब उसे ही छोड़ना चाहते हैं यशस्वी जायसवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। यशस्वी जायसवाल जैसा खिलाड़ी अगर किसी टीम में रहे तो उसके जीतने की संभावना ज्यादा रहती है क्योंकि वो एक मैच विनर हैं. लेकिन अब इस मैच विनर बल्लेबाज ने अपनी टीम छोड़ने की इजाजत मांगी है. खबर बेहद चौंकाने वाली है, मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो यशस्वी जायसवाल मुंबई रणजी टीम को छोड़ना चाहते हैं जिसके लिए उन्होंने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन से एनओसी मांगी है. यशस्वी जायसवाल ने इसकी निजी वजह बताई है.

रिपोर्ट्स की मानें तो यशस्वी जायसवाल ने मुंबई को छोड़कर गोवा जाने का फैसला किया है. वो आने वाले रणजी सीजन में गोवा के लिए खेलना चाहते हैं. पृथ्वी शॉ से पहले मुंबई के कई क्रिकेटर गोवा खेलने गए हैं. इसमें एक पॉपुलर नाम अर्जुन तेंदुलकर हैं जो कि पहले मुंबई के लिए रणजी ट्रॉफी खेलते थे लेकिन अब पिछले 3 सीजन से वो गोवा के लिए रणजी ट्रॉफी

खेल रहे हैं. अब यशस्वी जायसवाल भी इसी टीम का हिस्सा बनना चाहते हैं. ऐसी खबरें हैं कि यशस्वी जायसवाल गोवा के कप्तान बन सकते हैं. हालांकि इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई है. ये जरूर है कि यशस्वी जायसवाल ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन को एनओसी के लिए ईमेल किया है.

यशस्वी जायसवाल ने साल 2019 में मुंबई के लिए डेब्यू किया था. फर्स्ट क्लास क्रिकेट का पहला मैच उन्होंने छत्तीसगढ़ के खिलाफ खेला. पहले मैच में ये खिलाड़ी कुछ खास कमाल नहीं कर पाया लेकिन इसके बाद जायसवाल ने रनों का अंबार लगा दिया. बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 36 फर्स्ट क्लास मैचों में 60 से ज्यादा की औसत से 3712 रन बनाए हैं. जायसवाल के बल्ले से 13 शतक और 12 अर्धशतक निकले हैं. बता दें यशस्वी जायसवाल को मुंबई की टीम ने ही मौका दिया जिसके बाद वो इतना बड़ा नाम बने. मुंबई ने इस खिलाड़ी को पूरा सपोर्ट किया, उन्हें टॉप ऑर्डर में जगह दी और अब ये खिलाड़ी इस टीम को छोड़ने वाला है.

चक्रवर्ती टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में तीसरे स्थान पर खिसके, पांड्या ऑलराउंडरों में शीर्ष पर

दुबई- भारत के रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की पुरुष टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में एक स्थान गिरकर तीसरे स्थान पर खिसक गए जबकि हार्दिक पांड्या बुधवार को जारी ऑलराउंडर रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। चक्रवर्ती 706 रेटिंग अंक के साथ न्यूजीलैंड के जेकब डफी (723) और वेस्टइंडीज के अकील हुसैन (707) से पीछे हैं। लेग स्पिनर रवि बिश्नोई (674) और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह (653) क्रमशः सातवें और 10वें स्थान के साथ शीर्ष 10 में शामिल अन्य दो भारतीय गेंदबाज हैं। अक्षर पटेल 13वें स्थान पर हैं। भारत के बाएं हाथ के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड शीर्ष पर हैं जबकि इंग्लैंड के फिल सॉल्ट तीसरे स्थान पर हैं। दो अन्य भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव क्रमश- चौथे और पांचवें स्थान पर हैं। पांड्या 252 रेटिंग अंक के साथ ऑलराउंडर की सूची में शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। उनके बाद नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी और ऑस्ट्रेलिया के मार्कस स्टोइनिस का नंबर आता है।

ट्रॉफियां बेचकर की थी मदद, अब 20 साल के गोल्फर अर्जुन भाटी को मिलेगा यूथ अवॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ष 2020 में जब पूरी दुनिया और देश कोरोना महामारी से जूझ रहा था तब अर्जुन ने प्रधानमंत्री राहत कोष में 4.30 लाख रुपये की राशि दान में दी थी। यह राशि उन्होंने अपनी 102 ट्रॉफियां और वह जूते, जिन्हें उन्होंने पहनकर जूनियर विश्व चैंपियनशिप जीती थी, बेचकर जुटाई थी। गोल्फर अर्जुन भाटी की उम्र तो महज 20 साल है, लेकिन इस उम्र में उन्होंने गोल्फ कोर्स और उसके बाहर ऐसी उपलब्धियों को अंजाम दिया कि भारत सरकार ने उन्हें राष्ट्रीय यूथ अवॉर्ड देने का फैसला लिया। तीन बार के जूनियर विश्व गोल्फ चैंपियन अर्जुन 150 के करीब ट्रॉफियां जीत चुके हैं।

पीएम राहत कोष में दिए थे रुपये

वर्ष 2020 में जब पूरी दुनिया और देश कोरोना महामारी से जूझ रहा था तब अर्जुन ने प्रधानमंत्री राहत कोष में 4.30 लाख रुपये की राशि दान में दी थी। यह राशि उन्होंने अपनी 102 ट्रॉफियां और वह जूते, जिन्हें उन्होंने पहनकर जूनियर विश्व चैंपियनशिप

जीती थी, बेचकर जुटाई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनके इस प्रयास को सराहते हुए सोशल मीडिया पर उनकी तारीफ की थी। अर्जुन को बुधवार को राष्ट्रीय यूथ अवॉर्ड दिया जाएगा। राष्ट्रीय यूथ अवॉर्ड से सम्मानित होने पर भारतीय गोल्फर अर्जुन भाटी ने कहा, मैं इस पुरस्कार के लिए बहुत आभारी हूं और यह मेरे परिवार और मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। मेरे प्रयासों ने फल दिया है। मैं नौ साल का था जब मैंने अपने स्कूल में पहली बार गोल्फ खेला था। मैं पिछले 11 सालों से खेल रहा हूं और यह यात्रा बहुत अच्छी रही है। मेरे सफर में मुझे बहुत से समर्थक मिले हैं। मुझे यह खेल बहुत पसंद है।

अर्जुन बताते हैं कि वह इन दिनों ब्रिटिश ओपन की तैयारियों में जुटे हैं। बीते वर्ष भी वह इस चैंपियनशिप के क्वालिफायर में खेले थे, लेकिन एक स्ट्रोक से मुख्य टूर्नामेंट में खेलने से रह गए थे। टाइगर वुड्स और विराट कोहली को आदर्श मानने वाले अर्जुन ने नौ साल की उम्र में गोल्फ खेलना शुरू किया था। वह ग्रेटर नोएडा स्थित जेपी ग्रींस गोल्फ कोर्स में रहते हैं। अर्जुन ने कहा, टाइगर वुड्स बहुत लंबे समय से मेरी प्रेरणा रहे हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से विराट कोहली को पसंद करता हूं। मुझे उनके खेल के प्रति समर्पण, फिटनेस स्तर, काया और मानसिकता बहुत पसंद है। वह देश के सभी युवाओं के लिए बहुत प्रेरणादायक हैं। वह बहुत प्यारे और सच्चे इंसान हैं और उनका समर्थन मेरे लिए बहुत मायने रखता है। विराट कोहली फाउंडेशन कई अलग-अलग विषयों के लगभग 40 बच्चों की मदद करता है। उन्होंने देश के लिए जो कुछ किया है, मैं उसकी प्रशंसा करता हूं। मेरा भविष्य का लक्ष्य भारत के लिए ओलंपिक स्वर्ण पदक लाना है। मैं हर दिन खुद को बेहतर बनाने की कोशिश कर रहा हूं।

ओलंपिक पदक जीतना है सपना

2016 में पहली बार जूनियर विश्व चैंपियन बनने वाले अर्जुन के मुताबिक यूथ अवॉर्ड उन्हें और अच्छा करने की प्रेरणा देगा। विराट कोहली फाउंडेशन 2019 से उनकी मदद कर रहा है। उनका सपना देश के लिए ओलंपिक पदक जीतना है और इसके लिए वह कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

लापता लेडीज पर फिर लगा आइडिया चोरी करने का आरोप

विदेशी शॉर्ट फिल्म से मिलती है कहानी

किरण राव निर्देशित फिल्म 'लापता लेडीज' एक बार फिर से चर्चा में है। आमिर खान प्रोड्यूस इस फिल्म पर कहानी चोरी करने का आरोप लग रहा है।

साल 2024 में किरण राव निर्देशित फिल्म 'लापता लेडीज' को दर्शकों और समीक्षकों ने खूब सराहा। यह फिल्म भारत की तरफ से ऑस्कर में ऑफिशियल एंट्री के तौर पर भी शामिल हुई। लगभग एक साल बाद इस फिल्म की कहानी को चोरी का बताया जा रहा है। कुछ रेडिट पोस्ट में एक विदेशी फिल्म 'बुर्का सिटी' की कहानी, सीन्स का जिक्र किया गया है, जो लगभग 'लापता लेडीज' से मिलते-जुलते हैं।

शॉर्ट फिल्म 'बुर्का सिटी' की कहानी

साल 2019 में एक विदेशी शॉर्ट फिल्म 'बुर्का सिटी' रिलीज हुई, यह फिल्म 19 मिनट की है।

कहानी में मिडिल ईस्ट को दिखाया गया है, जहां एक व्यक्ति की नई दुल्हन किसी दूसरी महिला से बदल जाती है क्योंकि दोनों महिलाओं ने बुर्का पहना होता है। यह शॉर्ट फिल्म एक सटायर कॉमेडी थी। बिल्कुल इसी कहानी पर ही फिल्म 'लापता लेडीज' भी बनी है। किरण राव निर्देशित फिल्म में भी दो दुल्हनें इसलिए बदल जाती हैं क्योंकि उन्होंने घुंघट डाला हुआ था। इसके अलावा फिल्म में महिलाओं से जुड़े कई मुद्दों को भी दिखाया गया है।

पहले भी लगा है चोरी का आरोप

जब 'लापता लेडीज' रिलीज हो रही थी तब भी निर्देशक अनंत महादेवन ने इस फिल्म पर कहानी चोरी करने का आरोप लगाया था। अनंत का कहना था कि साल 1999 में उन्होंने एक फिल्म 'घूंघट के पट खोल' बनाई, इसकी कहानी भी दो दुल्हनों के बदल जाने और खुद के अस्तित्व को तलाशने की थी। उस समय भी किरण राव और आमिर खान ने इस मुद्दे पर चुप्पी साध कर रखी थी।

गुस्से में सोशल मीडिया यूजर

अब एक बार फिर 'बुर्का सिटी' नाम की विदेश फिल्म की कहानी चोरी करने का आरोप 'लापता लेडीज' के मेकर्स पर लग रहा है तो सोशल मीडिया यूजर काफी नाराज हैं। कई यूजर्स का कहना है कि किसी से प्रेरित होना बुरी बात नहीं लेकिन कम से कम जिनका असल आइडिया है उनको क्रेडिट तो देना ही चाहिए था। कई यूजर्स इस तरह कहानी और सीन्स को चोरी करने की बात को बहुत ही निराशाजनक बताते हैं।

रणवीर सिंह का दिखेगा अलग अंदाज

बॉलीवुड के अभिनेता रणवीर सिंह के पास इन दिनों कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। वह आदित्य धर की फिल्म धुरंधर की शूटिंग कर रहे हैं, जिसमें उनकी लंबी दाढ़ी वाला लुक चर्चा में है। इसके अलावा वह फरहान अख्तर के डायरेक्शन वाली डॉन 3 का भी हिस्सा हैं।

हालांकि, सबसे रोमांचक खबर ये है कि रणवीर अब जल्द ही एक जॉम्बी फिल्म में नजर आ सकते हैं, जिसे वह अपनी प्रोडक्शन कंपनी मां कसम फिल्म्स के तहत प्रोड्यूस करेंगे।

जॉम्बी फिल्म की चल रही तैयारी

एक रिपोर्ट के मुताबिक रणवीर अपनी जॉम्बी फिल्म पर जोर–शोर से काम कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन जय मेहता करेंगे। अभी ये प्रोजेक्ट शुरुआती दौर में है और स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है। रणवीर खुद स्क्रिप्ट में अपने सुझाव दे रहे हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि साल के अंत तक स्क्रिप्ट फाइनल हो जाए। रिपोर्ट के मुताबिक अगर सब ठीक रहा तो डॉन 3 के बाद ये उनकी अगली फिल्म हो सकती है। हालांकि, अभी कुछ भी पक्का नहीं है। अर्जुन रामपाल और आर माधवन जैसे सितारे नजर आएंगे। इस फिल्म की घोषणा जुलाई 2024 में हुई थी। ये फिल्म 1970 और 1980 के दशक में भारतीय खुफिया एजेंसियों की दुनिया को दिखाएगी। इस फिल्म की शूटिंग मई तक खत्म होने की उम्मीद है, लेकिन रिलीज डेट अभी तय नहीं हुई।

शबाना ने बताया, जीवन में अभी और क्या तलाशना बाकी है

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शबाना आजमी का कहना है कि, यह मानना ??अवास्तविक होगा कि उन्होंने सब कुछ अनुभव कर लिया है। उनके अनुसार, अभी तो पूरा जीवन ही जानना बाकी है।

यह पूछे जाने पर कि क्या ऐसा कुछ है जो वह अभी भी नहीं जानती या जिसके बारे में वह जानना चाहती हैं, शबाना ने आईएएनएस को बताया- हां, संपूर्ण जीवन। क्योंकि यह सोचना बेकार है कि मैंने सब कुछ अनुभव कर लिया है। हां, मैं अब ज़्यादा रोमांचक काम नहीं कर सकती। वो बेवकूफी होगी, लेकिन मैं फिर भी करना चाहती हूं। मुझे ज्यादा कुछ नहीं चाहिए। अभिनेत्री ने 1974 में अंकुर से अपनी शुरुआत की थी। शोबिज की दुनिया में पांच दशक बिताने वाली इस अभिनेत्री की फिल्मोग्राफी में 160 से ज्यादा फिल्में शामिल हैं, जिनमें से ज्यादातर स्वतंत्र और नवयथार्थवादी समानांतर सिनेमा की हैं। उन्होंने मुख्यधारा की फिल्मों के साथ-साथ कई अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट भी किए हैं। शबाना विभिन्न विधाओं में विशिष्ट, अक्सर अपरंपरागत महिला किरदारों के लिए लोकप्रिय हैं।

अपने दमदार अभिनय के कारण उन्होंने सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए पांच बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता है। अभिनेत्री को 1998 में पद्म श्री और 2012 में पद्म भूषण से भी सम्मानित किया जा चुका है। पीछे मुड़कर देखें तो क्या ऐसी कोई भूमिका है जिसे न निभा पाने का उन्हें अफसोस है या कोई ऐसी फिल्म है जिसका हिस्सा आप बनना चाहती थीं? वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक समग्र मंच, अंतरा एजईजी के उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित अभिनेत्री ने कहा अभिनेत्री ने कहा, मेरी एक दोस्त कहती है कि मेरी एक अजीब आदत है। मैं कभी-कभी कहती हूं, अच्छा हुआ मैंने वो फिल्म नहीं की। वो पूछती है, क्या तुम्हें वो फिल्म ऑफर हुई थी? मैं कहती हूं, नहीं। तो वो कहती है, फिर तुम क्यों खुश हो? मेरे दिमाग में एक ख्याल आता है कि अच्छा है कि मैंने वो फिल्म नहीं की, लेकिन जब मुझे वो मिली ही नहीं, तो मैं क्या ही कर लेती? वह दोस्त मेरी इस बात पर हमेशा हंसती है। काम की बात करें तो अभिनेत्री को आखिरी बार आर. बाल्की की स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म घूमर में देखा गया था। इसमें अभिषेक बच्चन, सैयामी खेर और अंगद बेदी भी हैं।

बीते दिनों कंगना रनौत और हंसल मेहता के बीच सोशल मीडिया पर तकरार हुई। इस कहासुनी के बाद हाल ही में हंसल मेहता ने अदाकारा की दिल खोलकर तारीफ की है और कहा कि वे उनका बहुत सम्मान करते हैं। अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत और फिल्म मेकर हंसल मेहता के बीच बीते दिनों सोशल मीडिया पर कहासुनी हुई।

सोशल मीडिया पर तकरार के बाद हंसल मेहता ने बांधे कंगना की तारीफों के पुल, बोले- उनका कायल हूं

दरअसल, स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा की महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद दोनों आमने-सामने आए। दोनों के फैंस भी आपस में भिड़े। अब इस पूरे मामले के कुछ दिन बाद ही हाल ही में हंसल मेहता ने कंगना की दिल खोलकर तारीफ की है।

दरअसल, हंसल मेहता विवादित टिप्पणी मामले में कुणाल कामरा का बचाव करते दिखे। इसके बाद नेटिजन्स ने उन्हें ट्रोल करना शुरू किया और पूछा कि जब कंगना के दफ्तर पर बुलडोजर चला था तब वे कहां थे? इस पर हंसल मेहता ने कहा, क्या उनके घर तोड़फोड़ हुई थी, क्या गुंडे उनके घर में घुसे थे? क्या उन्होंने उनकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को चुनौती देने या कथित एफएसआई उल्लंघन के लिए ऐसा किया? कृपया मुझे इसके बारे में बताए। शायद मैं तथ्य नहीं जानता। इस पर कंगना रनौत ने हंसल मेहता को जवाब दिया और याद दिलाया कि उन्हें भी आपत्तिजनक शब्द बोले गए थे।

बोले- कैमरे के सामने उनका जादू चलता है

कंगना से सोशल मीडिया पर तकरार के कुछ दिनों बाद हाल ही में हंसल मेहता ने अभिनेत्री की दिल खोलकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि वे कंगना की प्रतिभा के कायल हैं। हंसल मेहता ने कहा कि वे कंगना के कायल हैं। वे उनकी स्क्रीन प्रिजेंस को पहचानते हैं। हंसल मेहता ने माना कि कैमरे के सामने कंगना की उपस्थिति जादुई होती है। हंसल मेहता ने इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में यह कहा। हंसल ने कहा, मैं उनकी अदाकारी का कायल हूं। मैं उनकी प्रतिभा का वर्णन नहीं कर सकता, बस कैमरा उनसे प्यार करता है। यहां तक कि वे भी नहीं जानतीं कि वे कैमरे के सामने क्या जादू कर सकती हैं।

राम कथा सुनाएंगे बिग बी

रामनवमी के अवसर पर जियो-हॉटस्टार दर्शकों के लिए अयोध्या से एक विशेष लाइव स्ट्रीमिंग करेगा। इस दौरान अमिताभ बच्चन भगवान राम की प्रेरक कथा सुनाएंगे। साथ ही राम जन्मभूमि पर होने वाले सभी विशेष धार्मिक कार्यक्रमों को भी इस पर प्रसारित किया जाएगा। 6 अप्रैल को सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक यह स्ट्रीमिंग चलेगी।

स्ट्रीमिंग के दौरान अमिताभ बच्चन राम के मूल्यों पर चर्चा करेंगे। उत्सव में राम के जन्म, रामायण के सात कांडों और राम जन्मभूमि से जुड़ी कथा लाइव स्ट्रीम पर चलेगी। इसके अलावा अमिताभ बच्चन बच्चों के साथ एक इंटरैक्टिव सेशन भी करेंगे। जिसमें रामायण के कांडों की चुनिंदा कहानियों और दोहों को भी दिखाया जाएगा।

इस स्ट्रीमिंग के माध्यम से अयोध्या में की जाने वाली विशेष पूजा से लेकर, मंदिरों में पवित्र अनुष्ठान, भद्राचलम, पंचवटी, चित्रकूट और अयोध्या की लाइव आरती का आनंद दर्शक उठा पाएंगे। इसके अलावा भक्ति भजन, कैलाश खेर और मालिनी अवस्थी सहित मशहूर कलाकारों द्वारा मंत्रमुग्ध करने वाली सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी प्रसारित होंगी।

प्रोजेक्ट को लेकर क्या कहा अमिताभ ने?

इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने पर अमिताभ बच्चन ने आभार जताया। बिग बी ने कहा, ऐसे पवित्र अवसर का हिस्सा बनना बड़ा सम्मान है। रामनवमी एक त्योहार से कहीं बढ़कर है। यह भगवान राम द्वारा बताए गए धर्म, भक्ति और धार्मिकता के आदर्शों को अपनाने का समय है। ओटीटी प्लेटफॉर्म द्वारा दर्शकों को आध्यात्मिक अनुभव देने का यह एक प्रयास है।

रवि तेजा की मास जतारा की रिलीज डेट टली

साउथ अभिनेता और मास महाराजा रवि तेजा के जन्मदिन के अवसर पर उनकी आगामी फिल्म मास जतारा का दमदार टीजर जारी किया गया था, जिसमें रवि पुलिस अफसर की भूमिका में नजर आए। वहीं अब यह जानकारी आई है कि इसकी रिलीज डेट में बदलाव किए गए हैं।

साउथ अभिनेता रवि तेजा इन दिनों अपनी फिल्म मास जतारा को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म में उनके साथ पुष्पा फेम अभिनेत्री श्रीलीला नजर आएंगी। इस फिल्म को भानु बोगावरापु द्वारा लिखित और निर्देशित किया गया है। 123 डॉट कॉम के अनुसार, रवि तेजा की मास जतारा को लेकर जो जानकारी सामने आई है, उसके अनुसार फिल्म को अब 9 मई, 2025 की जगह जुलाई की किसी तारीख को रिलीज किया जाएगा।

क्यों रिलीज डेट में हुए बदलाब पवन कल्याण अभिनीत हरि हर वीरा मल्लू की रिलीज डेट और रवि तेजा की मास जतारा की रिलीज डेट एक ही दिन होने के कारण ही इसकी रिलीज डेट में बदलाव किए गए हैं। यानी की अब रवि तेजा की फिल्म के लिए फैंस को थोड़ा और इंतजार करना होगा क्योंकि अब फिल्म मई की जगह जुलाई मे रिलीज होगी।

रिलीज की तारीख

रवि तेजा की मास जतारा की नई रिलीज डेट की जानकारी की घोषणा जल्द की जाएगी। फिल्म का संगीत भीम्स सेसिरोलेओ ने तैयार किया है। इस फिल्म को नागा वामसी और साई सौजन्या ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। फिल्म का निर्देशन भानु भोगवरपु कर रहे हैं।

चंकी पांडे को बेटी अनन्या पांडे पर है गर्व

हाल ही में हुए आईपीएल मैच की ओपनिंग सेरेमनी में अनन्या पांडे ने दमदार परफॉर्मेंस से सभी का दिल जीत लिया, जिसे लेकर अब बॉलीवुड अभिनेता और अनन्या के पिता चंकी पांडे ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया है और साथ ही अपनी बेटी के लिए एक भावुक नोट भी लिखा है। हाल ही में मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच मुंबई में आईपीएल मैच हुआ। मैच की ओपनिंग सेरेमनी के दौरान बॉलीवुड अभिनेत्री और चंकी पांडे की बेटी अनन्या ने अपनी दमदार परफॉर्मेंस से वहां पर मौजूद सभी लोगों का दिल जीत लिया। अनन्या की इस परफॉर्मेंस के बाद उनके पिता चंकी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए अपनी खुशी जाहिर की है।

चंकी का इंस्टाग्राम पोस्ट

चंकी पांडे ने इंस्टाग्राम पर अपनी बेटी और बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे की कई तस्वीरों को मिलाकर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें आईपीएल के दौरान अनन्या की कई शानदार तस्वीरें नजर आईं। इस खास वीडियो के साथ चंकी ने कैप्शन में लिखा, ढ्ढक्क हमेशा ही सेलिब्रेशन से भरा रहा है। मुझे तुम पर गर्व है अनन्या पांडे। सेलेब्स ने भी चंकी की इस पोस्ट पर दी अपनी प्रतिक्रिया - चंकी पांडे ने जैसे ही अनन्या के साथ अपनी इस पोस्ट को इंस्टाग्राम पर शेयर किया, वैसे ही कई बॉलीवुड सेलेब्स के कमेंट की बारिश होने लगी। चंकी की इस पोस्ट पर बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने लाल दिल वाले इमोजी बनाकर अपना प्यार जताया। वहीं चंकी की इस पोस्ट पर उर्मिला मातोंडकर ने फायर और स्माइल हार्ट इमोजी बनाई है। इन दोनों के अलावा अनन्या की मां और चंकी की पत्नी भावना पांडे ने अपनी बेटी के इस गर्व भरे पोस्ट पर दो दिल वाले इमोजी बनाए हैं। इन सभी के अलावा द फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स सीरीज की अभिनेत्री महिप कपूर और सीमा सच्देह ने भी लाल दिल वाले इमोजी बनाए हैं।

साभार एजेंसी